हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 307, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 26 अप्रैल, 2022 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

अगर निर्वाचित प्रतिनिधि पार्टी छोड़ना चाहता है, तो पहले पद से इस्तीफा दे और फिर चुनाव लड़े : वेंकैया नायडू

दल-बदल रोधी कानून में कुछ खामियां हैं जिन्हें दूर करने की जरूरत

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने दल-बदल रोधी कानून में खामियों पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इसे प्रभावी बनाने के लिए इसमें संशोधन किया जाना चाहिए। नायडू ने प्रेस क्लब में 'नए भारत में मीडिया की भूमिका' पर व्याख्यान देते हुए कहा कि दल-बदल रोधी कानून में कुछ खामियां हैं जिन्हें दूर करने की जरूरत है, ताकि जनप्रतिनिधियों के दल-बदल को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि यह एक साथ व्यापक संख्या में दल बदलने की अनुमति देता है, लेकिन कुछ संख्या में दल-बदल की नहीं। इसलिए लोग संख्या जुटाने की कोशिश करते हैं। उपराष्ट्रपति ने निर्वाचित प्रतिनिधियों को एक दल से दूसरे दल में जाने के बजाय इस्तीफा देने और फिर से निर्वाचित होने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर निर्वाचित प्रतिनिधि पार्टी छोड़ना चाहते हैं, तो उन्हें पहले पद से इस्तीफा देना चाहिए और फिर से निर्वाचित होना चाहिए। नायडू ने कहा कि मुझे लगता है कि समय आ गया है जब हम वास्तव में मौजूदा दल-बदल रोधी कानून में संशोधन करें, क्योंकि कुछ खामियां हैं। नायडू ने दल-बदल के खिलाफ दायर

मामलों को सदन के अध्यक्षों, सभापतियों और अदालतों की ओर से वर्षों तक लंबित रखे जाने को लेकर भी नाखुशी जाहिर की। चूंकि 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस होता है, इसलिए नायडू ने स्थानीय निकायों को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया, जो भारतीय लोकतंत्र के त्रि-स्तरीय प्रशासन का हिस्सा हैं। नायडू ने कहा, "आइए, हम सब इन संस्थाओं को मजबूत करके और इनका सम्मान करके लोकतंत्र के इन स्तंभों को मजबूत करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें। यह मेरी देश की जनता से और विभिन्न स्तरों के नेताओं से भी अपील है।" लोकतंत्र को मजबूत करने में मीडिया की भूमिका का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह देश की प्रगति, लोकतंत्र को मजबूत करने, लोगों की आकांक्षाओं और सरकार के विकास लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए महत्वपूर्ण है। नायडू ने कहा कि मीडिया लोगों को जानकारी देता है और मुझे हमेशा लगता है कि पुष्टि के साथ जानकारी गोला-बारूद से अधिक (खतरनाक) है। इसे वास्तविक भावना से समझना होगा। उपराष्ट्रपति ने सार्वजनिक जीवन में मूल्यों के क्षरण की बात करते हुए संसद और विधानसभाओं में व्यवधान होने पर अफसोस जताया। उन्होंने राजनीतिक दलों द्वारा अपने सदस्यों के लिए आचार संहिता बनाए जाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

कोस्ट गार्ड ने पाकिस्तानी नौका से नौ तस्करों समेत 300 करोड़ की हेरोइन जब्त की

अहमदाबाद। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता एवं कोस्टकार्ड के संयुक्त ऑपरेशन में अरब सागर की भारतीय जल सीमा जखौ के पास से 300 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त की गई है। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते व भारतीय तटरक्षक बल के संयुक्त ऑपरेशन में गुजरात के समुद्र के किनारे जखौ के पास एक पाकिस्तानी बोट अल हज को घेर कर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें करीब 56 किलो मादक पदार्थ पकड़ा गया। मादक पदार्थ हेरोइन बताया जा रहा है। एटीएस ने नौ पाकिस्तानी तस्करों को गिरफ्तार किया है। रक्षा विभाग के जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार एटीएस व कोस्ट गार्ड ने मिलकर अरब सागर में भारतीय जल सीमा के अंदर एक पाकिस्तानी बोट को पकड़ा इसमें 9 लोग सवार थे।

जम्मू में पीएम मोदी की रैली से पहले हुए धमाके की गुत्थी सुलझी

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जम्मू-कश्मीर यात्रा से पहले हुए धमाके को लेकर बड़ी खबर है। कहा जा रहा है कि रैली स्थल से कुछ दूरी पर हुए धमाके का कारण आइडी हो सकता है। अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद रविवार को प्रधानमंत्री पहली बार केंद्र शासित प्रदेश पहुंचे थे। उन्होंने सांबा जिले के पल्ली में आयोजित पंचायती दिवस समारोह में भाग लिया था। पीएम की यात्रा से कुछ घंटों पहले हुए धमाके की वजह ड्रोन से गिराया गया आइडी हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, जम्मू के बिशनाह इलाके के लालियान गांव के रहवासियों ने रविवार को धमाके की खबर दी थी। इसके बाद से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई थी। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि उन्होंने धमाके से पहले ड्रोन जैसी आवाज भी सुनी थी। सुरक्षा बलों के सूत्रों नने बताया कि इस एंगल से भी जांच जारी है कि आइडी ड्रोन के जरिए गिराया गया था। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया, 'जैश और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी समूह परेशान हैं। आतंकवादी समूह रैली को रोकना चाहते थे। जैश और एलईटी दोनों के पास ड्रोन्स हैं, जिन्हें वे तैनात कर सकते थे। पीएम मोदी की रैली पर हमला सीमा पर तनाव बढ़ा सकता है। घटना के बाद तुरंत ही पीएम के स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसएपीजी) को लालियान में हुए धमाके के बारे में जानकारी दी गई।

मंत्री गडकरी ने औरंगाबाद में 5,569 करोड़ रु की 7 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने औरंगाबाद जिले के विकास को एक नया आयाम देने की दिशा में एक और कदम उठाया है। उन्होंने आज 5,569 करोड़ रुपये की 7 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। औरंगाबाद, महाराष्ट्र के प्रमुख औद्योगिक और शैक्षिक केंद्रों में से एक है। उन्होंने कहा कि औरंगाबाद जिले में पर्यटन केंद्रों के विकास के लिए शहर में सड़क परिवहन महत्वपूर्ण है, जो कि राज्य का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। मंत्री ने कहा कि इन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण से परिवहन के साथ-साथ औरंगाबाद जिले के विकास में तेजी आएगी।

शहर में यातायात में सुधार से दुर्घटनाओं और पर्यावरण प्रदूषण की संख्या को कम करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि जिले के ग्रामीण इलाकों से शहर तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा। गडकरी ने कहा कि जल संकट से जूझ रहे औरंगाबाद जिले में सड़क परियोजनाओं के माध्यम से जल संकट को दूर करने के प्रयास किए हैं। सड़कों के निर्माण में बुलढाणा पैटर्न के अनुरूप कई तालाबों का निर्माण किया गया है और सड़कों के निर्माण में मिट्टी और पत्थरों का उपयोग किया है। मंत्री ने कहा कि

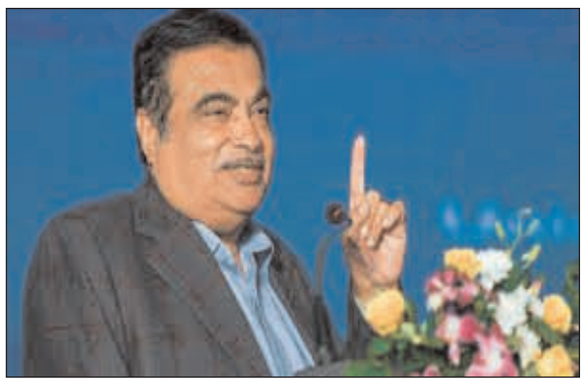

इसके माध्यम से अडगांव-गंधेली, वाल्मी व नक्षत्रवाड़ी क्षेत्र, तीसगांव और साजापुर गांव क्षेत्रों में बनाए गए तालाबों से निकाली गई मिट्टी का दोहरा लाभ मिला है। गहरीकरण ने हर एक क्षेत्र में तालाब के निर्माण को संभव बनाया है।

गडकरी ने कहा कि वह भूजल स्तर में बढ़ोतरी कर जल संकट को कम करने में सहायता करेंगे। जिले में ऐसे तालाबों के निर्माण के चलते अब भूजल की क्षमता बढ़कर 14 लाख क्यूबिक मीटर हो गई है।

लाउडस्पीकर विवाद सुलझाने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे राज्य सरकार की ओर से लाउडस्पीकर विवाद को सुलझाने के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे। मनसे नेता संदीप देशपांडे ने यह जानकारी दी है। इस बैठक में मनसे नेता संदीप देशपांडे, बाला नंदगांवकर और नितिन सरदेसाई शामिल होंगे। वहीं, राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और पूर्व सीएम व विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस भी बैठक में शामिल नहीं होंगे। बैठक की अध्यक्षता महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वालसे और उप मुख्यमंत्री अजीत पवार करेंगे। गृह मंत्री दिलीप वालसे ने आज होने वाली सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में लाउडस्पीकरों को लेकर चल रहे विवाद के बीच राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा होने की उम्मीद है। राज्य में चल रहे लाउडस्पीकर विवाद के मद्देनजर, ठाकरे ने कहा था कि देश के मुसलमानों को यह समझना चाहिए कि धर्म कानून और देश से ऊपर नहीं है।

यूक्रेन को सैन्य मदद भेजने पर आगबबूला हुआ रूस, अमेरिका को दी चेतावनी- यह अस्वीकार्य है, इससे और बढ़ेगा टकराव

लंदन। यूक्रेन में जारी लड़ाई के थमने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी मुल्क यूक्रेन को लगातार सैन्य मदद भेज रहे हैं। अब रूस ने अमेरिका से यूक्रेन को सैन्य

मदद नहीं भेजने की चेतावनी दी है। वाशिंगटन में मास्को के राजदूत अनातोली एंटोनोव ने कहा है कि हम अमेरिका से यूक्रेन को हथियारों की खेप नहीं भेजने की मांग कर रहे हैं। ऐसा करना अस्वीकार्य है। एंटोनोव ने यह भी बताया है कि रूस की ओर से इस बारे में एक राजनयिक नोट वाशिंगटन भेजा गया है। अनातोली एंटोनोव ने कहा कि अमेरिका की ओर से यूक्रेन को भेजी जा रही इस तरह की हथियारों की आपूर्ति टकराव को और बढ़ाएगी। इस बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री लायड अस्टिन ने रविवार देर रात को कीव में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की। इस मुलाकात में यूक्रेन और क्षेत्र के अन्य देशों को रूसी आक्रामकता से निपटने के लिए 71.3 करोड़ डालर की आर्थिक मदद देने का वादा किया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की अमेरिका और मित्र यूरोपीय देशों से लगातार सैन्य मदद मुहैया कराने की गुजारिश कर रहे हैं। एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी प्रशासन ने वाशिंगटन में स्थित रूसी दूतावास के कामकाज पर अघोषित रूप से रोक लगा दी है। यह जानकारी अमेरिका में रूसी राजदूत अनातोली एंतोनोव ने दी है। उन्होंने कहा कि रूसी दूतावास अमेरिका के सरकारी संगठनों के कामकाज रोकने वाले कदमों का सामना कर रहा है। इन कदमों के तहत बैंक आफ अमेरिका ने हमारे ह्यूस्टन और न्यूयार्क के वाणिज्य दूतावासों के बैंक खाते एकतरफा फैसले के तहत बंद कर दिए हैं। फोन और मेल के जरिये धमकियां दी जा रही हैं।

पेपर लीक मामलाः बलिया के तीन पत्रकारों को मिली जमानत, बैकफुट पर आई पुलिस ने हटाई संगीन धाराएं

बलिया। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट अंग्रेजी पेपर लीक मामले में गिरफ्तार बलिया के तीन पत्रकारों को सोमवार को जमानत मिल गई। जिला जज की अदालत ने तीनों पत्रकारों को जमानत दी। यही नहीं, तीनों पत्रकारों पर लादी गईं संगीन धाराएं भी हट गईं हैं। इस मामले में बैकफुट पर आई पुलिस ने पेपर लीक के तीनों मुकदमे में से आईपीसी की धाराएं हटा दी हैं। पेपर लीक मामले में गिरफ्तार वरिष्ठ पत्रकार अजीत ओझा, दिग्विजय सिंह और मनोज गुप्ता की रिहाई की मांग को लेकर बीते कई दिनों से आंदोलन चल रहा था। प्रकरण में दिग्विजय सिंह और मनोज गुप्ता की जमानत पहले ही स्वीकृत हो गई थी, जबकि सोमवार को अजीत ओझा की जमानत स्वीकार हुई। जमानत के बाद की कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। प्रक्रिया पूरी होने के बाद तीनों पत्रकार जेल से बाहर होंगे। अब सिर्फ इन पर परीक्षा अधिनियम और 66 आईटी एक्ट शेष है, जिनकी तफ्तीश चल रही है। पेपर लीक कांड में 50 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी हुई है। जिसमें मास्टरमाइंड निर्भय नारायण सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक बृजेश कुमार मिश्रा इत्यादि हैं। इस मामले में शासन स्तर से भी जांच की जा रही है।

शिवपाल के खास माने जाने वाले कांग्रेस के नेता प्रमोद कृष्णम ने की आजम खां से मुलाकात, भेंट की श्रीमद भगवद गीता

सीतापुर। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव के बेहद खास माने जाने वाले कांग्रेस के नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने सोमवार को सीतापुर जेल में बंद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता विधायक आजम खां से भेंट की। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने आजम खां से करीब डेढ़ घंटा तक मुलाकात की और उनको भगवत गीता भेंट की। अखिलेश यादव के दूत समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा से रविवार को भेंट करने से इन्कार करने वाले आजम खां के रिश्ते अब समाजवादी पार्टी से ठीक नहीं लग रहे हैं। आजम खां पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनदेखी करने से नाराज हैं। इसके साथ ही उनके समर्थक नेता तथा कार्यकताओं ने भी अखिलेश यादव के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। इटावा के जसवंतनगर से समाजवादी पार्टी के विधायक

शिवपाल सिंह यादव के बेहद खास माने जाने वाले कांग्रेस के नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने सोमवार को दिन में सीतापुर जेल में बंद सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां से भेंट की। इनके बीच करीब डेढ़ घंटा तक वार्ता हुई। भेंट के बाद बाहर निकले प्रमोद कृष्णम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में संत की सरकार में आजम खां पर जुल्म ठीक नहीं है। उत्तर प्रदेश के सबसे वरिष्ठ विधायक आजम खां पर जुल्म अन्याय है। उन्होंने कहा कि मैंने आजम खां साहब को श्रीमद भगवद गीता भेंट की है। उन्होंने हमें खजूर खिलाए। उम्मीद है कि वह जल्दी ही जेल से बाहर आ जाएंगे। प्रमोद कृष्णम ने कहा कि आजम खां की तबीयत ठीक नहीं है। उनसे मुलाकात हुई और मैंने उन्हें गीता श्री भगवद गीता की। आजम खां ने उसको स्वीकार किया। यह तो सत्य है कि उन पर जुल्म हुआ है। वह बड़े नेता हैं और उनके ऊपर बकरी, मुर्गी, किताब व शराब चोरी के मुकदमे दायर कर जेल में बंद करना बहुत बड़ा जुल्म है।

एमैनुएल मैक्रों के फिर फ्रांस के राष्ट्रपति चुने जाने पर पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। फ्रांस में संपन्न राष्ट्रपति पद के चुनाव में वर्तमान राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने एक बार फिर जीत हासिल कर ली है उन्होंने धुर दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को करारी शिकस्त दी है। महामारी और यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच जारी राष्ट्रपति चुनाव में मैक्रों ने उन्हें एक और मौका देने की अपील मतदाताओं से की थी। जीत के बाद उनके समर्थक खुशी से झूम उठे। एफिल टॉवर के पास लोगों ने जमकर जश्न मनाया। बंपर जीत को लेकर पूरी दुनिया के लोग एमैनुएल मैक्रों को फ्रांस का राष्ट्रपति चुने जाने के बाद बधाई दे रही हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एमैनुएल मैक्रों को उनकी जीत पर बधाई दी। फ्रांस के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने पर इमैनुएल मैक्रों को बधाई देने के लिए पीएम मोदी ने सोमवार सुबह ट्विटर का सहारा लिया। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा, "मेरे मित्र इमैनुएल मैक्रों को फ्रांस के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने पर बधाई! मैं भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखने के लिए तत्पर हूं।" रविवार को, एमैनुएल मैक्रों ने फ्रांस के राष्ट्रपति चुनाव में प्रतिद्वंद्वी मरीन ले पेन को आराम से हरा दिया और अपनी स्थिति बरकरार रखी।

गृह मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि 97 फीसदी वोटों की गिनती के साथ मैक्रों को 57.4 फीसदी वोट मिले। अपने विजय भाषण में, उन्होंने कहा, "इस देश में कई लोगों ने मुझे वोट दिया, वे मेरे विचारों का समर्थन करते है। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं और जानना चाहता हूं कि आने वाले वर्षों में मैं उन पर कर्जदार हूं। फ्रांस में किसी को भी किनारे नहीं छोड़ा जाएगा। मैक्रों को बधाई देने के लिए विश्व नेताओं ने सोशल मीडिया का सहारा लिया। ब्रावो इमैनुएल यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने ट्विटर पर लिखा "इस अशांत अवधि में, हमें एक ठोस यूरोप और एक फ्रांस की आवश्यकता है जो पूरी तरह से एक अधिक संप्रभु और अधिक रणनीतिक यूरोपीय संघ के लिए प्रतिबद्ध हो।

कांग्रेस के खेवनहार पीके को लेकर गुस्से में जी-23

बोले, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा समूह के साथ सुलह बैठकें करने का क्या मतलब

नई दिल्ली। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर अब कांग्रेस के खेवनहार की भूमिका में होंगे। कांग्रेस के पुनरुद्धार की उनकी योजना पर चल रही चचाओं के बीच, जी-23 नेताओं के एक वर्ग ने कांग्रेस संगठन में तीव्र विभाजन के संकेत दिए हैं। ये संकेत ऐसे समय में आए हैं जब प्रशांत किशोर के साथ सोनिया गांधी व अन्य नेताओं की चर्चा के दौरान जी-23 के नेताओं को शामिल नहीं किया जा रहा है। जी-23 में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और मौजूदा सांसद शामिल हैं। इन सदस्यों में से कोई भी प्रशांत किशोर द्वारा प्रस्तावित कांग्रेस के सुधार के रोडमैप या पार्टी में रणनीतिकार की भविष्य की भूमिका पर चर्चा में शामिल नहीं हुए हैं। जी-23 नेताओं के एक वर्ग ने कहा कि इस "बहिष्करण और अपमान ने उन्हें बहुत आहत किया है।"

जी-23 के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा, 'हमारे बहिष्कार और अपमान के बाद, एक गहरा विभाजन और गहरा अविश्वास दिखाई दे रहा है। जब हमें पार्टी के पुनरुद्धार से संबंधित चर्चा प्रक्रिया में बाहर रखना था, तो कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा समूह के साथ सुलह बैठकें करने का क्या मतलब था? अब यह देखा जाना बाकी है कि क्या

कम से कम कुछ जी-23 नेता फिर से बात करने को तैयार होंगे। जी-23 के एक अन्य नेता ने ट्रिब्यून से कहा कि "उच्चतम स्तर पर विश्वास तोड़ा गया।" उन्होंने पूछा, "क्या एक चुनावी रणनीतिकार उन दिग्गजों की तुलना में बेहतर तरीके से पार्टी को पुनर्जीवित कर सकता है जिन्होंने वर्षों तक इसकी सेवा की है? क्या ममता बनर्जी या एमके स्टालिन ने किसी रणनीतिकार से पूछा कि अपनी पार्टी कैसे चलाई जाए? क्या ऐसी विभाजित कांग्रेस कभी भाजपा से लड़ सकती है?

एक सूत्र ने प्रशांत किशोर के प्रस्तावों पर चर्चा कर रही सोनिया द्वारा गठित समिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि मई में होने वाले पार्टी के 'चिंतन शिविर' से पहले जी-23 के वरिष्ठ नेताओं के एक वर्ग के बीच 'अपमान' के संकेत कोई भी आकार ले सकते हैं। जी-23 के एक नेता ने पैनल से किसी भी लोकसभा सदस्य की अनुपस्थिति का मुद्दा उठाते हुए पूछा कि क्या कांग्रेस में निर्वाचित प्रतिनिधियों के विचार मायने रखते हैं या नहीं। समिति में दिग्गज एके एंटनी, अंबिका सोनी, मल्लिकार्जुन खड़गे, दिग्विजय सिंह, मुकुल वासनिक और रणदीप सुरजेवाला शामिल हैं। जी-23 के खेमे में गुस्से के बीच, यह देखना बाकी है कि क्या किशोर को कांग्रेस में शामिल किए जाने पर समूह प्रतिरोध करेगा या नहीं।

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 हटाने के खिलाफ दायर याचिका पर जुलाई में सुनवाई करेगा शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने के विरुद्ध दायर याचिका पर देश की सर्वोच्च अदालत जुलाई में सुनवाई करेगा। अदालत में दायर अर्जी में जम्मू-कश्मीर का दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठन करने और विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने पर भी सवाल उठाया गया है। अदालत ने अर्जी को लिस्ट करने की बात कही है और इस पर जुलाई में सुनवाई करने पर सहमति जताई है। वरिष्ठ अधिवक्ता शेख नफाडे ने चीफ जस्टिस की बेंच के समक्ष कहा कि यह धारा 370 का मामला है। अब तो जम्मू-कश्मीर में लोकसभा और विधानसभा की सीटों का परिसीमन भी चल रहा है। इस पर सीजेआई एनवी रमन्ना ने कहा, 'मैं देखता हूं।' इस पर नफाडे ने कहा कि आर्टिकल 370 हटाने को चैलेंज करने वाली अर्जी पर कम से कम जुलाई में गर्मियों की छुट्टियां समाप्त होने के बाद सुनवाई होनी चाहिए। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि छुट्टियों के बाद इस मसले को देखते हैं। यह मामला 5 जजों की बेंच का है। हमें बेंच आदि का पुनर्गठन करना होगा। बता दें कि 5 अगस्त, 2019 को आर्टिकल 370 हटाने, जम्मू-कश्मीर का दो हिस्सों में पुनर्गठन करने का फैसला लिया गया था। इसके दिसंबर, 2019 में अदालत में अर्जियां दाखिल की गई थीं, जिन्हें सुनवाई के लिए जस्टिस एनवी रमन्ना, जस्टिस संजय किशन कौल, आर. सुभाष रेड्डी, बीआर गवई और सूर्यकांत की अदालत में भेजा गया था।

इनमें से एक जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी इसी साल जनवरी में रिटायर हो चुके हैं। माना जा रहा है कि चीफ जस्टिस ने उनके रिटायरमेंट के चलते ही कहा कि वह बेंच के पुनर्गठन कर विचार करेंगे। तब अदालत में यह मसला उठा था कि क्या इस अर्जी को 7 जजों की बेंच के समक्ष भेजने की जरूरत है। इस पर अदालत ने 2 मार्च के अपने जजमेंट में कहा था कि इसे बड़ी बेंच के समक्ष भेजने की जरूरत नहीं है।

चिंतन मनन

पीएम की कश्मीर यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर में लगभग 20 हजार करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। 20 हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। इस दौरान पीएम मोदी ने जनसभा को भी संबोधित किया। पीएम मोदी ने देश के चुने हुए प्रतिनिधियों से कहा कि पंचायत हो पार्लियामेंट, कोई भी काम छोटा नहीं है। यहां अपने कामों से हम अपने देश को आगे ले जा सकते हैं। अगर पंचायत में बैठ कर यह संकल्प लें कि तो देश को आगे बढ़ाने के लिए काम करूंगा तो देश आगे बढ़ेगा। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की कोशिश यही है कि गांव के विकास से जुड़े हर प्रोजेक्ट को प्लान करने, उसके अमल में पंचायत की भूमिका ज्यादा हो। इससे राष्ट्रीय संकल्पों की सिद्धि में पंचायत अहम कड़ी बनकर उभरेगी। धरती मां को कैमिकल से मुक्त करना ही होगा। इसलिए प्राकृतिक खेती की तरफ हमारा गांव, हमारा किसान बढ़ेगा तो पूरी मानवता को लाभ होगा। ग्राम पंचायत के स्तर पर कैसे प्राकृतिक खेती को हम प्रोत्साहित कर सकते हैं, इसके लिए भी सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। पांच अगस्त 2019 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली जम्मू कश्मीर में किसी अधिकारिक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग पहुंचे। इसके अलावा पाकिस्तान में भी हाल ही में सत्ता परिवर्तन हुआ है। प्रधानमंत्री का यह दौरा जम्मू कश्मीर के संदर्भ में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत मायने रखता है। इससे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसके समर्थित आतंकी संगठन हताश हैं। वह प्रधानमंत्री के दौरे को हर सूरत में नाकाम बनाना चाहते थे और दुनिया को दिखाना चाहते थे कि जम्मू कश्मीर में सामान्य स्थिति की बहाली के जो दावे खोखले हैं। मगर सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की इस मंशा को सिरे से ध्वस्त कर दिया। प्रधानमंत्री के दौरे के ऐलान के बाद से जिस तरह जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाएं बढ़ीं, वह चिंता तो बढ़ा रही थीं। मगर अब जबकि प्रधानमंत्री का दौरा हो गया है तो वह कोरी साबित हुईं। अगर अनुच्छेद 370 रहता तो जम्मू कश्मीर में आज भी त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था एक दूर का सपना होती। परिसीमन की रिपोर्ट भी अब किसी भी समय जारी हो सकती है और उसके बाद जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज जाएगा जो इसी वर्ष नवंबर में हो सकते हैं। जिस सांबा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम आयोजित हुआ है, वो पाकिस्तान से ज्यादा दूर नहीं है, ऐसे में उनका वहां से दिया गया एक संदेश पूरे पाकिस्तान में भी सियासी हलचल पैदा कर सकता है। उनके इस दौरे के मायने इसलिए भी हैं क्योंकि हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर में सरपंचों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। पंचायत के दूसरे सदस्यों को भी आतंकी अपनी गोलियों का शिकार बना रहे हैं। ऐसे में अब पंचायत सदस्यों में फिर सुरक्षा का भाव पैदा हो सके, उन्हें इस बात का अहसास हो सके कि सरकार उनकी फिक्र करती है, पीएम मोदी का यह दौरा उस विश्वास को बढ़ाने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमलों ने भी पीएम के इस दौरे की अहमियत को कई गुना बढ़ा दिया है। सरकार लगातार जोर देकर कह रही है कि 370 हटने के बाद से घाटी का माहौल बदला है, आतंकी घटनाएं कम हुई हैं। अब उसी दावे को कमजोर करने के लिए पाकिस्तान से आए आतंकी माहौल खराब करने की भरसक कोशिश कर रहे हैं। उनकी उस कोशिश पर पीएम मोदी द्वारा शुरू की जा रही विकास परियोजनाएं भारी पड़ सकती हैं। आतंकवादियों के साथ-साथ उनके हुक्मरानों को साफ कह दिया गया है कि आतंकी घटनाओं के डर से जम्मू-कश्मीर का विकास नहीं रोका जाएगा। उनकी धमकियों को तवज्जो नहीं देते हुए सीधे जम्मू-कश्मीर की जनता से संवाद स्थापित किया जाएगा।

कर रहे ये काम !

आए चुन कर आप अभी ।
कर रहे ये काम ।।
पार्टी और सरकार ।
हो रहे बदनाम ।।
मानवाधिकार का भी ।
रखा नहीं ख़्याल ।।
आपकी इन हरकतों से ।
उठते हैं सवाल ।।
मिले अगर अधिकार ।
ये कैसा प्रयोग ?
मिली अगर है ताकत ।
हो सही उपयोग ।।
परंपरा ये ठीक नहीं ।
हो सबका सम्मान ।।
करके ऐसा कृत्य ।
बन रहे महान ।।

–कृष्णेन्द्र राय

किशोरावस्था में सेक्स एजुकेशन की अनिवार्यता!

आपका बच्चा अगर 13-14 की उम्र पार कर रहा है और आपको लगता है कि उसके सामने सेक्स के बारे में बात करते हुए आपको म्यूट हो जाना चाहिए, तो आप बहुत बड़ी भूल कर रहे हैं। बल्कि यह उम्र तो ऐसी होती है जब उन्हें सबसे ज्यादा सेक्स एजुकेशन की जरूरत होती है। शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक बदलाव के इस दौर में बच्चे को कच्ची सूचनाओं के भ्रमजाल में फंसने से केवल आप ही बचा सकते हैं।

सोशल मीडिया का भ्रम जाल- किशोरावस्था में बच्चे बहुत ज्यादा समय सोशल मीडिया पर बिताने लग जाते हैं। क्या कभी आपने सोचा है कि ऐसा क्यों होता है। असल में जिन बातों पर आप बच्चों को खामोश होने की हिदायत देते हैं, वही बातें सोशल मीडिया पर थोक के भाव मौजूद हैं। लेकिन ये सूचनाएं इतनी गलत और भ्रामक हैं कि बच्चे को दिग्भ्रमित कर देती हैं। सूचनाओं की बाढ में कुछ ऐसी जानकारियां भी उपलब्ध हैं जो भ्रमित कर सकती हैं। ऐसे में माता-पिता अपने बच्चों के लिए फिल्टर का काम कर सकते हैं, जहां से सिर्फ वही सूचनाएं उन तक पहुंचें जो सही और उपयुक्त हैं।

किशोरावस्था में बेटी को ऐसे तरुणावस्था की शिक्षा- बच्चों के साथ सबसे अधिक सक्रिय रहने की वजह से मां पर ही यह जिम्मेदारी अधिक रहती है कि वे अपने बच्चों को उनके स्वस्थ यौनिक विकास सम्बंधी सही शिक्षा दें। माध्यमिक स्कूल में जाने वाले बच्चों से माता-पिता को यह सवाल पूछना चाहिए कि उनकी हेल्थ क्लास में क्या बताया गया, ऐसे में बच्चे उन सवालों के बारे में भी आपसे जानकारी लेने में सहज महसूस करेंगे जिन्हें वे अपनी क्लास में नहीं पूछ पाते हैं। अगर आप यह जानने का प्रयास करेंगे कि उन्हे क्या बताया गया अथवा क्या नहीं, तो आपको यह समझने में आसानी होगी कि कौन सी ऐसी बातें हैं जो छूट गई हैं और आप उनसे सम्बंधित सही जानकारी बच्चे को दे सकती हैं।

शारीरिक बदलाव- जब बच्चे उम्र के उस पडाव पर पहुंच जाते हैं जब उनके शरीर में महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे होते हैं तब उन्हें इस बारे में विस्तृत और सही जानकारी की जरूरत होती है कि ये बदलाव क्यूं हो रहे हैं और इनसे कैसे डील करना है। प्युबर्टी के दौरान जो भी शारीरिक बदलाव आते हैं उनके बारे में अपनी बेटी से बात करें। वह अपने जननांगों में बदलाव महसूस कर रही होगी और सेकंडरी बदलाव (जैसे कि, स्तन विकास) आदि अनुभव कर रही होगी। ऐसे में अगर किसी की प्युबर्टी जल्दी शुरू हो जाती है अथवा देर से शुरू होती है तो उसे घबराने की जरूरत नहीं है। किसी भी लडकी के जीवन में माहवारी की शुरूआत और इसके साथ आने वाले अन्य शारीरिक बदलाव उन्हे बेहद तनाव और भ्रम की स्थिति में डाल सकते हैं। चूंकि इन मुद्दों पर हर किसी का अपना अलग नजरिया होता है ऐसे में आपको यह सुनिश्चि करना है कि आपकी बेटी अपने जेहन में उठने वाले किसी भी सवाल का जवाब आपसे पूछ सके। हार्मोनल बदलाव और आइडेंटिटी फॉर्मेशन प्युबर्टी से सम्बंधित दो सबसे बडी चुनौती होते हैं (आपके लिए भी और आपके बच्चे के लिए भी)। हार्मोन्स का मूड पर गहरा प्रभाव पडता है, तो अपने बच्चे को पहले से बता कर रखें कि इन बदलाओं के समय उसे कैसा महसूस हो सकता है। इसके अतिरिक्त शारीरिक और हार्मोन सम्बंधी बदलावों का असर बच्चों की भावनाओं पर भी पडता है, वे अक्सर इस बात को लेकर मूड स्विंग महसूस करते हैं कि व्यक्तिगत तौर पर कैसे दिखते हैं अथवा सामाजिक मसलों सम्बंधी बातों के संदर्भ में।

सम्बंधपरक बदलाव- उम्र के इस पडाव पर बच्चे सेक्सुअल इंटरकोर्स और एनकाउंटर से जुडी बातें ज्यादा सुनने लगते हैं। यहाँ तक कि अगर आप यह चाहें कि आप इस तरह की सूचनाओं से बच्चों को दूर रखें तो भी कोई लाभ नहीं होगा, क्योंकि घर से बाहर भी तमाम ऐसे माध्यम मौजूद हैं जहाँ से उनतक जानकारी पहुंच ही सकती है। टेलीविजन, मूवी, इंटरनेट, मैगजीन, म्यूजिक और उनके स्कूल के साथियों की बातें, सब कुछ सेक्सुअल संकेतार्थों और अलंकारों से भरा पडा है। इनमें अहानिकारक सॉफ्ट ड्रिंक के विज्ञापन से लेकर दोहरी अर्थों वाली हास्यास्पद बातें तक शामिल हैं। इस तरह की बातों से डरने के बजाय आपको बच्चों को जागरुक करने की जरूरत होती है। अगर आप उनसे सेक्सुअल इंटरकोर्स के बारे में बात करेंगी, उन्हें सुरक्षित सेक्स का महत्व बताएंगी, एड्स व अन्य यौन सम्बंधी बीमारियों के खतरों से अवगत कराएंगी, सेक्सुअल अब्यूज के बारे में जागरूक करेंगी तो कोई समस्या नहीं आएगी।

सामाजिक बदलाव- किशोरावस्था की शुरूआत से पहले ही बच्चे अपनी दोस्ती का दायरा बढाने को तैयार होते हैं और ऐसी क्रियाओं में हिस्सा लेते हैं जिनमें लडके-लडकियाँ दोनो शामिल हों। ऐसा शायद इसलिए होता है क्योंकि वे दूसरे व्यक्तियों में शारीरिक दिलचस्पी महसूस करते हैं। यही वह भावना होती है जिसके चलते अक्सर इस उम्र में किसी सिलेब्रिटी अथवा अपने किसी साथी के लिए क्रश महसूस होता है। बच्चों के जीवन के इस पडाव में उनसे इन फीलिंग्स के बारे में बात करना, डेटिंग, डांसिंग और अन्य सम्बंधित बातों के बारे में सही दिशानिर्देश देना आपकी जिम्मेदारी बनती है। बचपन और किशोरावस्था के सन्योजन के इस दौर में ऐसे नियम तय करना बेहद जरूरी होता है जिनसे आपके बच्चे सुरक्षित रहें और अपने फैसलों में आपके भरोसे का खयाल रखें।

आध्यात्मिक बदलाव- किशोरावस्था की शुरूआत से पहले के दिनों में बच्चों में अंतरवैयक्तिक सम्बंधों के बारे में समझ विकसित होने लगती है, सहानुभूति व प्यार के लिए उनकी क्षमता बढने लगती है। उनके आध्यात्मिक स्रोत अधिक वैयक्तिक और तार्किक हो जाते हैं। ऐसे दौर में अपने आध्यात्मिक परम्पराओं के जरिए उन्हे ऐसे नैतिक मूल्यों का ज्ञान दिया जा सकता है जो जीवन को सही दिशा में ले जाने के लिए आवश्यक हैं। जैसे कि- ईमानदारी, सम्मान और जिम्मेदारी आदि।

मेरी ऑखे रोज बरसती हैं

ये मौसम बारिश का अब पसंद नहीं मुझे !!
ऐ बारिश जरा खुल कर बरस !!
इतनी रिमझिम तो मेरी आँखें रोज बरसती हैं !!
मेरे अपने आंसू ही बहुत है !!
भीग जाने के लिये !!
रात भर गिरते रहे उनके दामन में मेरे आँसु !!
सुबह उठते ही वो बोले कल रात बारिश गजब की थी !!
तरस आता है मुझे अपनी मासूम सी पलको पर !!
जब भीग के कहती है की अब रोया नहीं जाता !!

सूखे पत्तों की तरह बिखरे थे हम !!
ऐ दोस्तो किसी ने समेटा भी तो जलाने के लिए !!
मेरे जज्बात की कदर ही कहाँ !!
सिर्फ इलजाम लगाना ही उनकी फितरत है !!
चाहते तो दिल की किताब खोल भी देते हम !!
मगर उस पढ़ने वाले को फुरसत ही नहीं थी !!
ताल्लुक हो तो रूह से रूह का हो !!
दिल तो अक्सर एक दूसरे से भर जाया करते है !!
क्या कहुँ मैं की कहने को शब्द नहीं मिल रहे !!
चलो आज खामोशी ही महसुस कर लो !!
आवाज करके रोना तो मुझे आज भी नहीं आता !!
काश तूने मेरी खामोश सिसकियाँ ही सुन ली होती !!
रहने दो तुमसे क्या शिकवा करु !!
तम तो कभी थे ही नहीं मेरे !!
पता नहीं क्यो इस दिल ने तुझ पर भरोसा किया !!
तुझको ही अपना माना !!
अलविदा नहीं कहुंगी !!
तेरा इंतजार करती रहुंगी

मीना सिंह राठौर
नोएडा उत्तर प्रदेश

क्यों बिगाड़ा जा रहा है साम्प्रदायिक सौहार्द!

जाति और धर्म के नाम पर सौहार्द बिगाड़ने का कार्य अंग्रेजों की फूट डालने की नीति से शुरू हुआ था, जो आज तक भी जारी है। इससे न केवल लोगों में दूरी बढ़ी है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय एकता व अखंडता को भी नुकसान पहुंचा रहा है। इसके कारण लोकतांत्रिक तथा धर्मनिरपेक्ष मूल्य शिथिल होते जा रहे हैं। देश में कुछ विघटनकारी तत्व राष्ट्रीय हितों की अपेक्षा धार्मिक और जातिगत विषयों को अधिक महत्त्व दे रहे हैं। सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन के कारण राजनीतिक दल जनता को धर्म व जाति के नाम पर भड़काने का काम करते हैं और वोट पा जाते है,जिसका नुकसान भोली भाली जनता को ही अंततः भुगतना पड़ता है। सरकार की उदासीनता के कारण सामान्य घटना भी साम्प्रदायिक दंगों का रूप ले लेती है। जातीय तथा धार्मिक कट्टरपन सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के साथ देश की नीतियों, निर्णयों तथा प्रगति को प्रभावित करता है। हमारे देश में धर्म और जाति की जड़ें काफी गहरी है । राजनेता इसका दुरुपयोग कर देश में जाति और धर्म के नाम पर वैमनस्यता फैला कर अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश करते रहे है और सफल भी होते रहे है।वर्तमान में भी यही हो रहा है। जाति और धर्म के नाम पर राजनीतिक नियुक्तियां, टिकट वितरण, सरकार द्वारा दबाव में आपराधिक प्रकरणों को वापस लेना तथा जानबूझकर कर वर्ग विशेष को निशाना बनाकर समाज मे अलगाव की खाई पैदा करने की कौशिश देश और समाज के लिए नासूर बनती जा रही है।राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के लालच में सामाजिक और धार्मिक सौहार्द को पनपने ही नहीं देते।वर्तमान समय में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा अपने राजनीतिक लाभ की पूर्ति के लिए धार्मिक और जातीय सौहार्द बिगाड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं । योजनाबद्ध तरीके से भारत में सांप्रदायिकता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

धार्मिक और जातीय सौहार्द को बिगाड़ने के प्रयास में कुछ लोगों के साथ कई नेता भी शामिल हैं। ये नेता वैमनस्यता फैलाकर अपनी राजनीति की रोटियां सेकने का प्रयास कर रहे हैं और आम लोग उनके झांसे में आ रहे हैं। ये नेता तो वोट की घिनौनी राजनीति के अपने काम में सफल हो जाते हैं, लेकिन देश का नुकसान हो जाता है। आजकल के नेता धार्मिक जातीय भावनाओं को बिगाड़ कर अपना उल्लू सीधा करने में लगे हुए हैं। वे धर्म के नाम पर फूट डालो राज करो की नीति अपनाने से भी पीछे नहीं हटते। ऐसे में यह हमारा स्वयं का दायित्व बनता है कि हम देश की एकता व अखंडता के लिए साम्प्रदायिक सौहार्द बनाने के लिए आगे आए। हमारे समाज और हमारे देश के हित में क्या है, इसका निर्णय हमें स्वयं विवेक से लेना चाहिए। धर्म का अर्थ क्या है? सबसे पहले तो हमें इसकी सही परिभाषा का ज्ञान होना चाहिए , तभी हम जाति और धर्म के ऊपर उठकर एक स्वस्थ और सौहार्दपूर्ण वातावरण युक्त देश का निर्माण कर पाएंगे।हमारे देश में सभी धर्मों व जातियों के लोग मिलजुलकर रहना चाहते हैं, परन्तु ओछी व घटिया राजनीति के कारण नेता वोट बैंक की राजनीति कर सामाजिक वातावरण बिगाड़ देते हैं। ये नेता आम जनता को धर्म व जाति के नाम पर भड़काते हैं। जनता उनके बहकावे मे आकर लड़ती है। जनता को नेताओं की कुटिल राजनीति समझ नहीं आती।अनेकता में एकता हमारे देश की और संविधान की खूबसूरती है। मुश्किल यह है कि भारत में राजनीतिक दलों का लक्ष्य मात्र सत्ता हासिल करना रह गया है, जो बिना वोट बैंक के संभव नहीं है। सकारात्मक राजनीति के दिन लद गए और नकारात्मक सोच की राजनीति हावी हो चुकी है। नेता आज भी अंग्रेजों की कूटनीति 'फूट डालो और राज करो का अनुसरण कर रहे हैं।पिछले कुछ बरसों से नेताओं ने आपसी सौहार्द को बिगाड़ने में अहम भूमिका निभाई है। नेताओं ने सत्ता के लालच में और सत्ता के सहारे पैसा बनाने के चक्कर में समाज को धर्म और जातीय आधार पर बांट दिया है। नेताओं ने धर्म-जाति को आधार बना कर दल बना लिए। 'वोट-बैंक' की वजह से देश के सौहार्दपूर्ण जीवन में उथल पुथल मची हुई है।

संयोग (कहानी)

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

हेलो मेम!आप की सीट पर एक आदमी के बैठने भर की जगह है। अगर आपकी इजाजत हो तो मैं बैठ जाऊं। बड़ी अदब और लिहाज से दिनेश ने जब पूछा तो बगल में बैठी एक मोटी औरत ने अपना मुंह बिचकाकर जगह घेर ली। लंबी सफर की ट्रेन में लंबी दूरी की यात्रा खड़े होकर तय करना काफी मुश्किल भरी होती है।करीब पांच रेलवे स्टेशन की दूरी तय करने के बाद रंजना को दया आई । उसने अपने को समेटती हुई इशारा से दिनेश को बैठने को कहा। दिनेश शुक्रिया अदा करते हुए बैठ गया।पास में बैठी मोटी औरत आगे अपने गांव के पास स्टेशन पर उतर गई।अब सीट पर केवल और केवल रंजना और दिनेश बैठे पड़े थे। वैसे तो ट्रेन की बोगी में बहुत सारे लोग थे। कस्बा विहिन लंबी सीवान में सनसनाती हुई ट्रेन आगे बढती जा रही थी। रात के करीब ग्यारह बजे के पार घड़ी की सुई बजा रही थी। अचानक रंजना ने दिनेश का मन टटोला।आप क्या करते हैं? कुछ नहीं ,अभी पढ़ाई कर रहा हूं। पुलिस की नौकरी करने का ख्वाब है। भगवान ने चाहा तो जल्दी सफलता मिलेगी। दिनेश ने कहा। रंजना ने फिर सवाल किया कहां तक जाना है? दिल्ली तक। दिनेश ने जबाव दिया।फिर रंजना ने पूछा दिल्ली में किस जगह? उत्तम नगर, दिनेश ने जबाव दिया। आपको कहां तक जाना है? दिनेश ने रंजना से पूछा।बस आपके ही इलाके में, रंजना ने जबाव दिया।आपके ही इलाके में मतलब कहां? दिनेश ने पूछा? रंजना ने कहा लक्ष्मी नगर।आप वहां कैसे? क्या करती है? दिनेश ने पूछा? रंजना ने कहा वैसे तो मैं महिला पुलिस हूं। वाराणसी जनपद में पोस्ट हूं। लेकिन मेरी बूढ़ी नानी लक्ष्मी नगर में रहती है। और अपनी अस्वस्थता की स्थिति में वह मुझे देखने को बुलाई है। नानी ने ही मुझे पढ़ा लिखा कर इस ओहदे तक पहुंचाई है। इसलिए मेरा फर्ज.बनता है कि उसे देखूं और शक्ति मुताबिक सेवा कर सकूं। दिनेश रंजना के नेकनियत में इस कदर बह गया की रंजना के साथ नानी को देखने नानी के घर तक जाने का फैसला कर लिया। दोनों एक साथ नई दिल्ली बस स्टैंड पर उतरे और उतरकर रंजना ने अपने वाहन की तलाश में जब आगे बढ़ना चाही तो दिनेश ने टोका, इतनी हड़बड़ी क्या है। आइए थोड़ी चाय पीते हैं फिर अपने अपने गंतव्य को निकलते हैं। अपरिचित आदमी के हाथों चाय पीना रंजना को रास नहीं आ रहा था।वह भी पुलिस कर्मी होते हुए,सीधे मुकर गई। दिनेश कोई दबाव नहीं दिया। दोनो अपने अपने सवारी वाहन से अपने गंतव्य को निकल गए।अगले दिन दिनेश अपने चाचा और अपने सगे संबंधियों के साथ एक फाइवस्टार होटल में लड़की देखने गया। जहां रंजना अपनी नानी और अपने रिस्तेदारो संग पहले से मौजूद रहीं।पुआ पकवान उम्दा मिष्ठान आदि के मुकम्मल बंदोबस्त का दोनों तरफ के लोगों ने खूब लुत्फ उठाया।लड़की ने लड़का को और लड़का ने लड़की को देखा। दर्शक कक्ष में मौके की गीत राम देखे सिया और सिया राम को चारों अंखियां लड़ी की लड़ी रह गई दोनों आश्चर्य भाव से एक दूसरे को निहार रहे थे। लाजबाव मेकप और होटल साजसज्जा के बीच दोनों एक दूजे को खूब जंच रहे थे।ना नुकुर का कोई सवाल ही नहीं था।एक ने उंगली में रिंग पहनाया तो दूसरे ने गले में चेन।दहेज की कोई डिमांड नहीं थी। इसलिए कि दिनेश के चाचा शंकर जिस कंपनी में काम करते थे उसी कंपनी में रंजना के एक लौते मामा कपिल सुपरवाइजर थे। दोनो में खूब बनती थी।एक दिन बात बात में कपिल ने रंजना के सादी की चर्चा की। शंकर ने अपने भतीजे संग करने का मजाक किया।बस क्या था। कपिल ने आव देखा न ताव। कहा लड़का कब दिखाते हो? बोलो बात पक्की। चूंकि कपिल अपनी भांजी के लिए दिनेश जैसे सुयोग्य वर को हाथ से सरकने नहीं देना चाहता था। आखिर वह मौका कपिल के हाथ लग ही गया। दोनों पक्ष की स्थिति और परिस्थिति एक दूसरे से मेल खाती थी। दोनों वैवाहिक बंधन में बंध कर सुखमय संसार की सुखद कल्पना में खो गए।

25 अप्रैल 1999 की ऐतिहासिक अपील : आधुनिक चीनी इतिहास में सबसे बड़ा शांतिपूर्ण विरोध

चीन में 25 अप्रैल 1999 की शांतिपूर्ण अपील को मील का पत्थर कहा जा सकता है, जिसकी मार्टिन लूथर किंग और महात्मा गांधी ने भी सराहना की होती। अमेरिकी कांग्रेसी स्कॉट पेरी (रिपब्लिकन) ने हाल ही में एनटीडी को कहा की यह घटना "आधुनिक चीनी इतिहास में सबसे बड़ा शांतिपूर्ण विरोध" है।

इस ऐतिहासिक तारिक के दो दिन पहले फालुन गोंग साधना अभ्यास (जिसे फालुन दाफा भी कहा जाता है) के बारे में चीनी मीडिया में निंदनीय लेख छापा गया था। झूठी रिपोर्ट को ठीक करने का अनुरोध करने के लिए कुछ अभ्यासी तीयानजीन के मीडिया से भेंट करने गए, लेकिन वहाँ प्राधिकारीयों ने दंगा पुलिस बुलवाई, और 45 अभ्यासियों को गिरफ्तार कर लिया गया। व्यक्तिगत रूप से इस मुद्दे का निवारण करने के लिए, 25 अप्रैल 1999 को, लगभग 10,000 फालुन गोंग अभ्यासी बीजिंग में फुयू स्ट्रीट पर चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के हेड क्वार्टर में शांतिपूर्ण अपील करने के लिए एकत्रित हुए। चीन के कम्युनिस्ट शासन के इतिहास में 25 अप्रैल की अपील, न केवल अपने आकार के लिए उल्लेखनीय थी, बल्कि इसलिए भी कि यह पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित थी। अभ्यासियों ने ना कोई नारे लगाए गए, ना तोड़-फोड़ हुई, ना ही कोई कोई कचरा फलाया। वे सड़क के किनारे चुप-चाप खड़े थे। यहाँ तक की दिन भर यातायात सुचारू रूप से चलता रहा। कुछ अभ्यासियों ने वाहनों और पैदल यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के

लिए पहल की। उस दिन तत्कालीन चीनी प्रधानमंत्री झू रोंगजी ने फालुन गोंग प्रतिनिधियों से मुलाकात की और आश्वासन दिया कि चीनी सरकार फालुन गोंग का विरोध नहीं करेगी। उसके बाद सब अभ्यासी शांतिपूर्वक वापस जाने लगे। जाते समय अभ्यासियों ने अपने आस-पास की सफाई की, यहां तक कि पुलिस द्वारा गिराए गए सिगरेट के टुकड़ों को भी उठाया। लेकिन बाद में, चीनी शासन ने तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया और फालुन गोंग पर 25 अप्रैल, 1999 को "झोंगनानहाई केंद्रीय सरकार परिसर की घेराबंदी करने" का आरोप लगाया। फालुन गोंग मन और शरीर का साधना अभ्यास है, जिसकी शुरूआत 1992 में श्री ली होंगजी द्वारा की गयी, और आज भारत सहित, दुनिया भर में 100 से अधिक देशों में इसका निःशुल्क अभियास किया जाता है। इसके स्वास्थ्य लाभ और आध्यात्मिक शिक्षाओं के कारण फालुन गोंग चीन में इतना लोकप्रिय हुआ कि कुछ ही वर्षों में 70 -100 करोड़ लोग इसका अभ्यास करने लगे थे। फालुन गोंग की बढ़ती लोकप्रियता चीनी कम्युनिस्ट शासकों को खलने लगी। कम्युनिस्ट शासन के झूठे वादों के 3 महीने बाद, 20 जुलाई 1999 को, चीनी शासक जियांग जेमिन ने फालुन गोंग अभ्यासियों पर अब तक का सबसे क्रूर दमन शुरू कर दिया, जो आज तक जारी है। फालुन गोंग का अभ्यास करने के आरोप में अब तक लाखों चीनी लोगों का अपहरण कर जेलों में डाल दिया गया, यातनाएं दी गईं, स्कूलों, नौकरियों से निकाल दिया गया, या बेघर कर दिया गया। चीन में अनगिनत यातनाओं के मामले सामने आये हैं। यही नही अवैद अंगों के ट्रांसप्लांट के लिए उन्हें मार दिया जाता है। हाल ही में ह्लद वायरह्व ने भी इस विषय पर रिपोर्ट किया है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा फालुन गोंग का दमन और नरसंहार मानवता के खिलाफ अपराध है।

आइए सेहत के लिए नाचें...

नृत्य एक कला है, इसका अपना शास्त्र है। पर व्यावहारिक नजरिए से देखें तो नाचना हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। केवल शारीरिक ही नहीं मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहने में नाचने का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि अपने भीतर की हर झिझक को तोड़कर पूरी मस्ती में जी भर कर नाचा जाए।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि नृत्य यानी डांस, मन की खुशी को व्यक्त करने का एक तरीका है। जब हम खुश होते हैं तो मन हवा में उड़ने लगता है। उस समय हमें नृत्य चाहे आता हो या ना आता हो, हम खुशी से थिरकने लगते हैं। लेकिन जीवन में ऐसे मौके रोज नहीं, कभी-कभार ही आते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि नृत्य का जितना हमारी खुशियों से संबंध है, उससे कई गुना ज्यादा इसका हमारी सेहत से संबंध है। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ हर उम्र के लोगों को स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से नाचने की सलाह देते हैं।

होते हैं कई फायदे

वास्तव में डांस, एक ऐसा फिटनेस मंत्र है, जिसका मुकाबला दुनिया की कोई भी दूसरी एक्सरसाइज नहीं कर सकती। जब हम नृत्य करते हैं तो हमें सेहत संबंधी अनेक फायदे होते हैं। इससे हमारा हृदय स्वस्थ रहता है, मांसपेशियां मजबूत होती हैं, शरीर के विभिन्न अंगों के बीच शानदार संतुलन बनता है, याददाश्त तेज होती है, हड्डियां मजबूत होती हैं, हम हमेशा ऊर्जा से भरे होते हैं। डांस करने से बहुत आसानी से हम महज 50 से 55 मिनट में 260 से ज्यादा कैलोरी बर्न कर सकते हैं, जबकि अगर आपका डांस बहुत फास्ट और सालसा या एरोबिक जैसा कोई फॉर्म है, तो आप 500 कैलोरी तक एक घंटे में बर्न कर सकते हैं। इससे पता चलता है कि डांस, फिटनेस के लिए कितना लाभकारी है। किसी भी और एक्सरसाइज में इतनी कैलोरी इतने कम समय में जलाना संभव नहीं है। नाचने से हमारी मनोदशा सकारात्मक रहती है। इस तरह देखें तो नाचने से शारीरिक ही नहीं मानसिक सेहत भी बेहतर होती है। शायद इसीलिए फिटनेस एक्सपर्ट, डांस को सबसे अच्छा वर्कआउट कहते हैं।

व्यायाम का रोचक तरीका

किसी भी सामान्य एक्सरसाइज में जहां हमें कुछ समय के बाद अरुचि हो जाती है, वहीं नाचना एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिसे अगर हम एंज्वॉय करने लगे तो फिर हम थकेंगे नहीं और ना ही इससे अरुचि होगी। कई ऐसे डांसर्स हैं, जो कई-कई घंटे नाचकर भी तरोताजा महसूस करते हैं, क्योंकि यह ऐसी एक्टिविटी है, जिससे शरीर तो स्वस्थ होता ही है, मन को बहुत खुशी भी मिलती है। इसलिए हम इससे जल्दी थकते नहीं।

बच्चे-बूढ़े भी करें डांस

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का तो यह भी कहना है कि स्कूलों में नृत्य की कक्षाएं अनिवार्य कर देनी चाहिए। इससे दो बड़े फायदे होंगे, एक तो हर दिन 40-45 मिनट तक डांस करने से सभी स्कूली बच्चे फिट रहेंगे और जब हर दिन सैकड़ों सहपाठियों के सामने नाचेंगे या थिरकेंगे तो नाचने या थिरकने की जो शुरुआती झिझक है, वो भी दूर हो जाएगी। बच्चे ही नहीं 60 की उम्र पार कर चुके वृद्ध भी अपनी क्षमता और रुचि के अनुसार डांस कर इसके शारीरिक-मानसिक लाभ ले सकते हैं।

क्या नाचने में होती है झिझक

इतने फायदों के बावजूद यह भी सच है कि दुनिया में ज्यादातर लोग डांस करने से झिझकते हैं। उन्हें किसी के सामने नाचने से हमेशा संकोच होता है, उन्हें लगता कि वह अच्छा नृत्य नहीं कर पाते, इसलिए देखने वाले लोग उनका मजाक उड़ाएंगे। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आपको सबके सामने नाचने में दिक्कत होती है तो कोई बात नहीं, सबके सामने मत नाचिए। लेकिन सेहत संबंधी फायदों के लिए इसे एक एक्सरसाइज के रूप में लें और घर के एकांत में या जहां कहीं भी सुविधाजनक महसूस करें, नाच सकते हैं। अगर आपके मन में यह बात घर कर गई है कि आप नाच नहीं सकते, तो इसे आपको चुनौती के रूप में लेना चाहिए यानी नाचने की शुरुआत करनी चाहिए। एक बार यह झिझक टूटती है तो ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है, जिसमें थिरकने की क्षमता ना हो और उस थिरकन को एक लय में ना बांध जा सके। कहने का मतलब यह कि हर कोई चाहे तो डांस कर सकता है। अगर किसी समारोह में लोगों को मंत्रमुग्ध करने वाला नृत्य नहीं भी कर सकता तो ऐसा नृत्य तो हर कोई कर ही सकता है, जो तन और मन दोनों को स्वस्थ रखे, दुरुस्त रखे।

ऐसे होगी झिझक दूर

अगर आप कोशिश करने के बाद भी नाचने की झिझक को दूर नहीं कर पाते हैं तो उसका एक तरीका यह है कि अपने किसी रूम में तेज आवाज में म्यूजिक चला दीजिए और फिर अपने दोस्तों का ग्रुप बनाकर या अकेले ही नाचना शुरू करिए। थोड़ी देर के बाद अपने आप पैर एक लय में उठने लगेंगे। आजकल तो इसके बहुत सारे उपाय हैं। किसी भी मशहूर डांसर का कोई वीडियो चला दीजिए और उसके साथ ताल मिलाने की कोशिश करना स्टार्ट कर दें। दो चार बार के बाद आपको सचमुच ताल मिलाना आ जाएगा। चाहें तो यू-ट्यूब में किसी भी किस्म के डांस को सर्च किया जा सकता है या मोबाइल में गूगल म्यूजिक जैसे म्यूजिक एप्स के जरिए किसी भी किस्म के डांस को ढूंढ़कर चालू कर दीजिए और तबीयत से नाचिए। *

छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट

मेहता प्वॉइंट

मैनपाट के मेहता प्वॉइंट से शानदार नजारा दिखता है। जहां तक नजर जाती है बस पहाड़ ही पहाड़ दिखाई देते हैं। सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा यहां से बेहद अनोखा होता है जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं।

कुदरत का जादू देखना है तो छत्तीसगढ़ के मैनपाट आइए। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य मन मोह लेता है, ऊंची-ऊंची पहाड़ी, घने जंगल, हरी-भरी वादियों के बीच से बहते झरने और नदियां। ठंड और बारिश के दिनों में तो मैनपाट का सौंदर्य चरम पर होता है। मैकल पर्वत के बीच से होकर गुजरते टेढ़े-मेढ़े रास्ते, और पहाड़ियों से नीचे घाटी के भव्य नजारे देखते ही बनते हैं। छत्तीसगढ़ का हिल स्टेशन कहे जाने वाले मैनपाट में ऐसी कई जगह हैं जो आपको रोमांच से भर देती हैं। उल्टा पानी, जलजली, मछली पॉइंट, टाइगर पॉइंट, मेहता पॉइंट, यहां मौजूद तिब्बतियों की बस्ती आपको अलग ही दुनिया में ले जाती है।

टाइगर पॉइंट

छत्तीसगढ़ के शिमला के नाम से मशहूर मैनपाट में टाइगर पॉइंट प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां देखने के लिए हरे भरे जंगल और एक जलप्रपात है। आमतौर पर झरनों को नीचे से देखना काफी मुश्किल होता है, लेकिन टाइगर प्वाइंट के इस झरने का नजारा पर्यटक नीचे उतरकर भी देख सकते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार सालों पहले यहां बाघ पानी पीने आया करते थे। इस वजह से ये जगह टाइगर प्वाइंट के नाम से मशहूर हो गई।

यहां उल्टा बहता है पानी

मैनपाट में एक छोटा सा गांव है बिसरपानी, यहां एक ऐसी जगह है जहां पानी ढलान की ओर नहीं बल्कि चढ़ाव की तरफ बहता दिखाई देता है। यहां गुरुत्वाकर्षण के नियम फेल नजर आते हैं। माना जाता है कि बिसरपानी गांव की इस जगह में गुरुत्वाकर्षण बल से ज्यादा प्रभावी मैग्नेटिक फील्ड है। जो पानी या वाहन को ऊपर (चढ़ाव) की तरफ खींचता है। यहां आने वाले पर्यटक ये नजारा देख अचंभित हो जाते हैं।

यहां चलने से हिलती है जमीन

मैनपाट के जलजली में चलने या उछलने से जमीन हिलती है। यहां आप जितनी चलहकदमी करेंगे उतनी ही ये जमीन हिलेगी। दरअसल ये एक छोटी नदी की ऊपरी सतह है जिसपर मिट्टी की मोटी परत जम चुकी है, जिससे ये जमीन दलदली बन चुकी है और चलने पर हिलती है। जलजली में घुड़सवारी और स्पोर्ट्स बाइक को रोमांच भी उठा सकते हैं।

'छोटा तिब्बत'

मैनपाट में तिब्बतियों की बस्ती है, जिसके चलते मैनपाट को छोटा तिब्बत भी कहा जाता है। 1962 में तिब्बत पर चीन के कब्जे और वहां के धर्मगुरू दलाई लामा सहित लाखों तिब्बतियों के निर्वासन के बाद भारत सरकार ने उन्हें अपने यहां शरण दी थी। इसी दौरान तिब्बत के वातावण से मिलते-जुलते मैनपाट में एक तिब्बती कैंप बसाया गया था। यहां पीढ़ियों से रह रहे तिब्बती अपनी संस्कृति और परंपरा के चलते अब मैनपाट की पहचान बन गए हैं।

ठहरने के इंतजाम

मैनपाट में पर्यटकों के ठहरने के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग की ओर से शानदार शैला रिसोर्ट बनाया गया है। यहां ठहरने के साथ ही आपके खान पान का भी इंतजाम है। साथ ही वन विभाग के विश्राम गृह के अलावा यहां तिब्बती समुदाय के लोगों द्वारा कई जगह होम स्टे की भी सुविधा दी जाती है, जिससे आप यहां की नैसर्गिक खूबसूरती के अलावा तिब्बती संस्कृति से करीब से रूबरू हो सकते हैं।

ऐसे पहुंचे मैनपाट

मैनपाट की दूरी अंबिकापुर जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर है, जहां सड़क मार्ग से जाने के लिए टैक्सी, बस या निजी वाहनों से पहुंचा जा सकता है। वहीं ट्रेन के जरिए आने वालों को अंबिकापुर रेलवे स्टेशन पर उतरना होता है। यहां से सड़कमार्ग से मैनपाट पहुंचा जा सकता है। वायुमार्ग से आने वालों के लिए रायपुर एयरपोर्ट पर आना होता है, रायपुर से अंबिकापुर की दूरी करीब 350 किलोमीटर है।

रोमांस

दिल का क्या पता, कब बहक उठे, कुछ नहीं कहा जा सकता। इसमें उम्र कोई मायने नहीं रखती। चालीस पार कर चुके सक्सेना के साथ ऐसा ही कुछ हुआ लेकिन जल्द ही उसकी आत्मा जाग उठी, उसने धिक्कारा यह सही नहीं है। इंसानी फितरत और नैतिक बोध में उलझे एक इंसान और भोली-भाली लड़की की कहानी।

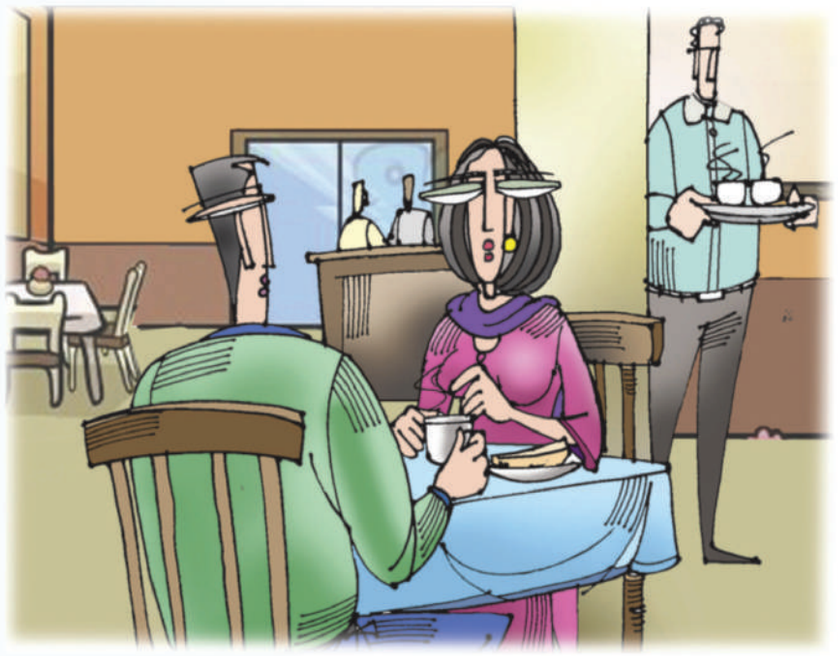

सक्सेना वैसे तो चालीस पार कर चुका था, लेकिन देखने में तीस-बत्तीस साल से अधिक का नहीं लगता था। बहुत रंगीन तबियत का इंसान था वह। कोई सुंदर लड़की देखी नहीं कि उसके आगे-पीछे डोलने लगता। वह किसी काम से बरेली गया था। वहां से लौटते समय शाहजहांपुर में एक मासूम-सी लड़की ट्रेन के उसी डिब्बे में चढ़ी, जिसमें वह बैठा हुआ था। उसके आते ही सक्सेना की निगाहें उसको सिर से लेकर पैर तक तौलने लगीं।

'आइए मैडम... इधर बैठ लीजिए।' यह कहते हुए थोड़ा खिसक कर सक्सेना ने अपने बगल में जरा-सी जगह बनाई और लड़की को वहां बैठने का इशारा किया। लड़की बगैर कुछ बोले सक्सेना द्वारा इंगित बित्ते भर की जगह पर टिक गई।

'कहां जाना है मैडम, आपको भी लखनऊ जाना है क्या...?' सक्सेना ने पूछा।

'जी...।' लड़की ने उत्तर दिया और मुंह घुमाकर खिड़की से बाहर देखने लगी। बातचीत आगे बढ़ने की गुंजाइश ना देख सक्सेना खामोश तो हो गया, लेकिन अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। वह कभी उसके पैरों से पैर सटा देता तो कभी नींद की झपकी के बहाने उसके कंधों पर सिर टिका देता। लखनऊ तक वह किसी ना किसी बहाने लड़की का स्पर्श-सुख लेता हुआ आया।

लगभग बीस दिनों बाद, शाम का समय था। सक्सेना चौक में टहल रहा था। सहसा एक चेहरा देख कर वह चौंका! 'अरे! यह तो वही लड़की है, जो ट्रेन में मिली थी।' उसने अपने आप से कहा और लंबे-लंबे डग भरता लड़की की तरफ बढ़ गया।

'हेलो मैडम!' वह लड़की के पास पहुंचकर एक मोहक मुस्कान बिखेर कर बोला। सक्सेना को अचानक सामने देखकर लड़की अचकचा गई।

'कहिए मैडम... पहचाना मुझे?' सक्सेना ने शरारत से आंखें नचाते हुए पूछा। 'जी...।' लड़की घबरा गई। 'अरे भई! उस दिन ट्रेन में भेंट हुई थी अपनी। आइए कहीं बैठते हैं... एक प्याली चाय पीते हैं।' सक्सेना हीं.. हीं करते बोला। 'जी नहीं, मुझे घर जाना है।' लड़की बोली। 'अरे! तो मुझे ही कौन-सा यहीं खड़े रहना है। घर तो मुझे भी जाना है।' उसने कहा और लपक कर लड़की के हाथ से सामान का थैला ले लिया।

सक्सेना बिल्कुल ढिठाई पर उतर आया था। लड़की तय नहीं कर पा रही थी कि करे तो क्या करे? उसके जी में आया कि शोर मचा दे कि यह शोहदा उसके साथ छेड़खानी कर रहा है। लेकिन बात का बतंगड़ बनने के डर से चुप रह गई। 'मेरा थैला दीजिए प्लीज...।' घबराई लड़की ने कहा। 'क्यों भई...? क्या मैं इतना बुरा हूं कि आपको मेरे साथ एक प्याली चाय पीना भी मंजूर नहीं? आइए... मान जाइए। यू आर ए क्यूट गर्ल। कम ऑन प्लीज।' लड़की को कुछ और बोलने का मौका दिए बगैर सक्सेना ने सर को जुम्बिश देते, आंखें मटकाते हुए कहा। अपनी तारीफ सुनकर लड़की पर जैसे सम्मोहन-सा छा गया। वह मंत्र-मुग्ध-सी सक्सेना के पीछे हो ली। सक्सेना एक रेस्टोरेंट में घुसा और कोने वाली सीट पर बैठ गया। उसके पीछे आती लड़की भी आकर सामने की कुर्सी पर बैठ गई।

'क्या खाएंगी...? डोसा, समोसा, चाट या कुछ और?' उसने लड़की की आंखों में आंखें डालते हुए पूछा। 'जी... कुछ नहीं, बस चाय।' लड़की बोली। उसका गला सूखता जा रहा था। मारे घबराहट के उसके मुंह से बोल नहीं निकल रहे थे।

'अरे वाह...! ऐसा कैसे हो सकता है? मैं इतना गया-बीता नहीं हूं कि आप जैसी खूबसूरत मेहमान को बस खाली चाय पर ही निपटा दूं।' सक्सेना बोला। तभी बेयरा आ गया। 'दो प्लेट पनीर डोसा, उसके बाद दो कप बढ़िया-सी कॉफी।' उसने बेयरे को ऑर्डर दिया 'आप वाकई बहुत खूबसूरत हैं।' सक्सेना ने मुस्कराते हुए कहा तो लड़की के गाल लाल हो गए। उसने शरमा कर निगाहें नीचे कर लीं। 'मैंने तो आपको दूर से ही पहचान लिया था। आपका चेहरा है ही इतना सुंदर और यूनीक कि जो भी एक बार देख ले, जिंदगी भर ना भूले।' सक्सेना आगे बोला। लड़की के मन में फुलझड़ियां छूटने लगी थीं। भय का कोहरा अब छंट चुका था। यह पहला मौका था, जब कोई मर्द इतने निकट बैठा उसकी तारीफ कर रहा था। वह खुशी के मारे दुहरी होती जा रही थी। उसका चेहरा लाल हो आया था। आंखें हंस रही थीं, मुंह से बोल नहीं फूट रहे थे। उसका जी कर रहा था सक्सेना यूं ही उसकी तारीफ करता रहे और वह सुनती रहे। इतने में बेयरा डोसे की प्लेट रख गया। 'नाम क्या है आपका...?' सक्सेना ने डोसे का टुकड़ा मुंह में डालते हुए पूछा। 'जी... रुचि गुप्ता।' 'वाह! क्या नाम है? जितनी सुंदर आप खुद हैं, उतना ही सुंदर आपका नाम भी है।' 'आप तो बेवजह बना रहे हैं मुझे। इसमें खास क्या है भला...? इतना सिंपल-सा तो नाम है।' लड़की इतराते हुए बोली। अब वह आहिस्ता-आहिस्ता खुलने लगी थी।

'मैडम! हीरा अपनी कीमत खुद नहीं जानता है। जौहरी ही उसकी सही कीमत पहचानता है।' सक्सेना बोला। 'अच्छा अब चुप रहिए... बनाइए मत।' लड़की आंखें मटकाते हुए बोली।

'मैडम... मैं सच में कह रहा हूं। आप सुंदर हैं, इसलिए सुंदर कह रहा हूं। यदि सुंदर को सुंदर ना कहा जाए तो फिर क्या कहा जाए?' सक्सेना ने लड़की के चेहरे पर आंखें गड़ाते हुए कहा। उसकी आंखें सक्सेना की आंखों से टकराईं, लड़की के भीतर कुछ गुदगुदाहट हुई। उसने शरमाते हुए आंखें नीचे कर लीं और कॉफी सुड़कने लगी।

'आप रहती कहां हैं...?'

'जी, ठाकुरगंज में।'

'ठाकुरगंज में किधर है आपका घर...?'

'जी, मैं शाहजहांपुर की रहने वाली हूं।'

'तो फिर आप यहां कैसे...?'

'जी, यहां मौसी के घर रहकर पढ़ाई कर रही हूं। इसी साल शाहजहांपुर से इंटर पास किया है मैंने। मेरे पापा की इच्छा है कि मैं डॉक्टर बनूं, इसलिए यहां नीट की कोचिंग कर रही हूं।' लड़की ने बताया। यह सुनते ही सक्सेना को करेंट-सा लगा। उसकी आंखों के सामने अपनी बेटी जूही का चेहरा घूम गया, जो इस साल इंटर फाइनल ईयर में थी। खुद उसका भी सपना है कि उसकी बेटी डॉक्टर बने, इसलिए उसने बेटी का नीट की कोचिंग में भी एडमिशन करा रखा था। उसे लगा उसके सामने रुचि नहीं जूही बैठी है। उसकी अपनी बेटी जूही सक्सेना। फिर तो वह कुछ देर के लिए बिल्कुल खामोश हो गया।

'तुम यहां पढ़ने के लिए आई हो। तुम्हारे मां-बाप ने तुम पर बहुत भरोसा कर के भेजा है। तो फिर बाजार में टहल क्यों रही थीं?' सक्सेना ने लड़की को लगभग डपटते हुए पूछा। लड़की उसकी डांट सुनकर हैरान रह गई। वह समझ नहीं पाई कि यह एकाएक उसको हो क्या गया? अभी एक मिनट पहले तक तो वह बड़े प्यार से बातें कर रहा था, उसकी तारीफ करते नहीं थक रहा था फिर अचानक यह डांटने क्यों लगा? आप से अचानक तुम-ताम पर क्यों उतर आया? 'जी, मैं अपनी मौसी से पूछ कर कुछ सामान खरीदने के लिए आई हूं।' लड़की सहमी-सी आवाज में बोली। 'सामान खरीदने आई थीं तो खरीद कर सीधे घर जातीं। मेरे साथ यहां रेस्टोरेंट में क्यों चली आईं? मैंने जरा-सी तारीफ कर दी... सुंदर कह दिया... तो इतराने लगीं। अगर इतनी जल्दी बहकने लगोगी तब तो फिर तुम कर चुकीं पढ़ाई और बन चुकीं डॉक्टर। चलो उठो... रिक्शा पकड़ो और अपने घर जाओ। पढ़ाई करने के लिए आई हो तो मन लगाकर पढ़ाई करो। अपने मां-बाप का भरोसा मत तोड़ो।' सक्सेना ने कहा और अधखाया डोसा और कॉफी का प्याला वैसे ही छोड़कर पैसा चुकाने काउंटर की ओर बढ़ गया।

चकित, हैरान लड़की उठी और रेस्टोरेंट से बाहर निकल गई। सक्सेना का पल में तोला, पल में माशा व्यवहार एक गूढ़ पहेली बन उसके दिमाग को परेशान कर रहा था। *

औकात

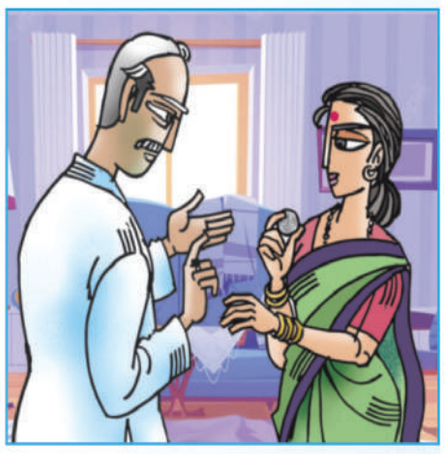

बाबूजी... आपके कुर्ते की सफाई करते समय यह एक रुपए का सिक्का मिला...।' सुनीता ने आकर सिक्का अपने ससुर को दिया।

'अरे बहू मैं कब से इसे ही ढूंढ़ रहा था...।' सिक्का मिलने से वह खुश दिखे।

सुनीता चौंकी, 'बाबूजी आप इस एक रुपए के सिक्के को हमेशा अपनी जेब में क्यों रखते हैं? आपके सामने तो इस सिक्के की क्या औकात है?'

'बहू यह फकत एक रुपए का सिक्का नहीं है, मेरी असलियत है... मेरी औकात है...।' ससुर गंभीरता से बोले।

'असलियत! औकात...! मैं कुछ समझी नहीं बाबूजी...।' सुनीता ने असली बात जाननी चाही।

ससुर ने बताया, 'बहू, आज से लगभग साठ साल पहले जब मैं इस अजनबी शहर में आया था, तब मेरे पास मेरी मां का दिया हुआ एक रुपए का ही सिक्का था। उसी सिक्के के कारण मैं आज यहां तक पहुंचा हूं। मां का दिया वो सिक्का तो खर्च हो गया, लेकिन आज की अपार दौलत की चकाचौंध में कहीं मैं अपनी पुरानी औकात को भूल ना जाऊं, इसलिए मैं अपनी जेब में एक रुपए का सिक्का जरूर रखता हूं।' सुनीता ने देखा बाबूजी की आंखें नम हो आई थीं। *

रहस्य से भरा शैडो

पुस्तक : शैडो (उपन्यास), लेखिका : जयंती रंगनाथन, मूल्य: 199 रुपए, प्रकाशक : हिंद युग्म प्रकाशन, नई दिल्ली

वरिष्ठ पत्रकार और लेखिका जयंती रंगनाथन की अब तक कई किताबें प्रकाशित और चर्चित हो चुकी हैं। हाल में रहस्य और रोमांच से भरा उनका नया उपन्यास 'शैडो' प्रकाशित होकर आया है। इसकी कहानी बहुत दिलचस्प है। इसका कथानक आत्माओं की दुनिया से जुड़ा है। मगर पास्ट लाइफ रिग्रेशन थेरेपी के जरिए इसे विश्वसनीय बनाया गया है। कहानी के अंदर एक-दूसरे से जुड़ी कई और कहानियां भी समानांतर रूप से चलती हैं।

कहानी मयंक की है, जो पेशे से एक लेखक है। उसकी मंगेतर किसी काव्या के बारे में उसे बताती है। काव्या अपने पति के मर्डर के बाद से ही गायब है। मयंक, काव्या को अपने नए उपन्यास का किरदार बना लेता है। मगर पहला ही चैप्टर लिखने के बाद मयंक को काव्या के मैसेज आने लगते हैं। मयंक उसकी तलाश में दिल्ली से वायनाड पहुंच जाता है। वहां एक के बाद एक ऐसी घटनाएं घटित होती हैं कि मयंक मौत के मुंह तक पहुंच जाता है। थ्रिल और सस्पेंस से भरी 'शैडो' की कहानी पाठक को अंत तक बांधे रखती है। पूरा उपन्यास काफी दिलचस्प और नाटकीयता से भरा हुआ है। मरिया और रोजर का किरदार बेहतरीन है। कहानी का अंत लेखिका की कल्पनाशीलता का परिचायक है। इसके लिए लेखिका बधाई की पात्र हैं। *

गर्मी के प्रकोप से बचाएंगे असरदार उपाय

कानपुर (एसएनबी)। गर्मी के मौसम में हमारी सुंदरता और स्वास्थ्य रक्षा के लिए डॉ. रजनी पोरवाल मुख्य चिकित्सक श्रीनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय भगवत दास घाट रोड सिविल लाइंस कानपुर ने सरल घरेलू उपायों के द्वारा आरोग्यता का मार्ग बताया है।

डॉ. रजनी पोरवाल
श्रीनाथ चिकित्सालय की कंसलटेंट नेचुरोपैथ

पानी लेकिन फ्रिज का नहीं

तपती दोपहर में जब घर से बाहर निकलें तो भरपूर मात्रा में पानी पीकर ही निकलें। पानी फ्रिज का ठंडा ना होकर सामान्य रुम तापमान का हो या घड़े का ठंडा पानी या हैंड पाइप, कुआं, बोरिंग आदि का ताजा पानी पीना प्रचंड लू और भीषण गर्मी से बचाव करने में ज्यादा हितकारी है।

कच्चा आम, पुदीना, हरी धनिया की चटनी

दोपहर में खाना खाने के तुरंत बाद यदि घर से बाहर निकलना हो तो भोजन करने के साथ कच्चा आम, पुदीना, धनिया की चटनी और कच्चे प्याज का सलाद के रूप में सेवन अच्छा है। इससे लू से बचाव के साथ-साथ दस्त और उल्टी की समस्या भी नहीं होने पाती। मधुमेह से पीड़ित और उच्च रक्तचाप से ग्रसित मरीज इस प्रयोग को नियमित रूप से कर सकते हैं। इसके अनेक स्वास्थ्य हितकारी फायदे हैं।

प्रचंड गर्मी और रूखी-सूखी त्वचा

गेहूं के भूसे का पाउडर बना लें। दो चम्मच इस पाउडर में दही के पानी को मिलाकर पेस्ट बनाएं, इसे कम से कम एक घंटा फूलने दें। उसके बाद इसे बालों, चेहरे, शरीर की रूखी-सूखी बेजान त्वचा व फटी एड़ियों में लगाने से अमृत सदृश्य लाभ होता है। बालों की खुजली और हटीला डैंड्रफ पूरी तरह ठीक हो जाता है। बालों में इस पेस्ट को लगाने के बाद सामान्य पानी से अच्छी तरह धो लें और बालों में जो भी हेयर ऑयल आप इस्तेमाल करते हैं, उसे अच्छी तरह जरूर लगाएं। गर्मियों में बालों में तेल लगाकर घर से बाहर निकलने से प्रदूषण, हानिकारक तत्व और अतिरिक्त भीषण गर्मी के प्रकोप से मन मस्तिष्क और शरीर की रक्षा होती है।

तपती दोपहर में काम मजबूरी हो

जिन्हें तपती दोपहर में धूप में काम करना होता है, वह प्रातः नहाने से पहले दही और मुल्तानी मिट्टी को अच्छी तरह फेंट कर पेस्ट बना लें और इससे पूरे शरीर की 10 से 15 मिनट तक अच्छी तरह मालिश करें। एक बाल्टी पानी में एक नींबू निचोड़कर उस पानी से स्नान करें। साबुन और शैंपू का इस्तेमाल ना करें। त्वचा की मृत कोशिकाओं को साफ करने और त्वचा के रोम छिद्रों को खोलकर सौंदर्य की रक्षा का यह अद्वितीय उपाय है। मुल्तानी मिट्टी और दही का मिश्रण शरीर के अंदर की अतिरिक्त गर्मी को बाहर निकालकर शरीर को शीतलता प्रदान करता है और लपट या लू लगना, हीट स्ट्रोक से बचाव करता है।

जीभ पर भी लगाम लगाएं

गर्मी के मौसम में बाजार की चाट, समोसे, छोले भठूरे, साउथ इंडियन या अन्य फास्ट फूड का सेवन करने से यथासंभव बचें। घर पर कम तेल-मसाले का इस्तेमाल करके बनाई गई हरी पत्तेदार सब्जियों का खूब सेवन करें। खाना खाने के तुरंत बाद खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूजा का सेवन कदापि ना करें। 1 घंटे बाद इनका सेवन किया जा सकता है। यदि भोजन के तुरंत बाद इनका सेवन करेंगे तो यह अपच पैदा करेगा और खीरा, ककड़ी की घंटों बाद तक डकार आती रहेगी, इसलिए इस बात का ध्यान रखें। दाल और सब्जियों में मसालों का इस्तेमाल ना करें या बहुत कम मात्रा में करें। हरी मिर्ची का अत्यधिक मात्रा में सेवन करना भी सेहत के लिए अच्छा नहीं है।

बेल फल और खरबूजा-तरबूज भी जरूरी

बेल फल का शरबत यदि बिना चीनी के सेवन किया जाए तो डायबिटीज के मरीजों को बहुत फायदा देता है। यही नहीं बालक, वृद्ध, स्त्री, पुरुष, सभी के लिए अत्यंत पौष्टिक, लिवर और पैंक्रियास को बल देने वाला तथा आंतों की सूजन को ठीक करके संपूर्ण पाचन प्रणाली को ताकतवर बनाता है। ध्यान रखिए कि बेल का शरबत खाना खाने के तुरंत बाद ना पिएं और बेल के शरबत के साथ अन्य किसी पदार्थ, खाद्य पदार्थ का सेवन ना करें। गर्मी के मौसम में खरबूजा, तरबूज, खीरा और ककड़ी भरपूर मात्रा में आते हैं। हमें इनका सेवन जरूर करना चाहिए। यह फल शरीर के आंतरिक अंगों विशेषता मूत्र संस्थान, गुर्दों आदि में एकत्रित विजातीय और विषतत्वों, हानिकारक तत्वों को शरीर से बाहर निकाल कर गुर्दों को नया जीवन प्रदान करते हैं। साथ ही साथ गर्मी में होने वाली दस्त-उल्टी की समस्या को पैदा ही नहीं होने देते। साथ ही शरीर के अंदर सोडियम और पोटेशियम की निर्धारित मात्रा में कमी नहीं आने पाती।

कोल्ड ड्रिंक और डिब्बाबंद जूस को ना कहें

नींबू पानी, नींबू की शिकंजी, ताजा मट्ठा, दही और दही की लस्सी, बच्चों को बनाना शेक, एप्पल शेक या ड्राई फ्रूट का दूध अथवा मखाने की खीर गर्मी में पौष्टिकता के साथ-साथ सेहत की रक्षा का भी मार्ग है। ध्यान रखें कोल्ड ड्रिंक या डिब्बाबंद फ्रूट जूस या अन्य डिब्बाबंद कथित शक्तिवर्धक पेय पदार्थ जो पीने में तो स्वादिष्ट और जायकेदार होते हैं किंतु यह हमारी इम्यूनिटी को कम करके शरीर की रासायनिक क्रियाओं की कार्यप्रणाली को भी कमजोर और असक्त बना देते हैं क्योंकि इनमें बड़ी मात्रा में चीनी पेस्टिसाइड्स, कलर्स और अन्य अनेक घातक केमिकल्स होते हैं, जो सेहत को लाभ देने के स्थान पर नुकसान पहुंचाते हैं। इनसे जरूर बचें।

सतर्क हो जाइए

शादी और पार्टियों में सलाद, अंकुरित अनाज जैसे प्राकृतिक खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें क्योंकि इन्हें दोपहर को ही काट कर प्लेटों में सजा दिया जाता है और सुंदर दिखने के लिए कुछ रासायनिक पदार्थों का छिड़काव अंकुरित अनाज और कटे हुए सलाद दोनों पर किया जाता है, जो हानिप्रद होता है। इस बात का भी ध्यान रखें कि शादी और पार्टियों में ठंडा-गर्म आहार एक साथ ना होने पाए। अधिकांश लोग गरमा गरम सूप या कॉफी पीते हैं, वहीं कुछ ही मिनट के बाद कोल्ड ड्रिंक का सेवन करने से नहीं चूकते। शरीर इस ठंडी गर्म को सहन नहीं कर पाता है, फलस्वरूप पेट में दर्द, ऐंठन, कब्ज और कभी-कभी उल्टी और दस्त जैसी शिकायतें हो जाती हैं।

27 को रिलीज होगी आयुष्मान की 'अनेक'

■ मुंबई (वार्ता)।

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की आने वाली फिल्म अनेक 27 मई को रिलीज होगी। आयुष्मान खुराना ने अपनी आने वाली फिल्म अनेक की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। अनेक के रिलीज डेट की जानकारी आयुष्मान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए दी है। पोस्ट के कैप्शन में आयुष्मान ने लिखा,महान मिशन के लिए पूरी तरह तैयार! जीतेगा कौन? हिंदुस्तान। 27 मई, 2022 को सिनेमाघरों में जोशुआ से मिलें। आयुष्मान ने लिखा, मैं जोशुआ का किरदार निभाने के लिए खुद को आजमाने के लिए बहुत उत्साहित था, इसने मुझे कुछ ऐसा करने का मौका दिया, जो मैंने पहले कभी नहीं किया था। मैं अपने दर्शकों को हर फिल्म के साथ नए अनुभव प्रदान करने के लिए ऋणी हूं। आयुष्मान खुराना की अनेक एक पॉलिटिकल-एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। जिसका निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। इस फिल्म में आयुष्मान पहली बार एक अंडरकवर पुलिस अफसर के रोल में दिखेंगे। जिसका नाम जोशुआ है। आयुष्मान ने बताया, यह पहली बार है, जब दर्शक मुझे इस अवतार में देखेंगे। मैंने पहले भी एक पुलिस वाले की भूमिका निभाई है, लेकिन यह पहली बार है जब वो मुझे अंडरकवर में जाते हुए देखेंगे। अनेक में जोशुआ स्ट्रीट स्मार्ट और बुद्धिमान है। वह लोगों के बीच से अपना रास्ता निकालना जानता है और ना केवल शारीरिक क्षमता से, बल्कि अपने तेज दिमाग से भी वह बुरे लोगों से लड़ सकता है।

10 साल में असुक्षित यौन संबंध से 17 लाख लोग HIV संक्रमित

■ मध्य प्रदेश के आरटीआई कार्यकर्ता के आवेदन के जवाब में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने दी जानकारी

■ नई दिल्ली (भाषा)।

देश में बीते 10 साल में असुरक्षित यौन संबंध के कारण 17 लाख से अधिक लोग एचआईवी से संक्रमित हुए हैं। यह जानकारी राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने एक आरटीआई आवेदन के जवाब में उपलब्ध कराई है। हालांकि 'ह्यूमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस' (एचआईवी) से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या पिछले 10 साल में काफी कम हुई है। 2011-12 में असुरक्षित यौन संबंध के कारण एचआईवी से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 2.4 लाख थी जबकि 2020-21 में यह घटकर 85,268 रह गई।

मध्य प्रदेश के निवासी आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ के आवेदन के जवाब में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) ने बताया, 2011-2021 के बीच भारत में असुरक्षित यौन संबंध के कारण 17,08,777 लोग एचआईवी से संक्रमित हुए। आंध्र प्रदेश में एचआईवी संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए जहां 3,18,814 लोग इस विषाणु की चपेट में आए। इसके बाद महाराष्ट्र में 2,84,577, कर्नाटक में 2,12,982, तमिलनाडु में 1,16,536, उत्तर प्रदेश में 1,10,911 और गुजरात में 87,400 मामले दर्ज किए गए। जांच संबंधी आंकड़ों के मुताबिक, 2011-12 से 2020-21 के बीच रक्त और रक्त उत्पाद के जरिए 15,782 लोग एचआईवी से पीड़ित हुए जबकि मांओं के जरिए 4,423 बच्चों को यह बीमारी फैली।

आंकड़ों के अनुसार, सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एचआईवी संक्रमण के मामलों में कमी देखी गई है। देश में 2020 तक 81,430 बच्चों सहित एचआईवी पीड़ित लोगों की संख्या 23,18,737 थी। जवाब के मुताबिक, जांच के दौरान संक्रमित व्यक्तियों ने परामर्शदाताओं को बताया कि वे किस वजह से एचआईवी से संक्रमित हुए हैं और इसी पर यह सूचना आधारित है। एचआईवी शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है। अगर एचआईवी का इलाज नहीं कराया जाए तो यह एड्स (एक्वायर्ड इम्युनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम) बन जाता है।

यह विषाणु असुरक्षित यौन संबंध के अलावा, संक्रमित व्यक्ति के रक्त के संपर्क में आने से भी हो सकता है। एचआईवी से संक्रमित होने के चंद हफ्तों के अंदर ही प्रभावित व्यक्ति को फ्लू जैसे लक्षण हो सकते हैं जैसे कि बुखार, गला खराब होना और कमजोरी होना। इसके बाद बीमारी के तब तक कोई लक्षण नहीं होते हैं जब तक कि यह एड्स नहीं बन जाए। एड्स के लक्षणों में वज़न घटना, बुखार या रात में पसीना आना, कमजोरी और बार-बार संक्रमण होना शामिल है। एचआईवी का कोई प्रभावी उपचार नहीं है, लेकिन इस तरह की दवाइयां हैं जिससे इसे प्रबंधित किया जा सकता है। गुरुग्राम स्थित फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टिट्यूट में इंटरनल मेडिसिन के निदेशक सतीश कौल ने बताया, भारत में एचआईवी की स्थिति पिछले एक दशक में स्थिर हुई है।

केले के फाइबर से कपड़ा रस्सी बनी वैशाली की पहचान

■ हाजीपुर (आईएएनएस)।

आम के आम गुठली के दाम एक कहावत काफी प्रचलित है, लेकिन हकीकत में बिहार के वैशाली जिले में इस कहावत को एक उद्यमी महिला चरितार्थ भी करती नजर आ रही हैं। केले के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हाजीपुर की वैशाली प्रिया केला के पेड़ के वेस्ट तने से फाइबर निकाल कर न केवल कपड़ा बुन रही है बल्कि इसी फाइबर से रस्सी (रेशा) बनाकर उसका टेबल मैट, योगा मैट, बास्केट भी बना रही है। इतना ही नहीं वो अन्य महिलाओं को इस कार्य का प्रशिक्षण देकर उन्हें भी आत्मनिर्भर बनने का पाठ पढ़ा रही है। वैशाली इन उत्पादों को अमेरिका तक भी भेज रही है। आम तौर पर केले के पेड़ से केला काट लेने के बाद उसके तने को काटकर हटा दिया जाता है, लेकिन अब कृषि विज्ञान केंद्र और कृषि विश्वविद्यालयों की मदद से इस तने से फाइबर निकालकर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं।

■ केले के फाइबर से बने सामानों को लोग पसंद कर रहे हैं। हालांकि वे यह भी कह रही हैं कि अभी इसका प्रचलन कम है

हाजीपुर के रहने वाली 34 वर्षीय वैशाली दिल्ली में एक एक्सपोर्ट कंपनी में काम करती थी। फैशन डिजायनिंग की पढ़ाई कर चुकी वैशाली को इसी दौरान पता चला कि केले के फाइबर से कपड़े सहित अन्य उपयोगी वस्तुएं भी बनाए जा सकती हैं। उसके बाद वो इस नौकरी को छोड़कर अपने गांव आ गई और उन्होंने इस क्षेत्र में काम करना शुरू कर दिया। वैशाली कहती है कि बचपन से इस छोटे से गांव हरिहरपुर में केले की खेती करते हुए लोगों को देखा था। यहां केले के तने को फेंक दिया जाता था। अब इसी तने से कपड़ा बनाया जा रहा है। वे कहती हैं कि शुरू में वे ग्रामीण महिलाओं को ऑर्गेनिक और नैचुरल फाइबर प्रोडक्ट बनाना सीखाती हैं। उनके इस प्रोजेक्ट में स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र भी मदद कर रहा है। वैशाली ने इस काम की शुरूआत के लिए केले की खेती के लिए प्रसिद्ध गांव हरिहरपुर की 30 महिलाओं के साथ शुरूआत की थी।

2020 में जब इस काम की शुरूआत की थी तब उन्हें काफी दिक्कत हुई। कई लोगों के कटाक्ष भी झेलने पड़े लेकिन आज इस काम में होने वाले मुनाफे को देख कर और लोग भी जुड़ते जा रहे हैं। यहां महिलाओं को कपड़ा बनाने से जुड़ी कई बारीकियां जैसे कपड़े को भिगोना, बुनना और उसकी प्रोसेसिंग आदि सीख रही हैं। फाइबर से पहले रस्सी बनाई जाती है, जिसका उपयोग सामान बनाने में किया जाता है। वे कहती हैं कि महिलाएं घर में ही फाइबर के जरिए रस्सी बनाती हैं और प्रतिदिन 300 से 500 रुपये तक कमा रही हैं। आज कई जगहों से ऑर्डर मिलते हैं। वे बताती हैं कि केले के फाइबर से बने सामानों को लोग पसंद कर रहे हैं। हालांकि वे यह भी कह रही है कि अभी इसका प्रचलन कम है, जिस कारण लोग इसे नहीं जान पाए हैं। जो लोग जान लेते हैं इसके मुरीद हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि उन्नत कपड़ा बनाने में ज्यादा तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।

बच्चों की लाइफ में दखल देना पसंद नहीं : अनिल कपूर

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि वह अपने बच्चों के प्रोफेशनल लाइफ में दखल देना पसंद नहीं करते हैं। अनिल कपूर के तीनों बच्चे फिल्म लाइन से जुड़े हैं। अनिल कपूर की बेटी सोनम कपूर और बेटा हर्षवर्धन कपूर एक्टिंग फील्ड में हैं तो वहीं दूसरी बेटी रिया कपूर प्रोड्यूसर हैं। अनिल कपूर का कहना है कि वह अपने बच्चों की प्रोफेशनल लाइफ में बिल्कुल भी दखल देना नहीं पसंद करते हैं। अनिल कपूर को लोग उनके अनुभव का फायदा अपने बच्चों को देने के लिए कहते हैं और उन्हें अच्छे प्रोजेक्ट एडवाइस करने के लिए बोलते हैं, लेकिन अनिल इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते। उनका मानना है कि बच्चों को अपनी गलतियों से ही सीखना चाहिए। अनिल कपूर ने बताया कि लोग उन्हें हर्षवर्धन को फिल्मों का चुनाव करने के लिए सलाह देने के लिए कहते हैं। अनिल कपूर ने बताया, मैं कहता हूं,वह तब करेंगा जब उसे लगेगा कि वह इसे करना चाहता है। मैं उसे यह नहीं बताना चाहता कि तुम यह करो, तुम वह करो, या कुछ भी करो। मेरा मानना है कि मुझे अपने बच्चों को वह करने देना चाहिए जिसमें वे विश्वास करते हैं।

टाइम मैंनेजमेंट करना काफी कठिन

मुंबई (आईएएनएस)। लोकप्रिय अभिनेत्री सुधा चंद्रन अभी नागिन में नजर आ रही हैं। उनका कहना है कि आज के दौर में टाइम मैंनेजमेंट करना काफी कठिन हो गया है हम सभी एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने की जल्दबाजी में हैं। उन्होंने कहा, शायदा हमारी परिस्थितियों या असुरक्षा ने हमें ऐसा बना दिया है। हम वास्तव में किसी को दोष नहीं दे सकते। हम सभी अपने करियर में व्यस्त हैं। फिल्म उद्योग से होने के बावजूद मुझे समझ में नहीं आता कि हमें 24 घंटे काम करने की शिकायत क्यों करनी पड़ती है इसे हमने खुद चुना है और हम अच्छे से जानते हैं कि यह कैसे काम करता है। उन्होंने आगे कि हम अपने रास्ते में आने वाले किसी भी अवसर को जाने नहीं देना चाहते हैं और हम सभी समय से पहले सब पा लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा, कभी-कभी ऐसा होता है जब मैं 24 घंटे मुंबई और हैदराबाद जैसे दो अलग-अलग शहरों में काम करती हूं। जैसे मैं मुंबई में नागिन 6 में काम कर रही हूं और तभी अचानक हैदराबाद में टेलीकास्ट का मुद्दा हो जाता है, तो इसके लिए मुझे वापस जाना होगा। मेरे जी तेलुगु प्रोजेक्ट के लिए और वहां कुछ सीन को फिर से शूट करना होगा। लेकिन इसके लिए मुझे कोई शिकायत और पछतावा नहीं है आखिरकार मुझे यही पसंद है और मैं इसके लिए प्रतिबद्ध हूं। रविवार या छुट्टी के दिन अब छुट्टी की तरह महसूस नहीं होते हैं। उन्होंने आगे कहा, टेलीविजन में काम करने के कारण हमे वास्तव में रविवार की छुट्टी नहीं मिलती है। मैंने देखा है कि जिन लोगों की रविवार की छुट्टी होती है, वे भी घर से काम करते हैं। लेकिन हां अगर एपिसोड अच्छा है।

करण के साथ काम करके सम्मानित महसूस कर रहे हैं रणवीर सिंह

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह फिल्मकार करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में काम कर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। रणवीर सिंह इन दिनों करण जौहर निर्मित फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में काम कर रहे हैं। इस फिल्म मे रणवीर सिंह के अपोजिट आलिया भट्ट काम कर रही हैं।

रणवीर सिंह ने कहा, मैं करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में मुख्य भूमिका निभाने को लेकर खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कई कल्ट फिल्में बनाई हैं, जिनको देख कर हम बड़े हुए हैं। फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है और इस विधा में उनके पास ऑर्नरशिप है, लेकिन अब इस क्षेत्र में हम आगे बढ़ रहे हैं। यह एक फील गुड फैमिली एंटरटेनर है। जिसको करण मौजूदा दौर में दर्शकों के सामने पेश कर रहे हैं। रणवीर सिंह ने कहा कि आलिया भट्ट और उनके बीच एक बेहतरीन कामकाजी रिश्ता है और वह एक कलाकार के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती है।

राजामौली ने आचार्य के इवेंट में राम चरण की प्रशंसा की

हैदराबाद (आईएएनएस)। फिल्म आचार्य 29 अप्रैल को रिलीज होगी। निर्माताओं ने हैदराबाद में एक प्री-रिलीज कार्यक्रम आयोजित किया था। शनिवार को कार्यक्रम में फिल्म कलाकार, तकनीशियन, अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। एसएस राजामौली विशेष अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। रिलीज से पहले के कार्यक्रम में मेगास्टार चिरंजीवी की प्रशंसा करने वाले राजामौली ने कहा कि वह अब तक मिले सबसे विनम्र लोगों में से एक हैं। राजामौली ने कहा कि लेकिन चिरंजीवी राम चरण की तरह नहीं हैं। राजामौली ने कहा कि चिरू सर, आप अच्छे दिखते हैं, आप अच्छा नृत्य करते हैं, आप अच्छा अभिनय करते हैं, और मेगास्टार होने के बावजूद, आपके पास मेरे आरआरआर नायक राम चरण जैसा करिश्मा नहीं है। मगधीरा के निर्देशक ने कहा कि मैंने मगधीरा के समय चिरंजीवी को देखा है।

तेज हवाओं के रोकथाम प्रबन्धन के दृष्टिगत डीएम ने जारी किया दिशा-निर्देश

प्रखर संतकबीरनगर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने जनपद में ऑधी तूफान एवं बज्रपात/ओलावृष्टि और तेज हवाओं के रोकथाम प्रबन्धन के दृष्टिग्रत एन0डी0एम0ए0 द्वारा जारी दिशा निर्देश के क्रम में जनपदवासियों के सूचनार्थ एवं सुरक्षार्थ बताया है कि गर्मी के मौसम में तेज आंधी, आकाशीय बिजली, तेज हवाओं आदि से सुरक्षा एवं बचाव के दृष्टिगत एन0डी0एम0ए0 द्वारा जारी गाइउलाइन ह्यह्यक्या करें क्या ना करेंह्लह्ल को ध्यान में रखते हुए आवश्यकतानुसार इसका पालन किया जाए, जिससे उक्त आपदाओं से होने वाले जानमाल की हानि को रोका जा सके। जिलाधिकारी ने जनपद में कार्यरत सभी फील्ड स्तर के अधिकारी/कर्मचारी/ग्राम प्रधान के मोबाईल में दामिनी एप डाउनलोड कराते हुए समय-समय पर जारी होने वाली चेतावनी का व्यापक प्रचार-प्रसार कराये जाने के भी निर्देश दिये है। उन्होंने बताया है कि लू से जन हानि भी हो सकती है। इसके असर को कम करने के लिए और लू से होने वाले किसी भी बीमारी के रोकथाम के लिए कड़ी धूप में बाहर न निकलें, जितनी बार हो सके पानी पिए, प्यास ना लगे तो भी पानी पिये, हल्के रंग के ढीले-ढीले सूती कपड़े पहने। धूप से बचने के लिए गमछा, टोपी, छाता, धूप का चश्मा, जूते और चप्पल का इस्तेमाल करें। सफर में अपने साथ पानी रखें। शराब, चाय, कॉफी, जैसे पेय पदार्थों का इस्तेमाल ना करें, यह शरीर को

निर्जलित कर सकते है। अगर आपका काम बाहर का है तो टोपी, गमछा या छाते का इस्तेमाल जरूर करें और गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर और गर्दन पर रखें। अगर आपकी तबीयत ठीक न लगे या चक्कर आए तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें, घर में बना पेय पदार्थ जैसे कि लस्सी, नमक, चीनी का घोल, नींबू पानी, छछ,आम का पना इत्यादि का सेवन करें तथा जानवरों को छांव में रखे और उन्हें खूब पानी पीने को दें, अपने घर को ठंडा रखें, पर्दे शटर आदि का इस्तेमाल करें। रात में खिड़कियां खुली रखें और फैन, ढीले कपड़े का उपयोग करें। ठंडे पानी से बार-बार नहाए।उन्होंने बताया कि धूप में खड़े वाहनों में बच्चों एवं पालतू जानवरों को ना छोड़े, खाना बनाते समय कमरे के दरवाजे की खिड़की एवं दरवाजे खुले रखें, जिससे हवा का आना-जाना बना रहे, नशीले पदार्थ शराब तथा अल्कोहल के सेवन से बचें, उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचे, बासी भोजन ना करें, खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे अल्मुनियम पन्नी, गत्ता इत्यादि से ढक कर रखें ताकि बाहर की गर्मी को अंदर आने से रोका जा सके। उन खिड़कियों व दरवाजों पर जिनसे दोपहर के समय गर्म हवा आती है काले पर्दे लगाकर रखना चाहिए। स्थानीय मौसम के पूवार्नुमान को सुने और आगामी तापमान में होने वाली परिवर्तन के प्रति सतर्क रहे, आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण ले, बच्चों व पालतू जानवरों को कभी भी बंद वाहन में अकेला ना छोड़े। जहां तक संभव हो घर में ही रहे तथा धूप के संपर्क से बचें, सूर्य के ताप से बचने के लिए जहां तक संभव हो घर की निचली मंजिल पर रहे तथा संतुलित हल्का व नियमित भोजन करें, घर से बाहर अपने शरीर व सिर को कपड़े या टोपी से ढक कर रखें।

खड़ी ट्रक में बाइक सवार भिड़े दो घायल

प्रखर मिजार्पुर। पड़री थानान्तर्गत हुरूआ के समीप एक ट्रक की एक एजेंसी के पास खड़ी ट्रक में मोटर साइकिल घुस जाने से दो दो व्यक्ति घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के खरहरा राजा गांव निवासी अनिल त्रिपाठी उम्र 40 पुत्र नन्हकू व पीछे बैठे हरिओम त्रिपाठी मीरजापुर की तरफ जा रहे थे जैसे ही हुरुआ स्थित एक ट्रक एजेंसी के पास पहुंचे सामने आधी सड़क पर बेतरतीब तरीके से खड़ी ट्रक में जा जा घुसे जिससे अनिल त्रिपाठी व हरिओम त्रिपाठी गम्भीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी होते ही थानाध्यक्ष माधव सिंह ने मौके पर पहुंच कर घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भेजवाया।

बिगहाट कृषकोलाजी का हुआ भव्य शुभारम्भ

एम.एल.सी विशाल सिंह "चंचल" ने किया उद्घाटन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद के मुहम्मदाबाद तहसील अंतर्गत गाजीपुर-बलिया मार्ग पर कृषकोलाजी प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड जे.बी.बी. धर्मकांटा विश्वम्भर पुर में बिगहाट कृषकोलाजी के भव्य शोरूम का उद्घाटन आज दिन सोमवार को विशाल सिंह चंचल सदस्य बिधान परिषद के द्वारा फीता काट कर किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि युवा भाजपा नेता बिपुलेन्द्र प्रताप सिंह थे। कार्यक्रम में जय बजरंग ग्रुप्स के निदेशक एच.के. राय एवं हिमांशु राय के द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों का बुके, माल्यार्पण एवं अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मान किया गया। सभी अतिथियों का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्रम से सम्मान किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि विशाल सिंह चंचल ने कहा की हम अब पचास साल पुराने पद्धति की ओर फिर आ रहे है। जिस गोबर को हम छोड दिये थे और रासायनिक खाद का प्रयोग कर के परिणाम देख चुके है। समय की मांग है स्वास्थ्य हित में आर्गेनिक ढंग से खेती को बढावा देना। आर्गेनिक उत्पाद के प्रयोग से हम सभी निरोगी एवं स्वस्थ रहेंगे। उन्होंने बिगहाट कृषकोलाजी के बारे में शुभकामना देते हुए कहा की इससे किसानों को बहुत फायदा होगा। युवा नेता विपुलेन्द्र प्रताप सिंह ने सरकार के द्वारा

प्रत्येक ब्लाक में दो सौ लोगों से गोबर की खरीद योजना, गंगा किनारे पांच किलोमीटर में खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन के लिए पांच हजार प्रति एकड प्रोत्साहन समेत शासन की अन्य योजनाओं को बिस्तार से बताया। जिला कृषि अधिकारी मृत्युंजय सिंह ने विभाग की योजनाओं से उपस्थित किसानों को अवगत कराते हुए डा. राम कुमार राय, पंकज राय एवं दिवाकर राय अवथही जैसे प्रगतिशील किसानों से अन्य किसानो को भी सीख लेकर आर्गेनिक खेती करने का सुझाव दिया। आज के इस कार्यक्रम का संचालन सम्पूर्णानन्द उपाध्याय के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में किरण गुन्नम कोफाउंडर बिगहाट, जितेश शाह सी.ओ.ओ. बिगहाट, पार्थ तिवारी हेड आपरेशन बिगहाट, विनित राय जे एम फाइनेंसियल मुंबई ने किसानों को संबोधित किया। सभी आगन्तुकों के प्रति आभार एच.के. राय के द्वारा ब्यक्त किया गया। इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख संघ के अध्यक्ष एवं ब्लाक प्रमुख बाराचंवर ब्रजेन्द्र सिंह, आनन्द राय मुन्ना ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि भांवरकोल, हरेराम राय संरक्षक जय बजरंग ग्रुप्स, दिनेश वर्मा, हिमांशु राय डायरेक्टर डालिम्स सनबीम गांधीनगर, शशांक शेखर राय, सतीश राय, देवा सिंह, टुनटुन सिंह, नथुनी सिंह, कृपाशंकर सिंह, राजेन्द्र राय, दिनेश राय गुड्डू, रामनरेश तिवारी, प्रसून सिंह, गुड्डू सिंह, अभिषेक, डा. बिजेन्द्र सिंह, ओमप्रकाश पाण्डेय समेत हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सदर विधायक ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

प्रखर संत कबीर नगर। सदर विधायक अंकुर राज तिवारी ने सोमवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों से सुविधाओं की जानकारी ली। सीएमओ और सीएमएस से स्वास्थ्य योजनाओं के सही ढंग से क्रियान्वयन कराने के लिए कहा। सोमवार को सुबह ही सदर भाजपा विधायक अंकुर राज तिवारी जिला अस्पताल पहुंचे। उन्हें मरीजों ने बताया कि घंटों इंतजार के बाद दवाएं मिलीं। चिकित्सक को दिखाने के लिए भी इंतजार करना पड़ा। सदर विधायक ने चिकित्सकों से सही ढंग से उपचार करने और समय से अस्पताल पहुंचने के लिए कहा। समय से उपस्थित न रहने वाले डॉक्टरों पर बिफरे विधायक ने हिदायत देते हुए कहा कि समय से हॉस्पिटल में आकर मरीजों का करें उपचार। विधायक ने सीएमओ इंद्र विजय विश्वकर्मा व सीएमएस ओपी चतुवेर्दी से स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी ली।। सदर विधायक ने कहा कि चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए वह प्रयास करेंगे।

इमरजेंसी सेवा 24 घंटे चालू रखी जाए। एक्सीडेंट व अन्य गंभीर मरीजों को तत्काल उपचार मुहैया कराया जाए। जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिलीं तो मरीजों और जनता की शिकायत को विधान सभा में रखेंगे। सीएमएस ने आश्वासन दिया कि वह स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर किया जाएगा।

तेज रफ्तार ने बरपाया कहर, अलग- अलग सड़क दुर्घटना में दो की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के शाहबुद्दीनपुर व अकबरपुर में रविवार की रात्रि सड़क दुर्घटना में दो लोगो की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार अहन निवासी शिवकुमार पुत्र सुरेश (17) कुछ दिन पूर्व रेलवे में पेन्टिंग का काम किया था। जिसका हिसाब करने वह अपने साथी किशन के साथ केराकत आया था, हिसाब करने के बाद वह एक बाइक से दोनों वापस जा रहे थे कि जैसे ही शाहबुद्दीनपुर गांव के मोड़ के पास बाइक पहुंचते ही अनियंत्रित हो गयी और सीधे गड्ढे में जा गिरी। ग्रामीणों की मदद से एम्बुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पंहुचाया गया, जहां चिकित्सकों? ने शिवकुमार को मृत घोषित कर दिया। जब घायल किशन को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पंहुची पुलिस ने शव

का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। वही आशा चौहान पत्नी सहिंदर चौहान उम्र 55 वर्ष निवासी मोलनापुर (बागेरवा)आजमगढ़ अपने पुत्र हंसराज चौहान के साथ दवा लेने केराकत आ रही थी।जैसे ही अकबरपुर पहुंची तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ स्कार्पियो की चपेट में आने से महिला गम्भीर रूप से घायल हो गईं राहगीरों की मदद से निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया महिला की हालत नाजुक देख डाक्टरों ने निजी अस्पताल जौनपुर रेफर कर दिया। जहां पहुंचने पर डाक्टरों ने महिला को मृत्यु घोषित कर दिया परिजन महिला का शव लेकर थाने पहुंच पुलिस को सूचित किया सूचना मिलते ही पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। मौत की खबर मिलते ही दोनो परिवारों में दुखो का पहाड़ गिर गया रो रो कर परिजनों का बुरा हाल है।

वृद्धा आश्रम में कराया सात्विक भोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लक्ष्य फाउंडेशन के सचिव हिमांशु त्रिपाठी के पिता की पुन्य तिथि के अवशर पर दुगार्कुंड वाराणसी इस्थित वृद्धा आश्रम की वृद्ध महिलाओं को सात्विक भोजन कराकर मीठा वा फल का वितरण किया गया संस्था के सचिव हिमांशु त्रिपाठी जी ने कहा कि बुजुर्गो की सेवा से बढ़कर ईश सृष्टि में मेरी नजर में और कोई पुण्य कार्य हो ही नहीं सकता।

कैंसर पीड़िता के सहयोग की मार्मिक अपील

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जनपद के कुछ समाजसेवियों ने जनपद के ही आर्थिक रुप से कमजोर कैंसर की शिकार महिला को यथासंभव आर्थिक सहयोग देते हुए लोगों से मदद की अपील की। जानकारी के अनुसार वाराणसी जनपद के चेतगंज निवासी शुभम सेठ के ऊपर दुखों का पहाड़ पर टूटा जब उन्हें पता चला कि उनकी मां नीलू सेठ(42) को ब्रेस्ट कैंसर है। जांच कराने पर चिकित्सकों ने तत्काल ऑपरेशन करते हुए ब्रेस्ट काटकर निकालने की सलाह दी। आर्थिक रूप से कमजोर शुभम ने कर्ज.लेकर किसी तरह मां का इलाज शुरू कराया और वाराणसी के सर सुंदरलाल चिकित्सालय में चिकित्सकों ने बेस्ट काटकर निकालते हुए सफल ऑपरेशन किया। जांच शुरू होने से लेकर ऑपरेशन होने तक कारीगरी कर एक भाई एक बहन को पढ़ाने के साथ ही परिवार का पालन पोषण करने वाले शुभम का परिवार भारी कर्ज में डूब चुका है। शुभम की मार्मिक अपील पर समाजसेवी धर्मेंद्र सेठ बबलू ने अपने सहयोगीगण राहुल सिंह स्वर्णकार, अमित वर्मा, श्रवण सेठ, अविनाश सेठ, अमित सेठ, धनजीत सेठ, विनोद सेठ, आदि लोगों के साथ पहुंचकर सोमवार को आर्थिक मदद करते हुए महानुभाव समाजसेवियों से उक्त परिवार की मदद करने की अपील की।

जंगल की आग श्रमिक के रिहायशी मकान तक पहुंची, आग लगने से गृहस्थी का सामान जलकर राख

प्रखर मिजार्पुर। हालिया थाना क्षेत्र के कुशियरा जंगल में रविवार देर रात लगी आग की चिंगारी तेज हवाओं के कारण कुशियरा गांव में स्थित श्रमिक मुन्ना कोल के रिहायशी कच्चे मकान तक पहुंच गई आग की चपेट में आने से श्रमिक मुन्ना कोल के घर में रखा गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया।आग लगने के दौरान श्रमिक के परिजन घर से आधा किलोमीटर दूर खलिहान में कार्य कर रहे थे अचानक घर में धुआं उठता देखकर श्रमिक के परिजन शोरगुल मचाते हुए घर की तरफ आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े शोरगुल सुनकर आस पास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंचकर आग बुझाने के लिए जुट गए लेकिन तब तक आग के विकराल रूप धारण करने से मकान जलकर राख हो गया। घंटों कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने हैंडपंप के सहारे बाल्टी, डिब्बा से आग पर किसी तरह से काबू पा लिया। पीड़ित श्रमिक मुन्ना कोल ने बताया कि घर में रखा 5 कुंतल सरसों ,3 कुंतल गेहूं, डेढ़ कुंटल मटर, कपड़े, बर्तन ,साइकिल , चारपाई सहित घर में रखा 3 हजार रुपए नगद जलकर राख हो गया।

न्यायालय के आदेश पर चार वारंटियों को किया गया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। माननीय न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट मु.बाद गाजीपुर के आदेशानुसार 4 नफर वारंटियों को पुलिस ने 24 अप्रैल को गिफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन मे जनपद में हो रहे अपराध को रोकने हेतु व अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान व न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट मु.बाद के आदेशानुसार निर्गत वारण्ट मे अभियुक्तगणो की गिरफ्तारी हेतु दिनांक 24 अप्रैल को व.उ.नि. राजीव कुमार त्रिपाठी मय हमराह उ.नि. संतोष कुमार यादव, हे.का. गुलाब मौर्या, का. चन्दन पासवान, का. सत्यप्रकाश यादव, पीआरडी विजयशंकर के वास्ते रोकने जुर्म जरायम व शान्तिव्यवस्था हेतु थाना स्थानीय से रवाना होकर न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट मु.बाद गाजीपुर कक्ष सं. 1 द्वारा फौजदारी वाद 90 सन् 21 धारा 323/504/506 आईपीसी बनाम श्रद्धा के वारण्ट की तामिला हेतु वारण्टी उमाशंकर लाल पुत्र गनेश लाल निवासी ग्राम बालापुर थाना मु.बाद जनपद गाजीपुर के घर पहुंचा जहां ज्ञात हुआ कि वारण्टी उमाशंकर उपरोक्त घर पर मौजूद मिले। जिन्हे

कारण गिरफ्तारी बताकर समय करीब 22.20 बजे पुलिस हिरासत मे लिया गया। पुनः व.उ.नि. मय हमराहियान न्यायालय स्पेशल जज एससी/एसटी पीए एक्ट गाजीपुर द्वारा निर्गत वारण्ट परिवाद सं. 50/2020 बनाम धर्मराज अभिषेक राय मे वारण्टी अभिषेक राय पुत्र उपेन्द्र गोड़ निवासी ग्राम परसा थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर उपरोक्त के घर पहुँचा जहाँ पर वारण्टी अपने घर पर मौजूद मिला, जिसे कारण गिरफ्तारी बताकर समय करीब 22.40 बजे गिरफ्तार कर पुलिस हिरासत मे लिया गया। पुनः व.उ.नि. द्वारा मय हमराहियान न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट मु.बाद गाजीपुर कक्ष सं. 1 द्वारा फौजदारी वाद 540 सन् 20 धारा 147/323/504/506/452/427 आईपीसी बनाम आयुष उर्फ अतुल के वारण्ट की तामिला हेतु वारण्टीगण विकास पुत्र मिश्री कुशवाहा निवासी ग्राम बखारीपुर थाना मु.बाद जनपद गाजीपुर व विरेन्द्र पुत्र सरजू निवासी ग्राम बखारीपुर थाना मु.बाद जनपद गाजीपुर के घर ग्राम बखारीपुर पहुच कर वारंटीगण विकास व विरेन्द्र उपरोक्त घर पर मौजूद मिले, जिन्हे कारण गिरफ्तारी बताकर समय करीब 23.15 बजे पुलिस हिरासत मे लिया गया। उपरोक्त वारण्टीगण के गिरफ्तारी के समय परिजन उपस्थित थे, जिन्हे गिरफ्तारी से अवगत कराया गया।

शॉर्ट सर्किट से महिला थाने में लगी आग मची अफरा-तफरी

प्रखर संत कबीर नगर। खलीलाबाद के महिला थाने में ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगते ही महिला पुलिसकर्मी थाना के बाहर आ गईं और आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया गया हैं। महिला थाने में उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब थाने के आवासीय भवन के बगल में आग लग गई। थानाध्यक्ष की सूझबूझ व महिला पुलिस कर्मियों की मदद से फायर ब्रिगेड की टीम आने तक बाल्टी से पानी भरकर आग बुझाने का कार्य किया जा रहा था। गनीमत रही आगजनी की इस घटना में किसी की जन हानि नहीं हुई। घटना सोमवार को दोपहर 12:बजे के बीच हुई। ट्रांसफार्मर में लगे पावर सप्लाई में अचानक तेज आवाज से सार्ट सर्किट हुई और आग भड़क उठी। महिला थाने में मौजूद स्टॉफ में अफरा तफरी मच गई।

2025 तक टीबी के खात्मे के लिए मरीजों में निःशुल्क वितरित की जाएगी दवा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत सरकार 2025 तक देश को टीबी मुक्त भारत बनाने पर काम कर रही है। जिसके तहत टीबी रोगियों को खोजे जाने से लेकर उनके इलाज और गोद लिए जाने तक का कार्यक्रम किया जा रहा है, ताकि इसे जल्द से जल्द खत्म किया जा सके। वही अब सरकार ने एक कदम और आगे बढ़ाते हुए टीबी के एमडीआर मरीजों के लिए ?940000 की प्रति मरीज की दवा निशुल्क देने के लिए लांच किया है। जिसको लेकर सोमवार को जिला अस्पताल स्थित टीबी सेंटर में एडीएमो डॉ. के.के. वर्मा ने बेड़ाक्वीलीन टेबलेट एमडीआर मरीज कमला यादव पुत्र स्वर्गीय रघुनंदन यादव को देकर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.के. वर्मा ने बताया कि पहले एमडीआर मरीजों को कैनामाइसीन इंजेक्शन लगाया जाता था। लेकिन अब उसकी जगह पर इस टैबलेट को मरीजों को सोमवार से दिए जाने का कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह दवा प्रति टेबलेट ?5000 की आती है और एक मरीज के लिए 188 टेबलेट दिया जाता है। इस तरह एक मरीज को ?940000 का दवा निशुल्क रूप से दिया जा रहा है, जिससे कि वह जल्द से

जल्द ठीक हो और भारत सरकार के 2025 तक टीबी मुक्त भारत का सपना पूरा हो। डॉ. वर्मा ने बताया कि टीबी रोग के खात्मे के लिए सरकार की यह एक अच्छी पहल है। मौजूदा समय में शासन के तरफ से कुल 6 पैकेट टेबलेट विभाग को मिले हैं। इस उद्घाटन कार्यक्रम में अनुराग पांडे, सुनील वर्मा, नरेंद्र राय, राधेश्याम यादव व महेश कुशवाहा आदि लोग उपस्थित रहे।

आधार कार्ड बनवाने के लिए दर दर भटक रहे ग्रामीण

प्रखर मिजार्पुर। राजगढ़ - स्थानीय क्षेत्र में आधार कार्ड बनवाने को लेकर लोगों को दर बदर भटकना पड़ रहा है। शासन की योजनाओं से लेकर बच्चों की शिक्षा में भी आधार कार्ड को अनिवार्य कर दिया गया है लेकिन स्थानीय क्षेत्र में आधार कार्ड बनाने की कोई व्यवस्था नहीं है जिससे लोगों को दूर दराज जाने के लिए विवश होना पड़ रहा है। जबकि शासन की ओर से आए दिन किसी न किसी योजनाओं के लिए केवाईसी कराना पड़ रहा है बच्चों की शिक्षा, वजीफा, से लेकर किसानों के लिए संचालित योजनाओं में आधार कार्ड की अनिवार्यता है लेकिन सरकार की ओर से कोई सेंटर नहीं खोला गया है जिससे बड़ी संख्या में लोगों के पास आधार कार्ड नहीं होने से सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं। क्षेत्रीय लोगों ने ब्लाक मुख्यालय पर आधार कार्ड बनाने के लिए सेंटर खोलने की मांग किया है।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रक्तदान करना बहुत ही पुण्य का कार्य है। किसी जरूरतमंद को यदि रक्त की जरूरत हो और वो उसे न प्राप्त हो तो उसकी मृत्यु भी हो सकती है। ऐसे में हमे जागरूक होकर रक्तदान अवश्य करना चाहिए, ताकि किसी

जरूरतमंद की जान बचाई जा सके। वैसे भी रक्तदान को महादान कहा जाता है। इसीलिए रक्तदान करने के लिए लगातार कैंप और जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाते हैं। इसी कड़ी में किसान दुर्गा पूजा समिति मोहम्मदाबाद के द्वारा एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रक्तदान करने के लिए 26 लोगों ने अपना पंजीकरण कराया था। जिसमें से 12 लोगों ने रक्तदान किया। इस मौके पर रक्त कोष के कैंप प्रभारी साकेत सिंह ने रक्तदान से होने वाले फायदे के बारे में लोगों को बताया एवं रक्तदान को लेकर समाज में फैली भ्रांति को भी दूर करने के लिए भी लोगों को जागरूक किया। वहीं जिला अस्पताल के रक्तकोश टीम के बृजेश शर्मा, ज्ञानचंद एवं नंदलाल दुबे उपस्थित रहे। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष मनीष शर्मा, कृष्णा पांडे, रोहित, विनय, नितेश, विनोद यादव, धर्मेंद्र, गिरिराज अग्रवाल आदि ने रक्तदान किया।

राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय बनवाने की मांग ने जोर पकड़ा

प्रखर लालगंज (मीरजापुर)। राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना करने की मांग लालगंज तहसील क्षेत्र में जोर पकड़ती जा रही है क्योंकि फोरलेन सड़क के पास जमीन उपलब्ध होने के चलते आवागमन सुविधा के साथ यूपी एमपी समेत विभिन्न जिलों के छात्र छात्राओं को उच्च शिक्षा का लाभ प्राप्त होगा। विश्वविद्यालय स्थापना को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के क्षेत्रीय नेताओं की एक राय है। जिले जिले की दक्षिणांचल की तहसील लालगंज के उप जिलाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई जमीन पर राज्य विश्वविद्यालय स्थापना की मांग छात्र छात्राओं के साथ ग्रामीण और क्षेत्रीय नेता भी एक राय बना लिया है । ग्रामीणों का मानना है कि आजादी के बाद से रोजगार विहीन और पिछड़ी तहसील लालगंज विकास के मापदंड से दूर है। ऐसी स्थिति में राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना फोरलेन सड़क के बगल में किए जाना नितांत आवश्यक है। फोरलेन इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा होने के बाद साधन सुविधा आवागमन की बेहतर उपलब्धता के चलते छात्र छात्राओं को अध्ययन करने के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। वहीं राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना होने के बाद क्षेत्र के विकास होने की पूरी संभावनाएं बनेंगी। विश्वविद्यालय स्थापना किए जाने की मांग करते हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पुत्र लाल बहादुर का कहना है कि राज्य विश्वविद्यालय स्थापित किया जाना लालगंज तहसील में जरूरी है। इसी प्रकार की बात स्वतंत्रता सेनानी रविनंदन दुबे के पुत्र चंद्रमणि दुबे का कहना है कि उत्तर प्रदेश के बार्डर की तहसील में राज्य विश्वविद्यालय बनने से शिक्षा के स्तर में बदलाव आएगा।बघई गांव के निवासी राम कुबेर त्रिपाठी कहते हैं कि राज्य विश्वविद्यालय का लाभ छात्र छात्राओं के साथ जिले को मिलेगा। अधिवक्ता प्रभु नाथ द्विवेदी व केदारनाथ शुक्ला के साथ चंद्र त्रिपाठी का कहना है कि राज्य विश्वविद्यालय शिक्षा के स्तर को मजबूत करने का काम करेगा। सामाजिक कार्यकर्ता ब्रह्मदत्त सिंह का कहना है कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों का जहां विकास हुआ है तो वही लालगंज क्षेत्र उपेक्षित रहा है।जहां विश्वविद्यालय की स्थापना होना गौरव की बात है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र सिंह यादव व पूर्व जिला पंचायत सदस्य वसीम अहमद का कहना है कि तहसील क्षेत्र में राज्य उच्च विद्यालय बनना जरूरी है। जिला पंचायत सदस्य विष्णु सिंह स्पष्ट रूप से बोले कि राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना जमीन उपलब्ध होने के बाद संसय दूर हो जाना चाहिए।

विश्व मलेरिया दिवस पर संगोष्ठी का किया गया आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विश्व मलेरिया दिवस हर साल 25 अप्रैल को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मलेरिया को मिटाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित करना है। सोच है कि बीमारी के कारण होने वाली परेशानी और मौतों की दर को कम किया जा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य राज्यों ने 2007 में विश्व स्वास्थ्य सभा के दौरान विश्व मलेरिया दिवस की स्थापना की। दरअसल मलेरिया एक रोके जाने वाली और उपचार योग्य बीमारी है। इसके बाद भी इस बीमारी का प्रभाव पूरी दुनिया में रहा है। इसी के मद्देनजर सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरगोविंद सिंह ने किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरगोविंद सिंह ने इस मौके पर बोलते हुए कहा कि यूपी सरकार का 'दस्तक अभियान' मलेरिया से लड़ाई के लिए चालू है। इसके तहत 2030 तक मलेरिया मुक्त बनने का लक्ष्य रखा गया है। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने हाल ही में कहा था कि सरकार राज्य में इस तरह के रोगों को खत्म करने और 2030 तक

इसे मलेरिया मुक्त बनाने की दिशा में काम कर रही है। दस्तक अभियान में आशा और आंगनबाडी कार्यकताओं को जल जनित और मच्छर जनित विभिन्न बीमारियों से लोगों को अवगत कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस दौरान जिला मलेरिया अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम आज जनपद के सभी ब्लाकों के सामुदायिक स्वास्थ्य और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मनाया गया। आए हुए जनमानस को मलेरिया से बचने के उपाय और यदि मलेरिया हो जाता है तो उसके इलाज के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि जनपद में कुल 339 मलेरिया की जांच भी हुई है। जिसमें कोई भी मरीज पॉजिटिव नहीं आया है। इस दौरान उन्होंने बताया कि मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है। इसकी जांच एवं उपचार की पूरी व्यवस्था चिकित्सा विभाग के द्वारा मुफ्त में उपलब्ध है। गांव गांव में रहने वाली आशा के पास जांच किट भी उपलब्ध है। यदि किसी को लंबे अंतराल से बुखार आ रहा हो तो वह तत्काल जांच कराएं। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई छिड़काव व फागिंग की व्यवस्था ग्राम प्रधान और सचिव के माध्यम से किया जाना है। जबकि नगरी क्षेत्र में नगर पंचायत, नगर पालिका के द्वारा किया जाना है। मच्छर के खात्मे के लिए साफ पानी की आवश्यकता है। अतः सभी ग्राम प्रधान अपने क्षेत्र में जल निकासी का उचित प्रबंध करें। सब के सामूहिक प्रयास से इस मलेरिया जैसे रोक पर आसानी से काबू पाया जा सकता है।

बुंदेसलीगा: बोरूसिया डॉर्टमंड को 3-1 से हराया

बायर्न म्युनिख ने जीता लगातार 10वां खिताब

बर्लिन। बोरूसिया डॉर्टमंड को 3-1 से हराकर बायर्न म्युनिख ने घरेलू फुटबॉल में एक दशक से चला आ रहा अपना वर्चस्व कायम रखते हुए रिकॉर्ड दसवीं बार बुंदेसलीगा फुटबॉल खिताब अपने नाम किया ।

बायर्न के लिए सर्जी नाबरी ने 15वें, रॉबर्ट लेवांडोवस्की ने 34वें और जमाल मुसियाला ने 83वें मिनट में गोल दागे। बार्यन की अब उसे दूसरे स्थान पर काबिज डॉर्टमंड पर 12 अंक की अजेय बढ़त है जबकि तीन मैच बाकी हैं। डॉर्टमंड ने 2014 के बाद से एक बार भी बायर्न को हराया नहीं है। बायर्न का दसवां जर्मन चैम्पियनशिप खिताब यूरोप की शीर्ष पांच लीगों में रिकॉर्ड है । क्लब ने जुवेंट्स के 2012 से 2020 के बीच नौ सीरि ए खिताब के रिकॉर्ड को भी तोड़ा। बायर्न के कोच बनने के बाद जूलियन नागेल्समैन का यह पहला खिताब है। जूलियन नागेल्समैन ने कहा, यह साल आसान नहीं रहा है। इसलिए मैं बहुत प्रसन्न हूं कि हमने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतने में कामयाबी हासिल की। जीत के बाद खिलाड़ियों ने उन्हें बीयर से जैसे नहला दिया था।

जीसस के चार गोल से मैनचेस्टर सिटी जीता

लंदन। स्ट्राइकर गैब्रियल जीसस के चार गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में वाटफोर्ड को 5-1 से हराकर चार अंकों की बढ़त बनाई। जीसस एक सीजन में एक ही मैच में चार गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इस जीत के बाद सिटी को दूसरे स्थान पर काबिज लिवरपूल पर चार अंक की बढत मिल गई है । इससे पहले इस सत्र के शुरूआती आठ महीने में जीसस ने तीन ही गोल किये थे। ब्राजील के इस स्ट्राइकर ने दोनों हाफ में दो दो गोल किए। रोडरी ने एक अन्य गोल दागा। एक अन्य मैच में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपना नवजात शिशु खोने के बाद मैनचेस्टर युनाइटेडके लिये वापसी की लेकिन टीम को आर्सनल के हाथों 1 -2 से पराजय से नहीं बचा सके ।

पीएसजी ने जीता 10वां लीग-1 खिताब

नई दिल्ली। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्रेंच लीग-1 में चार मैच शेष रहते हुए 10वीं बार खिताब पर कब्जा सुनिश्चित कर लिया है। हालांकि दस खिलाड़ियों से खेल रही लेंस ने उसे 1-1 से बराबरी पर रोक लिया। 34 साल के लियोनल मेसी ने 68वें मिनट लहराती किक पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी। लेंस की ओर से जीन ने 88वें मिनट में गोल किया। पीएसजी को खिताब तय करने के लिए एक अंक की जरूरत थी जो उसे ड्रॉ से मिल गया। लेंस के केविन डेंसो को 57वें मिनट में दूसरा पीला कार्ड देखने के कारण बाहर जाना पड़ा। पीएसजी ने सेंट एटिने के 10 खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी की। बार्सिलोना क्लब छोड़ने के बाद यह मेसी की पहली ट्रॉफी है। मेसी ने इससे पहले बार्सिलोना के लिए 10 ला लिगा, सात कोपा डेल रे, सात सुपरकोपा डे स्पेना, 4 यूफा चैंपियंस लीग, तीन यूफा सुपर कप, तीन फीफा क्लब विश्वकप जीते हैं।

मुंबई की लगातार आठवीं हार

मुंबई को 36 रन से हराकर टॉप-4 में लखनऊ

मुंबई (एजेंसी)। मैन ऑफ द मैच केएल राहुल के शानदार शतक और कुणाल पंड्या के तीन विकेट की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल -15 के मुकाबले में मुंबई इंडियन्स को 36 रन से शिकस्त दी। जीत के लिए 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की टीम आठ विकेट पर 132 रन ही बना सकी। मुंबई की यह मौजूदा सत्र में लगातार आठवीं हार है। वहीं लखनऊ पांचवीं जीत के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंचा गया हैं।

टॉस जीतकर लखनऊ को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित करने वाली मुंबई ने पावरप्ले अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि राहुल ने अपने बल्ले का कमाल दिखाते हुए टीम के लिए रन जोड़ते रहे। उन्होंने 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 62 गेंदों पर नाबाद 103 रन बनाए। लखनऊ ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट खोकर 168 रन बनाए। के एल राहुल के अलावा टीम का कोई भी खिलाड़ी 30 रनों के आंकड़ा भी नहीं छू पाया। मनीष पांडे महज 22 रन बनाकर आउट हुए मुंबई की ओर से पोलार्ड तथा मेरेडिथ को दो-दो विकेट झटके जबकि बुमराह और सैम्स के खाते में एक-एक विकेट आया। मुंबई को ईशान किशन और रोहित शर्मा ने धीमी शुरुआत दी लेकिन 49 के स्कोर पर ईशान आउट हो गए और मुंबई का मध्यक्रम एक बार फिर से विफल हो गया काई भी बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहा। मुंबई के लिए रोहित शर्मा ने सर्वाधिक 39 रन वहीं तिलक वर्मा ने 38 रन और पोलार्ड ने 19 रन का योगदान दिया। लखनऊ के लिए कुणाल पंड्या ने 19 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट झटके वहीं मोहसिन खान, जेसन होल्डर, रवि विश्नाई और आयुष बदोनी ने भी एक - एक विकेट झटके।

आईपीएल में सर्वाधिक शतक

- 6-क्रिस गेल (141 पारी)
- 5-विराट कोहली (207 पारी)
- 4-जोस बटलर (71 पारी)
- 4-केएल राहुल (93 पारियां)
- 4-शेन वॉटसन (141 पारी)
- 4 -डेविड वॉर्नर (155 पारियां)

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4/6
डिकॉक कै. रोहित बो. बुमराह	10	09	0/1
लोकेश राहुल नाबाद	103	62	12/4
मनीष पांडे कै. मेरेडिथ बो. पोलार्ड	22	22	0/1
स्टॉयनिस कै. तिलक बो. सैम्स	00	03	0/0
क्रुणाल कै. शौकीन बो. पोलार्ड	01	02	0/0
हुड्डा कै. ब्रेविस बो. मेरेडिथ	10	09	1/0
बदोनी कै. पोलार्ड बो. मेरेडिथ	14	11	0/1
जेसन होल्डर नाबाद	00	02	0/0

अतिरिक्त: 8 कुल: 20 ओवर में छह विकेट पर 168 रन **विकेट पतन:** 1-27, 2-85, 3-102, 4-103, 5-121, 6-168 **गेंदबाजी:** डेनियल सैम्स 4-0-40-1, ऋतिक शौकीन 2-0-11-0, बुमराह 4-0-31-1, रायली मेरेडिथ 4-0-40-2, जयदेव उनादकट 4-0-36-0, कीरोन पोलार्ड 2-0-8-2,

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4/6
ईशान किशन कै. होल्डर बो. बिश्नाई	08	20	0/0
रोहित शर्मा कै. गौतम बो. क्रुणाल	39	31	5/1
ब्रेविस कै. चमीरा बो. मोहसिन	03	05	0/0
सूर्यकुमार कै .राहुल बो. बदोनी	07	07	1/0
तिलक वर्मा कै. बिश्नाई बो. होल्डर	38	27	2/2
पोलार्ड कै. हुड्डा बो. क्रुणाल	19	20	0/1
सैम्स कै. बिश्नाई बो. क्रुणाल	03	07	0/0
जयदेव उनादकट रन आउट	01	01	0/0
शौकोनी नाबाद	00	00	0/0
बुमराह नाबाद	00	02	0/0

अतिरिक्त: 14, कुल: 20 ओवर में आठ विकेट पर 132 रन **विकेट पतन:** 1-49, 2-54, 3-58, 4-67, 5-124, 6-131, 7-132, 8-132, **गेंदबाजी:** मोहसिन खान 4-0-27-1, दुश्मांता चमीरा 4-0-14-0, जेसन होल्डर 4-0-36-1, क्रुणाल पंड्या 4-0-19-3, रवि बिश्नोई, 4-0-28-1, आयुष बदोनी 1-0-6-1,

सीजन में किसी एक टीम के खिलाफ दो शतक जड़ने वाले दूसरे खिलाड़ी राहुल

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ इस सीजन खेले गए दोनों ही मुकाबलों में शतक ठोके। और दोनों ही मैचों में राहुल ने नाबाद 103 रन बनाए। इससे पहले विराट कोहली ने 2016 में गुजरात टीम के खिलाफ पहले मुकाबले में 109 रन और दूसरे मुकाबले में नाबाद 100 रन बनाए थे। इसी के साथ केएल राहुल इस सीजन में 300 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी भी बन गए हैं। भारतीय खिलाड़ी द्वारा टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम है। लेकिन मुंबई के खिलाफ इस सीजन लगातार दूसरा शतक जड़कर केएल राहुल ने रोहित के टी20 क्रिकेट में 6 शतक लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। राहुल का आईपीएल में यह चौथा और मुंबई इंडियंस के खिलाफ तीसरा शतक हैं।

आईपीएल 2022 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात	07	06	01	12	0. 396
हैदराबाद	07	05	02	10	0.691
राजस्थान	07	05	02	10	0.432
लखनऊ	08	05	03	10	0.334
बेंगलुरु	08	05	03	10	-0.472
दिल्ली	07	03	04	06	0.715
कोलकाता	08	03	05	06	0.080
पंजाब	07	03	04	06	-0.562
चेन्नई	07	02	05	04	-0.534
मुंबई	08	00	08	00	-1.000

आज का मुकाबला

शाम. 7:30 बजे

पंजाब किंग्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स

तीरंदाजी वर्ल्ड कप: भारतीय रिकर्व मिक्सड टीम ने जीता गोल्ड

रिद्धि और तरुणदीप राय की जोड़ी ने ब्रिटेन को हराया

अंताल्या। रिद्धि और तरुणदीप राय की रिकर्व मिक्सड टीम ने रविवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में दो स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान को समाप्त किया। भारत ने स्वर्ण पदक के इस करीबी मुकाबले में चौथे सेट के अंत में स्कोर 4-4 से बराबरी करने के बाद 18-17 शूट-ऑफ (निशाने में) में ब्रिटेन को हराया। रिद्दि और रॉय ने पहली बार एकसाथ किसी मुकाबले में भाग लिया।

जीत के बाद राय ने कहा, यह पहली बार है कि हम दोनों एक साथ खेला है, वह सिर्फ 17 साल की है और उसका भविष्य उज्ज्वल है। रिद्दि के साथ अनुभव काफी अच्छा रहा और हर बार निशाने लगाते हुए मैनें इच्छा जतायी की भारतीय टीम स्वर्ण पदक जीते। विश्व कप का खिताब जीतना एक बड़ी उपलब्धि है और यह अनुभव एशियन खेलों में पदक जीतने में हमारी मदद करेगा। रिद्दि ने कहा, यह पहली बार नहीं है जब मैं कोई फाइनल खेल रही हूं, मैं अपना पहला विश्व कप खेल रही हूं। मैं यहां फाइनल खेलने के लिए उत्साहित थी और किसी सीनियर टूर्नामेंट में यह मेरा अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। भारत जोड़ी की शुरूआत खराब रही । टीम ने दूसरे दौर में यूक्रेन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत की और 6-2 से जीत दर्ज की।भारत का यह प्रदर्शन क्वाटरफाइनल में पोलैंड को 5-1 से हराकर और सेमीफाइनल में स्पेन को 5-3 से हराकर बरकरार रहा।इससे पहले शनिवार को अभिषेक वर्मा, अमन सैनी और रजत चौहान की पुरुष कंपाउंड टीम ने रोमांचक मुकाबले में फ्रांस को 232-230 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

मुंबई के 40 वर्षीय तेज गेंदबाज राजेश वर्मा का दिल का दौरा पड़ने से निधन

नई दिल्ली। मुंबई के पूर्व तेज गेंदबाज और रणजी ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे राजेश वर्मा का रविवार को निधन हो गया। उन्होंने 40 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। उनका निधन दिल का दौरा पड़ने की वजह से हुआ। राजेश ने अपने कैरियर में सात प्रथम श्रेणी मैच खेले थे। लेकिन वह 2006-07 में रणजी ट्रॉफी जीतने वाली मुंबई टीम का अहम हिस्सा थे। दाएं हाथ के मीडियम पेसर राजेश वर्मा ने 2002-03 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने पंजाब के खिलाफ 2008 में ब्रेबोर्न स्टेडियम में अपना आखिरी मैच खेला था। राजेश की निधन की जानकारी देते हुए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से उन्हें श्रद्धांजलि दी और अपना दु:ख व्यक्त किया।

वेरस्टापेन ने इमोला रेस जीती

इमोला। रेड बुल के मैक्स वेरस्टापेन ने टीम के साथी सर्जियो पेरेज के साथ एक रोमांचक इमोला रेस जीती, क्योंकि फेरारी ड्राइवर घरेलू मैदान पर नहीं पहुंच सके और रविवार को यहां रेस से बाहर हो गए। हालांकि, फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर ने अपने साथी स्पैन के कार्लोस सैन्ज के रेस से सेवानिवृत्त होने के बाद छठे स्थान पर रहने के लिए देर से रेस शुरू की। सैंज के साथ, हमवतन फर्नांडो अलोंसो दूसरे थे, जो रेस खत्म नहीं कर सके। डचमैन वेरस्टापेन ने स्प्रिंट रेस में शीर्ष स्थान हासिल किया और रविवार को लाइन का नेतृत्व किया, टीम के साथी पेरेज ने उन्हें सबसे आगे जोड़े रखा, जबकि लेक्लेर क्षण भर में चौथे स्थान पर आ गए। ट्रैक के सूखने के साथ, ड्राइवरों ने लैप 19 पर इंटर्न से माध्यमों की अदला-बदली करना शुरू कर दिया, पेरेज वेरस्टापेन से पहले आ रहे थे, जिन्होंने लेक्लर को टक्कर मारी थी। मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल ने एक शानदार शुरुआत का आनंद लिया और चेकर फ्लैग के रूप में पी 4 से सात स्थान ऊपर थे, अल्फा रोमियो के वाल्टेरी बोटास को एक सेकंड के भीतर ड्राइवर के साथ देर के बावजूद उन्होंने सिल्वर एरो में बदल दिया। भारत और रेड बुल के रेसर जेहान दारुवाला फॉर्मूला 2 चैंपियनशिप के इमोला स्प्रिंट रेस में जीत से चूक गए और वह दूसरे स्थान पर रहे। 23 वर्षीय रेसर ने तीसरे स्थान पर शुरुआत की, मार्कस आर्मस्ट्रांग के पीछे दूसरे स्थान पर जाने के लिए लाइन से बाहर निकल गए, जिसने स्प्रिंट रेस पोल-सिटर लोगान सर्जेंट से आगे बढ़त बना ली और पांचवें स्थान पर आ गए।

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 15 मई से श्रीलंका के खिलाफ शुरु होने वाली दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के पहले टेस्ट के लिए टीम का घोषणा कर दी है। बांग्लादेश की टीम में अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की वापसी हुई हैं। व्यक्तिगत कारणों से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से चूक गए। प्रोटियाज के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान कंधे में चोट लगने वाले तस्कीन अहमद अनुपलब्ध हैं, क्योंकि उनका इलाज जारी है। मोमिनुल हक की अगुवाई वाली बांग्लादेश टीम के पास अनुभव और युवाओं का अच्छा मिश्रण है, जिसमें रेजौर रहमान राजा और शोहिदुल इस्लाम अपने पहले टेस्ट कैप की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसी टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका की क्रिकेट टीम 8 मई को बांग्लादेश पहुंचेगी। यह टेस्ट सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2021-2023 का हिस्सा होगी। बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 मई को चटग्राम के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में शुरू होगा, जबकि दूसरा टेस्ट 23 मई से ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। **बांग्लादेश की टीम:** मोमिनुल हक (कप्तान), तमीम इकबाल, महमूदुल हसन जॉय, नजमुल हुसैन शान्तो, मुशफिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, यासिर अली चौधरी, तैजुल इस्लाम, मेहदी हसन मिराज, एबादत हुसैन चौधरी, सैयद अहमद खलेधुरी, सैयद नुरुल हसन सोहन, रेजौर रहमान राजा, शोहिदुल इस्लाम और शोरिफुल इस्लाम (फिटनेस टेस्ट के बाद)।

अगर बेन स्टोक्स कप्तान नहीं बनना चाहते तो इंग्लैंड क्रिकेट के लिए बड़ी मुसीबत: चैपल

लंदन। जो रूट जब यॉर्कशायर की कप्तानी करते थे तब समर्थकों ने उनकी कप्तानी की आधार पर उन्हें एक अपमानजनक उपनाम दिया था। शायद इंग्लैंड के क्रिकेट अधिकारियों को समझ जाना चाहिए था कि इंग्लैंड के कप्तानी के लिए उनकी योग्यता पर यह सवालिया निशान था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा, रूट ने इंग्लैंड कप्तानी से अपनी गलतियों के चलते ही हाथ धोया है और इसके बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने रॉबर्ट की को प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। रूट के खुद घोषणा करने से रॉबर्ट उन्हें कप्तानी से हटाने के एक विवादित फैसला लेने से बच गए।

दीपक पूनिया को रजत पदक से करना पड़ा संतोष

उलानबटोर। भारतीय पहलवान दीपक पूनिया कजाखस्तान के अजमत दौलतबेकोव के मजबूत डिफेंस से पार नहीं कर सकें और उन्हें एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के आखिरी दिन रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि विकी चाहर ने फ्रीस्टाइल 92 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक मिला। भारत ने 17 पदकों के साथ टूर्नामेंट को समापन किया। रवि दहिया एकमात्र स्वर्ण पदक विजेता रहे जिन्होंने पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में सोने का तमगा जीता। ग्रीको रोमन पहलवानों का पांच पदक जीतना उत्साहवर्धक रहा लेकिन दूसरे देशों के कई शीर्ष पहवानाओं की गैरमौजूदगी के बावजूद सिर्फ एक स्वर्ण पदक जीत पाना अच्छा संकेत नहीं है। महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पहले स्वर्ण पदक के लिए चुनौती पेश कर रहे दीपक (86 किग्रा, फ्रीस्टाइल) ने बिना कोई अंक गंवाए फाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने पहले ईरान के मोहसेन मीरयूसुफ मोस्ताफी अलानजाग (6-0) और फिर कोरिया के गुवानुक किम (5-0) को हराया। दौलतबेकोव ने दीपक को आक्रामक खेल नहीं दिखाने दिया और उनके हमलों को आसानी से नाकाम किया।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप ने भारत ने जीते 17 पदक

रायन कैंपबेल की हालत स्थिर, बेहोशी से आए बाहर

लंदन। दिल का दौरा पड़ने के बाद कोमा में चले गए नीदरलैंड्स के कोच रायन कैंपबेल की हालत अब स्थिर है। वह बेहोशी की हालत से बाहर आ गए हैं। कैंपबेल के परिवार ने रविवार को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट एसोसिएशन के जरिए कैंपबेल के स्वास्थ्य से जुड़ी यह जानकारी साझा की। बीते शनिवार कैंपबेल को दिल का दौरा पड़ा था, जिसके बाद वह कोमा में चले गए थे। उन्हें यूके के एक अस्पताल में आईसीयू में भर्ती किया गया था। जहां वह लगातार डॉक्टरों की निगरानी में थे। चार दिनों के बाद कैंपबेल के भाई मार्क कैंपबेल ने बताया था कि रायन अब कोमा से बाहर आ गए हैं।सोशल मीडिया पर साझा किए गए बयान में कहा गया है, 'हमारे परिवार को यह घोषणा करते हुए ख़ुशी है कि रॉयल स्टोक यूनिवर्सिटी अस्पताल के स्टाफ़ के अथक परिश्रम के चलते रायन होश में आ गए हैं।उन्होंने बहुत अच्छी प्रतिक्रिया दी है और अब उनकी स्थिति स्थिर है।

बल्लेबाजी में सुधार नहीं कर पा रहे: रोहित शर्मा

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पहली जीत का इंतजार कर रहे मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा में लखनऊ सुपर जयंट्स के खिलाफ यहां 36 रन की शिकस्त के बाद रविवार को कहा कि उनके बल्लेबाजों ने एक बार फिर निराशाजनक प्रदर्शन किया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 168 रन बनाने के बाद मुंबई की पारी को आठ विकेट पर 132 रन पर रोक दिया। सत्र में लगातार आठवीं बार हार का सामना करने के बाद रोहित ने कहा, हमनें अच्छी गेंदबाजी कर उन्हें कम स्कोर पर रोका था। हम हालांकि अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाये। हमने साझेदारियां नहीं बनायी और खराब शॉट खेले, खराब शॉट खेलने वालो में मैं भी शामिल था। उन्होंने कहा, यह सिर्फ इस मैच की बात नहीं है। हमने पूरे टूनामेंट में खराब बल्लेबाजी की। कोई भी बल्लेबाज जिम्मेदारी लेकर आखिरी तक खेलने को तैयार नहीं दिख रहा। मैच में 62 गेंद की पारी में 12 चौके और चार छक्के की मदद से नाबाद 103 रन बनाने वाले लखनऊ के कप्तान लोकेश राहुल मैन ऑफ द मैच रहे। सत्र में अपना दूसरा शतक जड़ मैन ऑफ द मैच बने राहुल ने कहा, मैंने परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी की। मुझे खुशी है कि मैं आज इसमें सफल रहा। उन्होंने कहा, इस पिच पर पिछले कुछ मैच मेरे लिए अच्छे नहीं गए थे, इसलिए मैंने पारी की शुरूआत में संभल कर बल्लेबाजी करते हुए स्ट्राइक बदलने पर ध्यान दिया और परिस्थितियों को समझने के बाद पारी को आगे बढ़ाया।

एंड्री रुबलेव ने जीता सर्बिया ओपन का खिताब

बेलग्रेड। साल को पहला फाइनल खेल रहे दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को सर्बिया ओपन में रूस के एंड्री रुबलेव से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा। दूसरी वरीयता प्राप्त 24 वर्षीय रुबलेव ने शीर्ष वरीयता प्राप्त के खिलाफ दो घंटे 27 मिनट में 6-2, 6-7 (4/7), 6-0 से जीत हासिल कर जोकोविच को अपने घर में कुल मिलाकर तीसरे सर्बिया ओपन और चौथे एटीपी टूर खिताब से वंचित कर दिया।

मेलबर्न से निर्वासित होने के बाद बेलग्रेड इवेंट जोकोविच का 2022 का तीसरा टूर्नामेंट था। जोकोविच ने करेन खाचानोव को 4-6, 6-1, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। वहीं रुबलेव ने फैबियो फोगनिनी को 6-2, 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। बीस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन ने इससे पहले 2009 और 2011 में सर्बिया ओपन जीता था।

स्वियातेक बनी स्टुटगार्ट ओपन चैंपियन

स्टुटगार्ट। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज इगा स्वियातेक ने पिछले 23 मैचों का अजेय क्रम जारी रखते हुए स्टुटगार्ट ओपन टेनिस के फाइनल में आर्यना सबालेंका को हराकर साल का अपना चौथा खिताब जीता। पोलैंड की खिलाड़ी ने एक घंटे 24 मिनट तक चले मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका को 6-2, 6-2 से मात दी। स्वियातेक ने अपने आखिरी सात फाइनल सीधे सेटों में जीते हैं।

लखनऊ की जीत के बाद भी मुसबीत में टीम, स्लो ओवर रेट के कारण लगा जुमार्ना राहुल पर लगा जुर्माना

मुंबई। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल पर मुंबई इंडियन्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में धीमी ओवर गति के लिये 24 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। यह इस सत्र में दूसरा अवसर है जबकि राहुल पर धीमी ओवर गति के लिये जुमार्ना लगाया गया है। पहली बार उन पर 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया था। आईपीएल ने यहां जारी बयान में कहा, केएल राहुल पर 24 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया जबकि अंतिम एकादश में शामिल अन्य खिलाड़ियों पर छह लाख रुपये या उनके मैच शुल्क का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुमार्ना लगाया गया है। इसमें कहा गया है, यह इस सत्र में दूसरा अवसर है जबकि टीम ने आईपीएल की आचार संहिता के तहत नियत समय में ओवर पूरे नहीं किये। लखनऊ ने राहुल के शतक के दम पर इस मैच में मुंबई को 36 रन से हराया।

प्लेटफार्म की कम ऊंचाई बन रही दुर्घटना का कारण

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज नौतनवां तहसील के अन्तर्गत स्थित 1924 में बना रेलवे स्टेशन नईकोट पर यात्री सुविधाओं के लाले हैं। गोरखपुर - नौतनवां रेल मार्ग पर नईकोट रेलवे स्टेशन सबसे पुराना माना जाता है। पहले यहां दो रेलवे ट्रेक थे। यहां पर मालगाड़ी से माल लाकर उतारा जाता था। स्टेशन पर कई कर्मचारी हुआ करते थे लेकिन कुछ सालों पहले इसे हाल्ट स्टेशन बना दिया गया यही से इस स्टेशन की बदहाली शुरू हो गयी।

यहां शुद्ध पेय जल, शौचालय, छाजन,बैठने की व्यवस्था, रात में लाइट नही सहित तमाम यात्री सुविधाएं सिर्फ कागजों में हैं। प्लेटफार्म नीचा होने से सर्वाधिक दिक्कत यात्रियों को ट्रेन मे चढ़ने व उतरने में होती है। इस स्टेशन से अड्डा बाजार व जंगल तक के लोग ही नही नेपाल के मर्चवार तक के लोग प्रतिदिन यात्रा करते है यहां हजारो यात्रियों का आना-जाना लगा रहता है। यहां से आवागमन का मुख्य का साधन रेल ही है पर सुविधाओं के अभाव में यात्रियों को हर दिन परेशान होना पड़ता है। प्रतिक्षालय, विश्रामालय की सुविधा की बात कौन करे यहां तो प्लेटफार्मो पर यात्रियों के बैठने के लिए पर्याप्त सीटें भी नहीं हैं। और जो है वो टूट गयी है गर्मी के इस महीने में टंकी और टोटी का स्टेक्चर बस बना है पानी नही है स्टेशन पर

मात्र हैंडपंप हैं बस एक सही है यात्रियों को उस समय दिक्कत होती है जब उन्हें पानी की जरूरत होती है। हद तो तब हो जाती है जब कोई ट्रेन रूकती है और यात्री पानी के लिए, नल और टोटियों के पास दौड़ते हुए जाते हैं और पानी न मिलने पर मायूस हो लौट आते हैं। छाजन की बात करें तो छाजन तो है पर अन्दर बेंच टूट चुके है यात्रियों को खुले आसमान तले ट्रेनों का इंतजार करना पड़ता है। बाउंड्रीवाल जगह-जगह टूट गई है जिसके चलते दो पहिया वाहन प्लेटफार्म पर पहुंच फरार्टे भरते हैं। शौचालय इतना गंदा है कि लोग इसे इस्तेमाल करने से कतराते हैं। बिजली के तेरह पोल है जिसमे से बस एक पर लाइट जलती है,रात में अंधेरे के कारण कई लोग चोटिल तक हो गये है बैठने की कोई व्यवस्था नही है बैठने के लिए जो सीमेंट के चबूतरे बने थे वे टूट गये है, प्लेटफार्म नीचा होने के कारण लोगो को चढने व उतरने मे लोगो को काफी मुश्किल होती है। गन्दगी का आलम यह है कि स्टेशन चारो तरफ से कूडें - करकट से पटा है बरसात के समय छत से पानी चूता है। जर्जर हो चुके टिकटघर की वर्षो से सुध नही ली गयी है। यहां तक की स्टेशन पर आने जाने की समुचित व्यवस्था तक नही है। इस सम्बन्ध में लोगो का कहना है कि कई बार इस सम्बन्ध में रेलवे के उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया है लेकिन विभाग द्वारा कोई ध्यान नही दिया गया। क्षेत्र के समाजसेवी देशदीपक पान्डेय,जितेन्द्र सिंह, राजू पान्डेय, सोमनाथ पान्डेय, विपीन अग्रहरी,सुबाष, बब्लू पान्डेय,मुकेश सागर, सुनील यादव, दिनेश सिंह, कृष्णा गुप्ता, प्रदीप सहानी तमाम लोगो ने रेल विभाग से समस्याओं को दूर करने की मांग की है।

इफ़्तार पार्टी में दिखी गंगा-जमुनी तहजीब की झलक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर स्थित मुहम्मदाबाद में दिन शनिवार को समाजसेवी अमीर हमजा के आवास पर दावत-ए-रोजा अफ्तार का आयोजन किया गया था। जिसमें सभी धर्म एवं सम्प्रदाय के लोगों ने प्रमुखता से भाग लिया। इफ़्तार पार्टी में गंगा-जमुनी तहजीब की झलक साफ दिखाई दे रही थी। मगरिब की अजान के साथ ही सभी लोगों ने

एक साथ इफ़्तार करना शुरू किया। बाद इफ़्तार मुस्लिम समाज के लोगों ने मगरिब की नमाज अदा की। नमाज के बाद लोगों ने देश में अमन चैन, आपसी सौहार्द, खुशहाली एवं भाई चारे के लिये दुआएं मांगी गई। समाज सेवी अमीर हमजा ने मीडिया से मुखातिब हो बताया कि हमारे लिये समाज एक बाग की तरह है जहां पर हर तरह के फूल शामिल हैं। बाग में ऐसे फूल भी हैं जो खुश्बू देते हैं और कुछ ऐसे भी हैं जो खुश्बू से मरहूम हैं। मैं एक माली की तरह हूँ, सभी को एक समान सींचने की कोशिश करता हूं। इफ़्तार पार्टी में क्षेत्रीय विधायक सुहैब अंसारी उर्फ मन्नू अंसारी, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष शमीम अहमद, सभी वार्डों के सभासद, पत्रकार बन्धु,वरिष्ठ कांग्रेसी अब्दुल मन्नान अंसारी, वरिष्ठ पत्रकार अविनाश प्रधान, सिंचाई विभाग के रिटायर्ड इंजीनियर इ.फतेखार सिद्दीकी, फिल्म प्रोड्यूसर एवं डायरेक्टर रेयान सिद्दीकी, फेकू यादव 'गांधी', बलिराम पटेल,रामकृत यादव, गोवेर्धन यादव, कमल देव राय, अब्दुल आरिफ'बबलू', बदरुज्जमा उर्फ छोटे अंसारी, खान अहमद जावेद, लड्डू सभासद, शमशाद खान, तन्जेब खान उर्फ सोनू, कैफ अंसारी, फैसल खान आदि लोग प्रमुखता से शामिल थे। आमिर अफजल उर्फ राज ने सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया।

पंचायत राज कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पंचायती राज दिवस के अवसर पर आज दिन सोमवार को छावनी लाईन स्थित ग्राम सचिवालय सभागार में पंचायत राज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कर्यक्रम को संबोधित करते हुए ए.डी.ओ. पंचायत पवन कुमार ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का सपना था कि हर गांव का अपना अधिकार हो गांव के लोग ही विकास कार्यों का निर्माण ले और यह सपना प्रधानमंत्री द्वारा साकार किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में सदस्य क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, ब्लॉक प्रमुख के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष मिलकर त्रिस्तरीय पंचायतों का गठन करते हुए अपनी सरकार चला रहे हैं। इस दौरान डी.पी.आर.ओ अमरेन्द्र कुमार ने नौ थीमो के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि गरीबी मुक्त ग्राम स्वछ ग्राम महिला मैत्री के तहत ग्राम पंचायत को आदर्श ग्राम बनाया जाए। उन्होंने किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड के जरिये कई सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। सरकार द्वारा कई लाभकारी योजनाएँ चलाई जा रहीं हैं जैसे अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री बीमा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी तमाम योजनाओं का लाभ लिया जा सकता है। इस कार्यक्रम में एल.डी.एम संतोष आर्यन सिंह, आरती गुप्ता सहित आशा बहु, एनम आंगनबाड़ी कार्यकत्री मौजूद रहे।

यूजीईटी 2022 के लिए कॉमेडीके - यूनी-गैज प्रवेश परीक्षा: आवेदन तिथियां घोषित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कॉमेडीके यूजीईटी और यूनी-गैज प्रवेश परीक्षा 19 जून, 2022, रविवार को 150 से अधिक इंजीनियरिंग कॉलेजों और 50+ प्रतिष्ठित निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए संयुक्त परीक्षा के रूप में आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा कर्नाटक प्रोफेशनल कॉलेज फाउंडेशन ट्रस्ट और यूनी-गेज सदस्य विश्वविद्यालयों से संबद्ध कॉलेजों के लिए बी.ई./बी.टेक प्रोग्राम में प्रवेश के लिए आयोजित की जाएगी। । परीक्षा 400 से अधिक परीक्षा केंद्रों के साथ भारत भर के 150 से अधिक शहरों में ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। इस साल, यह उम्मीद है कि 80,000 से अधिक छात्र परीक्षा में शामिल होंगे।आवेदक www.comedk.org या www.unigauge.com पर पंजीकरण कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 14 मार्च 2022 से 02 मई 2022 तक ऑनलाइन खुली है। ये जानकारी आज वाराणसी में आयोजित हुए पत्रकार वार्ता के दौरान डॉ. कुमार, कार्यकारी सचिव, कॉमेडीके और पी. मुरलीधर, सीईओ, ईआरए फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से पत्रकारों को दी। डॉ. कुमार, कार्यकारी सचिव, कॉमेडीके ने कहा, कर्नाटक पिछले 5 दशकों से उच्च शिक्षा का केंद्र है और पसंदीदा कॉलेज, शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षा पूर्ण होने पर उच्च रोजगार दर के कारण इंजीनियरिंग करने के इच्छुक छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा स्थान रहा है। हाल के कुछ वर्षों में, हमने प्रवेश परीक्षा देने वाले छात्रों की संख्या में कर्नाटक के बाहर के छात्रों के साथ-साथ स्थानीय कर्नाटक के छात्रों की संख्या में भारी वृद्धि देखी है। हमारा अनुमान है कि यह साल अलग होगा, क्योंकि देश भर में कॉलेज और स्कूल खुल रहे हैं। कॉमेडीके पिछले 15 वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा का सुचारू संचालन कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, ह्लएनईपी 2020 के अनुरूप, हमने इंजीनियरिंग छात्रों के लिए नई और उभरती प्रौद्योगिकियों पर अद्यतित रहने के लिए कॉमेडकेयर, उन्नत कौशल केंद्र भी लॉन्च किए हैं। यहां हमारा ध्यान आगामी पीढ़ी को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए कौशल और अंतरिक अनुशासनात्मक शिक्षा पर अधिक जोर देने पर है।कॉमेडीके यूनी गॉज भारत में दूसरी सबसे बड़ी बहु-विश्वविद्यालय निजी इंजीनियरिंग परीक्षा बन गई है, जिसका स्कोर 150+ संस्थान और 50 से अधिक विश्वविद्यालय स्वीकार कर रहे हैं। 150 शहरों और 400 परीक्षा केंद्रों के साथ, इसने पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण गति प्राप्त की है। महामारी के बावजूद, हमने सभी सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए 400 से अधिक केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की। यह कहना है पी. मुरलीधर, सीईओ, ईआरए फाउंडेशन का।उन्होंने आगे कहा, प्रत्येक केंद्र में सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करते हुए, हम इस वर्ष अधिक संख्या में छात्रों को समायोजित करने का लक्ष्य बना रहे हैं। परीक्षा 2 sessions में होगी, एक सुबह 9 बजे शुरू होगी और दोपहर 12 बजे समाप्त होगी, और दूसरी दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगी। आवेदन और परीक्षा की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी।

भ्रष्टाचार में डूबा बृजमनगंज आंगनवाड़ी केंद्र

प्रखर महराजगंज। मिली जानकारी के अनुसार विकास खंण्ड़ बृजमनगंज के ग्राम धुसवाँ खुर्द में गर्भावती तीन महिला है और धात्री पाँच महिला है आगनबाडी. मंजू गुप्ता का कहना है बाल विकास परियोजना अधिकारी के द्वारा जो बाल पुष्टाहार मुझे उपलब्ध होता है मै उसे लाभार्थियों मे वितरीत करती हूँ लेकिन सत्यता तो तब सामने आयेगी जब बाल विकास परियोजना अधिकारी खुद धुसवाँ खुर्द गाँव मेंआकर आगनबाडी.और सुपरवाईजर की इमानदारी को परखेगीं क्यों की सरकार तो बडे.ही इमानदारी से गर्भवतीऔर धात्री महिलाओं को चावल , रिफायन,चनें की दाल ,दलिया, देसी घी, प्रोटीन पाउडर देती है लेकिन उतनें ही इमानदारी से आगनबाडी. मंजू गुप्ता एक -एक लाभार्थियों को आधा किलो चना की दाल और आधा किलो चावल और एक पैकेट दलिया देती है लेकिन सबसे बडी. बात यह है की रिफायन, देशी घी,चने की दाल,प्रोटीन पाउडर, चावल और दलिया ले जाती है ओं भी लाभार्थियों के साथ फोटो खिचवानें के लिये जब फोटो खिचवा लेती हैऔर रजिस्ट पर हस्ताक्षर करा लेती है तो रिफायन और चने की दाल और देशी घी और प्रोटीन लेकर अपने घर चली जाती है जब इस मामले में सूपरवाईजर सीता दूबे से बात किये

तो सूपरवाईजर सीता दूवे झल्ला उठी कही की ऐसा हो ही नही सकता है और वह इस बात को माननें के लिऐ तैयार ही नही हुई सूत्रो के द्वारा मिली जानकारी के अनुसार हर आगनबाडी. से सूपरवाईजर सीता दूबे सुविधा शुल्क वसूलती है और वसूल कर बाल विकास परियोजना अधिकारी को देती है जब आगनबाडी.को सुविधा शुल्क देकर लाभार्थियों के लिऐ बाल पुष्टाहार वितरीत करने के लिऐ मिलेगा तो लाभार्थियों को उनका हक जो सरकार के द्वारा भेजी जाती है उन लाभार्थियों को कैसे मिलेगा। सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों पर जितनी सुविधाएं मुहैया करायी जाती हैं वह कुछ लाभार्थी एवं शिशुओं को बांट कर बाकी बंदरबांट किया जाता हैं।इसके पूर्व भी रात के अंधेरे में गोदाम से भुक्का की बोरी की सप्लाई कर रहे लोगों से पत्रकारों की झडप हुई थी परंतु खबर चलने के बाद भी जिम्मेदार लोगों ने कोई जांच नहीं की।

बेसिक शिक्षा अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर स्कूल चलो अभियान रैली को किया रवाना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उपजिलाधिकारी आवास सैदपुर से स्कूल चलो अभियान के तहत आज दिन शनिवार को हेमंत राव जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर स्कूल चलो अभियान रैली को रवाना किया। रैली मुख्य बाजार दीनदयाल नगर, आत्मा नगर होते हुए पूर्व माध्यमिक विद्यालय सैदपुर 2 के प्रांगण में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के में तब्दील हो गई। प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया। इस दौरान पूर्व माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत व सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा शिक्षकों से दोगुना नामांकन कराने की अपील की गई। साथ ही नामांकन कराने की अंतिम तारीख 30 अप्रैल बताई गई। आज के इस कार्यक्रम के संयोजक राजेश सिंह खंड शिक्षा अधिकारी सैदपुर व संचालक इसरार अहमद सिद्धकी रहे। इस दौरान सुरेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष, राम सिंह यादव, कैलाश सिंह यादव, रविंद्र नाथ यादव आदि उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियो का हुआ स्वागत- सुभासपा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सारनाथ स्थित लोहिया नगर कार्यालय पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के द्वारा नव निर्वाचित बनारस जिले के प्रदेश के नेताओं का स्वागत अभिनंदन महानगर वाराणसी के तरफ से किया गया जिसका नेतृत्व महानगर प्रभारी जागेश्वर राजभर ने किया नवनियुक्त प्रदेश प्रवक्ता शशी प्रताप सिंह, प्रदेश

उपाध्यक्ष महिला मंच वंदना सिंह, प्रदेश महासचिव विनोद सिंह टीटी, छोटेलाल वाराणसी, राकेश गोंद आदि लोगों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया प्रदेश प्रवक्ता शशी प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय समाज पार्टी संगठन को जड़ से मजबूत करने के लिए आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए संगठन को करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी शशिप्रताप सिंह ने कहा में हिंदू मुसलमान की सौहार्द बिगड़ने की कहानी शुरू हो गई एक तरफ अजान को लेकर एक तरफ भगवान के मंदिर में हनुमान चालीसा को लेकर तू तू मैं मैं का खेल चल रहा है यह अशोभनीय है, सबका धर्म है सब का विचार है सब का अपना सिद्धांत है` हां जहां तक ध्वनि प्रदूषण की बात है अगर मस्जिद पर अजान बज सकता है तो मंदिर पर हनुमान चालीसा भजन बजना चाहिये अगर मंदिर पर अनुमति नही तो मस्जिद पर भी अनुमति नहीं देना चाहिए ध्वनि प्रदूषण से बच्चों के पढ़ाई लिखाई में काफी दिक्कतें आती हैं इसको धर्म से जोड़कर नहीं देखना चाहिए और अपने मुसलमान भाइयों से निवेदन करना चाहिए कि आप पांच वक्त का जो नमाज पढ़ते हैं और 5 टाइम अजान पढ़ते हैं उसको धीमी ध्वनि में बजाने की कृपा करें इसके लिए जातीय जुबानी हिंसा करना जरूरी नहीं है इसके लिए धर्म को धर्म से लड़ाना कहीं से उचित नहीं है` इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जागेश्वर राजभर प्रभारी महानगर प्रभारी, दशरथ राजभर, छपन्न राजभर, दिनेश देव राजभर, रानी तिवारी, सोना राजभर,संतोष प्रजापति, बिनोद प्रजापति, सुनील पटेल, अरविंद सिंह सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

अम्बरीश सिंह "भोला" ने स्मार्ट गैरेज की फ्रेंचाइजी का फीता काटकर किया उद्घाटन

प्रखर वाराणसी। अगर आप अपने दो पहिया वाहन की स्मार्ट सर्विस चाहते हैं तो अब उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आजमगढ़ रोड पर बेलवा बाबा मन्दिर स्थित लमही सब्जी मण्डी के समीप आपकी बाइक और स्कूटी की सर्विस के लिए स्मार्ट गैरेज खुल

वाराणसी में मात्र 99 रुपया में बाइक सर्विस स्मार्ट गैरेज में उपलब्ध

गया है। हिन्दू युवा वाहिनी के मंडल प्रभारी अम्बरीश सिंह "भोला" ने फीता काटकर किया उद्घाटन। स्मार्ट गैरेज की सबसे खास बात यह है कि यहां मात्र 99 रुपये से बाइक/ स्कूटी की सर्विस शुरू होती है। पूरे भारत में 5 दर्जन से अधिक स्मार्ट गैरेज सेंटर खोलने वाली कंपनी है, स्मार्ट गैरेज का यह वाराणसी में पहला सर्विस सेंटर है। जिसमें आधुनिक तकनीक से सभी ब्रांडों की बाइक व स्कूटी की सर्विस

की जाती है। स्मार्ट गैरेज के बाइक जंक्शन सेंटर के ओनर ने बताया कि यह दुपहिया वाहन सर्विस सेंटर इसलिए भी लोगों के लिए किफायती है क्योंकि यहां पिक एंड ड्रॉप सर्विस उपलब्ध है। आज के दिन में लोगों के पास अगर किसी चीज की कमी है तो वह समय है, लिहाजा यहां अपने बाइक व स्कूटी की सर्विस देकर लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से कस्टमर सब कुछ देख सकता है। स्मार्ट गैरेज के वरिष्ठ अधिकारी रतन सिंह ने कहा कि एक बार लोगों को स्मार्ट गैरेज को मौका देना चाहिए उसके बाद खुद लोग अपना समय और बाइक की बेहतर सर्विस के लिए यहां आएंगे। स्मार्ट गैरेज बाकी सर्विस सेंटर से इसलिए अलग है क्योंकि यहां कम रेट्स में बेहतर सर्विस दी जाती है। इसके साथ ही स्मार्ट गैरेज अपने पार्ट्स में वारंटी देने वाली देश की एकमात्र कंपनी है। यदि सर्विस के दौरान आप स्मार्ट गैरेज कंपनी का पार्ट्स लग जाते हैं तो किसी भी तकनीकी दिक्कत के लिए उसकी वारंटी आपके काम आएगी। जबकि और कोई कंपनी यह वारंटी नहीं देती।

दो पहिया वाहन की सर्विस क्षेत्र में अपना नाम कमा चुके स्मार्ट गैरेज के कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि अब दुपहिया वाहनों के बाद स्मार्ट गैरेज 4 पहिया वाहन और जेसीबी तक सर्विस क्षेत्र में कदम बढ़ाने जा रही है। उन्होंने कहा कि वाराणसी और उसके आसपास के क्षेत्र के बाइक स्वामियों के लिए यह बेहतरीन विकल्प है कि वह स्मार्ट गैरेज में आधुनिक तकनीक से अपनी बाइक की बेहतर सर्विस कर लाभ उठा सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

पारिवारिक विवाद के वजह से महिला ने की खुदकुशी

प्रखर कछवाँरोड वाराणसी। मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के रखौना ग्राम की मंजू देवी (40) नामक महिला ने रविवार के दिन गाँव के निकट स्थित रेलवे लाइन पर ट्रेन से कट कर आत्महत्या कर ली । उक्त घटना के सूचना पर पुलिस पहुँच कर शव को कब्जे मे ले पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया । प्राप्त जानकारी के अनुसार रखौना के निवासी मजदूर गुलाब के घर में विगत कई दिनों से भूमि की हिस्सेदारी संबंधित विवाद चल रहा था। इसी मामले को लेकर बीते शनिवार की दोपहर मृतका का अपने पति से कहां सुनी हुई इसके बाद क्षुब्ध हो मृतका ने झोला लेकर अपनी विवाहिता बेटी आंचल के घर (बजहा) जाने की बात कह कर घर से निकल गई अगली सुबह जब ग्रामीण शौच करने हेतु निकले तो ग्रामीणों की नजर रेलवे लाइन पर महिला के कटे हुए शव पर पड़ी। इसकी सूचना आसपास के क्षेत्र में आग की तरह फैल गई जिससे घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। मौके पर मृतका का पति पहुंचकर शव की शिनाख्त किया मृतका को एक पुत्र व दो पुत्री भी है। प्रकरण मे पुलिस का कहना है कि मृतिका का मानसिक संतुलन पूर्व से ही ठीक नहीं था शनिवार को मृतिका ने अपने पति से झगड़ा किया और मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण उसने ऐसा कदम उठाया।

गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय पर गिरी गाज

चोलापुर मे संचालित गैर मान्यताप्राप्त विद्यालय को खंड शिक्षाधिकारी ने कराया बंद

प्रखर वाराणसी। गैर मान्यताप्राप्त विद्यालय के संचालन की सूचना मिलने पर सोमवार प्रातः ही खंड शिक्षा अधिकारी चोलापुर बृजेश कुमार राय अपने सहयोगियो के साथ उक्त विद्यालय की जांच करने पहुंचे। छानबीन मे विद्यालय के बिना मान्यता के ही संचालित होने की बात उजागर होने पर उन्होने तत्काल विद्यालय को बंद कराया। उन्होंने सभी विद्यालयो के प्रबंधको को चेताया कि यदि कोई भी विद्यालय बगैर मान्यता के संचालित होते पाया गया तो उनके खिलाफ विधिक कार्यवाही की जायेगी और जिन विद्यालयो को बंद कराया जा रहा है यदि फिर ये विद्यालय चलते मिले तो विधिक कार्यवाही के साथ साथ एक लाख रुपए का जुमार्ना लगाया जाएगा।

टोल प्लाजा के खिलाफ भाकियू का धरना प्रदर्शन, अनिश्चितकाल के रूप में बदला

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने टोल प्लाजा प्रशासन के द्वारा किए गए वादे से मुकरने के बाद आज 25 अप्रैल को दोबारा पंचायत रखा इस पंचायत में एसडीएम चुनार नीरज पटेल क्षेत्राधिकारी चुनार रामानंद राय थानाध्यक्ष अहरौरासंजय कुमार सिंह, थानाध्यक्ष अदलहाट थानाध्यक्ष जमालपुर समेत पीएसी फोर्स मौजूद रहे किसान अपनी मांगों को लेकर दूसरी बार टोल प्लाजा के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर रहे है बनस्थली महाविद्यालय के पास SH 5 पर बने नए टोल को हटाये जाने,20 km के दायरे मे क्षेत्रीय लोगों का पास बनाए जानें, व माह के रीचार्ज को 30दिन तक लागू किए जाने के संदर्भ में 28मार्च 2022को किसान पंचायत मे एसडीएम चुनार, चुनार, टोल अधिकारी और किसानो के बीच तय हुआ था की 1अप्रैल से 20kmके दायरे फ्री पास बनेगा, इसके बाद टोल प्रशासन अपने किए वादे से मुकर गया, जिसको लेकर आक्रोशित किसान नेताओं के द्वारा 25 अप्रैल 2022 को पुन पंचायत रखी गई बावजूद इसके टोल प्लाजा प्रशासन कोई ठोस हल नहीं निकाल पाया जिस वजह से किसान नेता इस पंचायत को अनिश्चितकालीन धरने में तब्दील करते हुए टोल प्लाजा के समीप बैठे हुए वहीं एसडीएम चुनार नीरज पटेल से राय मशविरा करने के बाद किसान नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी मिजार्पुर से मिलने के लिए तत्काल रवाना भी हो गया इस प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश सचिव प्रभात सिंह प्रदेश सचिव सिद्धनाथ सिंह जिला अध्यक्ष कंचन सिंह फौजी समेत अन्य किसान मौजूद है 11:00 बजे से चले किसानों की महापंचायत में अन्य विधानसभा क्षेत्र से विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की उपस्थित रहने वालों में सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ आर एस पटेल, जिला पंचायत सदस्य पंकज उपाध्याय, एक्वा जंगल वाटर पार्क प्रतिनिधि राकेश सिंह,आम आदमी पार्टी महिला विंग की प्रदेश उपाध्यक्ष सुशीला वर्मा, वरिष्ठ सपा नेता चुनार विधानसभा क्षेत्र अरुण सिंह, प्रधान संघ के अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह समेत अन्य किसान अनिल सिंह मंडल अध्यक्ष, स्वामी दयाल सिंह, चन्नू सिंह, राम सूरत सिंह, परशुराम, राम विलास सिंह, नंदलाल भारती, रामराज बिंद हरमन सिंह रामलाल, धनेश्वर, विनोद शर्मा,जैसलाल उपस्थित रहे।

भारत के विकास के लिए विगत 5 वर्षो में लगभग 400 से अधिक योजनाएं कार्य कर रही है- दयाशंकर मिश्र 'दयालु'

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उ.प्र. सरकार के मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने आज दिन सोमवार को नगर के एक होटल मे समाचार पत्र प्रतिनिधियों से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता के क्षेत्र मे भारत ने विगत आठ वर्षों मे जो प्रतिष्ठा हासिल किया है वह अतुलनीय है। भारत के बुलन्दी और विकास के साथ साथ देश कैसे आत्मनिर्भर हो उसके लिए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व मे केन्द्र और प्रदेश कि सरकारों ने जो कार्य किया है उससे देश आज विकास के उच्च मानक के साथ हर क्षेत्र मे आत्मनिर्भर हुआ है। आगे उन्होंने कहा कि वो आज भाजपा जिला प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन सत्र सम्बोधन के लिए प्रथम बार गाजीपुर आए है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान के इतिहास मे कभी पाँच वर्षों के लिए 20 सूत्रीय कार्यक्रम निर्धारित होते थे और आज भारत के विकास के लिए विगत 5 वर्षों मे लगभग 400 से अधिक योजनाएं कार्य कर रही है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह, जिला प्रभारी अशोक मिश्रा, पुर्व प्रदेश मंत्री रामतेज पांडेय, सरोज कुशवाहा, सुनिल सिंह, ओमप्रकाश राय, प्रवीण सिंह आदि अन्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्वांचल की गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल है सैयद सालार मसूद गाजी मियां का मेला

खेतासराय कस्बे में 12 मई को लगेगा गाजी मियां का यह विशाल मेला, मुस्लिमों से ज्यादा हिंदूओं की है इस दरगाह में आस्था, जानें कैसे होती है इबादत

प्रखर खेतासराय जौनपुर। हजरत सालार सैय्यद मसूद गाजी मियां उर्फ बाले मियां का मेला 12 मई को खेतासराय कस्बे में लगेगा। सांप्रदायिक सौहार्द के प्रतीक गुर खेत के मैदान में लगने वाले इस मेले में हजारों की संख्या में पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से जायरीन अपनी अपनी मन्नतें मुरादे लेकर आते हैं।

जेठ की चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी के दिनों में प्रत्येक वर्ष गुरुवार को लगने वाले इस गाजी मियां के मेले में अल्पसंख्यकों से कहीं ज्यादा बड़ी संख्या में हिंदू जायरीन शामिल होते हैं। कोरोना कॉविड के चलते पिछले 2 वर्षों से यह मेला नहीं लग रहा था, इस बार मेले की पूरी तैयारी शुरू हो गई है। जौनपुर जिले के बड़े व्यवसाईक इलाका नगर पंचायत खेतासराय के उत्तरी छोर पर गुरखेत के मैदान में लगने वाले इस मेले का शुभारंभ एक दिन पूर्व बुधवार को मनेछा ग्राम सभा से होता है। वहां से जायरीन बुधवार की रात को ही गाजी मियां

के प्रतीक स्वरूप बड़े बांस में बनाये गए लहबर को लेकर गाते बजाते हुए खेतासराय कस्बे में प्रवेश करते हैं। हालांकि हजरत सालार मसूद गाजी मियां उर्फ बाले मियां का कोई स्थायी दरगाह यहाँ नहीं बना है। लिहाजा गुर खेत के मैदान में ही गाजी मियां के लहबर को गाड़ कर उनके मुजावर गाजी मियां के चाहने वालों से सिन्नी, बताशा, मुर्गा मलीदा, चने की दाल, बाटी, बैगन आदि को चढ़ाकर यानी गाजी मियां की कनूरी करके अपनी अपनी मन्नते मुरादें पूरी करते हैं। इस मेले में मुस्लिमों से ज्यादा हिंदूओं की आस्था है। यहां लगने वाले वार्षिक मेले में बड़ी संख्या में हिंदू शामिल होकर गंगा जमुनी तहजीब की मिशाल पेश करते हैं।

सवा महीने पहले अदा होती है लग्न की रस्म

खेतासराय। हजरत सैयद सालार मसूद गाजी मियां अलैहिर्रहमां जनसामान्य में बाले मियां के नाम से जाने जाते है। खेतासराय की ऐतिहासिक कस्बे में हर साल जेठ के महीने में यह मेला लगता है। जहां पर आस-पास के क्षेत्रों के अलावा दूर दराज से भारी संख्या में अकीदतमंद आते हैं। महज 24 घण्टे तक चलने वाले इस मेले के एक सप्ताह बाद अकीदतमंदों द्वारा पलंग पीढ़ी, कनूरी आदि चढ़ा कर मन्नतें मांगी जाती है।

ये हैं बाले मियां

खेतासराय। ऐतिहासिक प्रमाणों के मुताबिक हजरत सैयद सालार मसूद गाजी मियां अलैहिर्रहमां दीन-ए-इस्लाम को चौथे खलीफा हजरत अली रजियल्लाहु अन्हु की बारहवीं पुश्त से है। गाजी मियां के वालिद का नाम गाजी सैयद साहू सालार था। आप सुल्तान महमूद गजनवीं की फौज में कमांडर थे। सुल्तान ने साहू सालार के फौजी कारनामों को देख कर अपनी बहन सितर-ए-मोअल्ला का निकाह आप से कर दिया। जिस वक्त सैयद साहू सालार अजमेर में एक किले को घेरे हुए थे, उसी वक्त गाजी मियां 15 फरवरी 1015 ई. को पैदा हुए। चार साल, चार माह की उम्र में आपकी बिस्मिल्लाह ख्वानी हुई। नौ साल की उम्र तक फिक्ह व तसव्वुफ की शिक्षा हासिल की। आप बहुत बड़े आलिम थे। आप बहुत बहादुर थे। आपकी शहादत असर व मगरिब के बीच इस्लामी तारीख 14 रजब 423 हिजरी में (बहुत ही कम उम्र में) हुई। आप हमेशा इंसानों को एक नजर से देखते थे। सभी से भलाई करते। दुनिया से जाने के बाद भी आपका फैज जारी है। आपका मजार शरीफ बहराइच शरीफ में है। अकीदतमंदों ने गोरखपुर में सैकड़ो साल पहले प्रतीकात्मक मजार बनाई। जो वक्फ विभाग में दर्ज है। गाजी मियां के नाम से मोहल्ला गाजी रौजा भी बसा है।

पत्रकार को मातृशोक, पत्रकारों ने शोक सभा कर दी श्रद्धांजलि

प्रखर जखनियां गाजीपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के शिवमन्दिर पर श्रमजीवी पत्रकारों ने एक शोक सभा आयोजित किया। जिसमें छपरी गांव निवासी आज हिंदी दैनिक के वरिष्ठ पत्रकार डा०ए०के०राय की माता श्रीमती कलावती राय के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया। विदित हो कि डा०ए०के०राय की माता कलावती राय का गत दिनों वृहस्पतिवार की सुबह 82वर्ष की उम्र में निधन हो गया।वह विगत दो वर्षों से अस्वस्थ चल रहीं थीं। माता कलावती राय ने अपने पीछे अपना भरा पूरा परिवार छोड़ गई। दो पुत्र रमणेश प्रताप राय व डा.ए.के.राय एक पुत्री प्रतिमा राय का भरापूरा परिवार है। मुखाग्नि बडे. पुत्र रमणेश प्रताप राय ने दी है। इस मौके पर राधेश्याम जायसवाल, सतीश जायसवाल, गोपाल पाण्डेय गौरीशंकर पाण्डेय, अमित जायसवाल, कृष्णानंद पाण्डेय, संजय चौबे, चन्द्र कुमार पाण्डेय,अनिल चौबे, आदि उपस्थित थे। अध्यक्षता पद्माकर पाण्डेय ने किया।

संक्षिप्त खबरें

मलेरिया उन्मूलन के लिए हुई गोष्ठी

प्रखर वाराणसी। विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर सोमवार को प्रा.स्वास्थ्य केन्द्र बडागांव के परिसर में मलेरिया रोग के बचाव व इलाज के प्रति जागरूक करने के लिए विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रयोगशाला प्राविधिज्ञ आर.के.यादव ने कहा कि स्वयं व अपने परिवार की और उसके बाद मोहल्ले को मलेरिया से मुक्त करना है तो घर घर हर रविवार को मच्छर पर वार का प्रचार -प्रसार कर जन मानस को जागरूक करना पड़ेगा। मलेरिया मुख्य रूप से चार प्रकार के परिजीवी होते है जो भारत में पाऐ जाते है पूरे विश्व में मलेरिया रोग से लाखो लोगो की जान जाती है। इस बार सरकार की ओर से 2030 तक मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर डा0 मनोज कुमार वर्मा, सुजीत कुमार जे0पी0 पाडेय, राजेश चंद्रा, कृष्ण कुमार, विनोद कुमार, चंदन कुमार, मनीष मिश्रा, छेदी लाल, अभिषेक तिवारी व अजय राय उपस्थित रहे।

एक तरफ गर्मी से बेहाल जनता, तो दूसरी तरफ मनमानी बिजली कटौती कटौती से परेशान लोग

प्रखर खानपुर गाजीपुर। एक तरफ जहा लोग तपती गर्मी से परेशान हैं वही दूसरी तरफ बिजली विभाग के द्वारा की जा रही मनमान कटौती से जनता परेशान हैं।वही जब ग्रामीण सम्बंधित अधिकारियों को फोन भी करते हैं तो उनका फोन भी नही उठता है।एक तरफ उच्चाधिकारियों का कागजी कार्यवाही में चौबीस घंटे बिजली देने का वादा है तो वही चौबीस घंटे में छह घँटे भी बिजली मिल पाना दूभर हो गया है। एक तरफ तपती गर्मी और दूसरी तरफ बिजली विभाग के मनमान कटौती से जनता बेहाल है और वही दूसरी तरफ विभाग से सम्बंधित अधिकारियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा है।वही जब बिजली विभाग के जेई खानपुर नत्थूराम से मनमान कटौती के बारे में जानकारी के लिए फोन की गई तो उन्होंने ने बताया कि बिजली की कमी होने के कारण यह कटौती की जा रही है।

अरे वाह जेई साहब ने बताया कि बिजली की कमी के कारण हो रही कटौती, चौबीस घंटे में छह घंटे भी बिजली मिलना हुआ दूभर

स्टील फॉर्महाउस से सामान चोरी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

प्रखर खेतासराय जौनपुर। स्थानीय कस्बे में चैयरमैन आवास के समीप दिन के उजाले में बीते शनिवार को चोर ने स्टील कारोबारी के फर्महाउस से सामान को गायब करने का सीसी फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने फुटेज के आधार पर चोर को हिरासत में ले लिया है। नगर के कोहरौटी निवासी कारोबारी अमित गुप्ता की चैयरमैन के आवास के समीप स्टील का प्लांट है। उन्होंने बीते शनिवार की सुबह नौ बजे दुकान खोला तो स्टील यंत्र का औजार गायब के साथ अन्य सामान बिखरा मिला तो आश्चर्य में पड़ गए। सीसी फुटेज खंगाला तो जोगियाना मुहल्ले का एक युवक की पहचान हुई, ठेले पर उक्त चोर द्वारा सुब एक ठेले पर लादकर ले जाते हुए साफ दिखाई दे रहा है। पीड़ित ने घटना की फुटेज के साथ आरोपी के खिलाफ तहरीर दिया है, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सूत्रों के मानी जाये तो उस स्थान पर दिन भर नशेड़ियों का जमावड़ा होता है। चाहकर भी लोग मना नही कर पाते है। आरोप है कि वे मारपीट और गालीगलौज पर आमादा हो जाते है। अब देखने वाली बात है पुलिस आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करती है या पूछताछ के बाद छोड़ देती है?

कैंसर पीड़िता के सहयोग की मार्मिक अपील

प्रखर दानगंज वाराणसी। जनपद के कुछ समाजसेवियों ने जनपद के ही आर्थिक रुप से कमजोर कैंसर की शिकार महिला को यथासंभव आर्थिक सहयोग देते हुए लोगों से मदद की अपील की। जानकारी के अनुसार वाराणसी जनपद के चेतगंज निवासी शुभम सेठ के ऊपर दुखों का पहाड़ पर टूटा जब उन्हें पता चला कि उनकी मां नीलू सेठ(42) को ब्रेस्ट कैंसर है। जांच कराने पर चिकित्सकों ने तत्काल ऑपरेशन करते हुए ब्रेस्ट काटकर निकालने की सलाह दी। आर्थिक रूप से कमजोर शुभम ने कर्ज. लेकर किसी तरह मां का इलाज शुरू कराया और वाराणसी के सर सुंदरलाल चिकित्सालय में चिकित्सकों ने बेस्ट काटकर निकालते हुए सफल ऑपरेशन किया। जांच शुरू होने से लेकर ऑपरेशन होने तक कारीगरी कर एक भाई एक बहन को पढ़ाने के साथ ही परिवार का पालन पोषण करने वाले शुभम का परिवार भारी कर्ज में डूब चुका है। शुभम की मार्मिक अपील पर समाजसेवी धर्मेंद्र सेठ बबलू ने अपने सहयोगीगण राहुल सिंह स्वर्णकार, अमित वर्मा, श्रवण सेठ, अविनाश सेठ, अमित सेठ, धनजीत सेठ, विनोद सेठ, आदि लोगों के साथ पहुंचकर सोमवार को आर्थिक मदद करते हुए महानुभाव समाजसेवियों से उक्त परिवार की मदद करने की अपील की।

प्रदेश के राशन डीलरो का कमीशन जल्द बढ़ाया जाय : गिरीश तिवारी

प्रखर लखनऊ। आल इण्डिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक आज लखनऊ में दारूल सफा कामन हाल अब्लाक में हुई।जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्री ?राजेश तिवारी ने किया। बैठक में समस्त जिलों के जिला अध्यक्ष मण्डल अध्यक्ष प्रदेश पदाधिकारी गण मौजूद थे। बैठक में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने कहा कि 2022के विधानसभा चुनाव में प्रदेश के 80000हजार राशन डीलरो ने सरकार का साथ दिया।यह सरकार राशन पर पूरे प्रदेश इसी पर चुनाव लडा है।और बम्पर जीत हासिल हुई है। लेकिन अभी तक हम लोगों का कमीशन नही बढ़ा है।उसे जल्द बढाया जाय।बैठक में प्रदेश महासचिव अशोक सिंह ने बताया कि संगठन का और विस्तार किया जायेगा बैठक में विश्वजीत मणि रामकुमार सिंह सरिता अवस्थीजी विजय राय बम्हदेव मिश्रा आनन्द सिंह लक्ष्मी पाण्डेय संदीप मिश्रा अशोक कुमार आदि लोग मौजूद थे। कार्य क्रम का संचालन अशोक सिंह ने किया।

रोजा इफ्तार: देश में अमन चैन के लोगों ने मांगी दुआ

प्रखर खेतासराय जौनपुर। इंस्टीट्यूट फॉर सोशल डेमोक्रेसी नई दिल्ली व आजाद शिक्षा केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में आजाद शिक्षा केंद्र के कार्यालय में रोजा इफ्तार पार्टी में मुल्क की तरक्की

आजाद शिक्षा केंद्र के तत्वाधान में आयोजित हुई इफ्तार पार्टी

और अमन शांति की बात की गई जिसमें समाज के सभी तबके के लोग ,आजाद शिक्षा केंद्र से जुड़े विभिन्न गांव के प्रतिनिधि, अब्दुल्ला फारुख ,डॉक्टर आजम, मनोज श्रीवास्तव, प्रिंस श्रीवास्तव व आजाद शिक्षा केंद्र के ज्योतिका श्रीवास्तव मनोज, आफताब आलम, सुनील बिंद, बीनू,नौशाद,

रीमू आदि उपस्थित रहे। संस्था प्रमुख निसार अहमद खान ने लोगों से बातचीत के दौरान कहा कि रमजान उल मुबारक का यह पाक व पवित्र महीना रहमतों का बरकतों से भरपूर है। इफ्तार पार्टी का उद्देश्य देश में सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देना है और आपसी सद्भाव कायम करना है। यह कार्यक्रम हमें आपस में सामाजिक सौहार्द सिखाता है जिसको अपनाने की आवश्यकता है। इफ्तार पार्टी के दौरान हिंदु मुस्लिम भाईचारा के साथ गंगा जमुनी तहजीब की झलक देखने को मिली ।

ट्रांसफार्मर में शार्ट सर्किट से लगी आग

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सुहवल क्षेत्र के रमवल चौमुहानी स्थित 250 केवीए ट्रांसफार्मर में शनिवार की देर शाम शार्ट सर्किट से आग लग गई। इससे वहां से गुरजने वालों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने सूचना देकर आपूर्पि बंद कराई। काफी मशक्कत के बाद बालू-मिट्टी डालकर आग पर काबू पाया गया। ट्रांसफार्मर में आग लगने से सैकड़ों घरों की बत्ती गुल हो गई। इससे भीषण गर्मी में लोगों की परेशानी बढ़ गई। दो घंटा बाद बिजली का दर्शन होने पर लोगों ने राहत की सास ली। मालूम हो कि पिछले कई दिनों से ट्रांसफार्मर से तेल रिस रहा था। इसके कभी भी आग लगने की संभावना बनी हुई थी। तेल रिसाव से कई बार विभाग को अवगत कराया गया, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। इसकी परिणाम यह हुआ कि शनिवार की देर शाम करीब छह बजे ट्रांसफार्मर में आग लग गई। आग लगते ही आवागमन करने वालों में अफरा-तफरी मच गई। लोग आग-आग का शोर मचाने लगे। आवाज

सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने तत्काल विभाग को सूचना देकर आपूर्ति बंद कराई। इसके बाद बालू-मिट्टी डालकर किसी तरह से आग को बुझाया। आग की वजह से सैकड़ों घरों की बत्ती गुल हो गई। इससे भीषण गर्मी में लोगों की परेशानी बढ़ गई। कर्मियों ने केबिल की मरम्मत कर करीब दो घंटे बाद आपूर्ति सुचारू किया, जीसके बाद लोगों ने राहत की सास ली। लोगों ने बताया कि क्षेत्र में दौड़ाए गए बिजली के तार भी पूरी तरह से जर्जर हो गए है, जो आएदिन टूटकर गिरते रहे। इससे घंटों लोगों को बिजली आपूर्ति से वंचित बना पड़ रहा है। अनापूर्ति की वजह से भीषण गर्मी में लोगों का चैन छीन जा रहा है। लोगों को पसीना पोछते हुए बिजली आने का इंतजार करने को विवश होना पड़ रहा है। इस संबंध में उपखंड अधिकारी विजय यादव ने बताया कि आग पर काबू पाने के बाद केबल की मरम्मत कर करीब दो घंटा बाद विधुत आपूर्ति बहाल कर दी गई।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने दयालु का किया सम्मान

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जनपद वाराणसी प्राथमिक संवर्ग के तत्वाधान में मुख्य अतिथि डॉक्टर दयाशंकर मिश्र (दयालु गुरु) राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार उत्तर प्रदेश सरकार का स्वागत एवं अभिनंदन समारोह जनकल्याण हॉस्पिटल केंपस महमूरगंज वाराणसी में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पांडेय

"शेखर"ने तथा संचालन जिला महामंत्री आनंद कुमार सिंह ने किया। अति विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रतिष्ठित उद्यमी एवं समाज सेवी शशांक अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि डॉ प्रभाकर द्विवेदी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पांडेय ने मुख्य अतिथि डॉ दयाशंकर मिश्र से शिक्षकों कर्मचारियों को पुरानी पेंशन व्यवस्था से आच्छादित कराने के लिए केंद्र सरकार की तरह मेमोरेंडम जारी करवाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से वार्ता करने के लिए आह्वान किया।

मुख्य अतिथि के रूप में विषय रखते हुए डा० दयाशंकर मिश्र ने कहा जनपद वाराणसी में प्राथमिक शिक्षा में हुए आमूल चूल परिवर्तन के लिए सरकार द्वारा लाए गये कायाकल्प योजना का धरातल पर क्रियान्वयन शिक्षकों ने किया है। मैं मंत्री से पहले शिक्षक हूं इसलिए आपके दुख दर्द को दूर करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। कार्यक्रम के दौरान पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने के लिए राज्य में मेमोरेंडम जारी करवाने के लिए जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पांडेय के नेतृत्व में मंत्री जी को ग्यापन दिया गया। मंत्री ने पुरानी पेंशन की आवश्यकता को समझते हुए माननीय मुख्यमंत्री के संज्ञान में इस मुद्दे को पहुंचाने का वादा किया। इस अवसर पर डॉ दयाशंकर मिश्र के सफल जीवन पर आधारित स्वरचित कविता का मोमेंटो नवाचारी शिक्षिका श्रीमती ममता पटेल के द्वारा भेंट किया गया। डॉ दयाशंकर मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि मैं खुद एक शिक्षक रहा हूं, शिक्षक हित के लिए सदा संघर्ष करता रहा हूं, इसलिए शिक्षकों के हित एवं समस्या के समाधान के लिए मै सतत प्रयास करते हुए अपना अमूल्य योगदान देता रहूंगा तथा शिक्षकों द्वारा बताई गई विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए इसके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। स्वागत, सम्मान समारोह में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के कार्यकारी जिला अध्यक्ष ज्योति प्रकाश, डा० रमा रुखैयार, आशा पाठक,दीपिका सिंह,सत्य प्रकाश पाल, डॉ दिनेश चंद्र, गोपेश यादव, राजन सिंह ,आशा पाठक, आशा विश्वकर्मा, संजीव त्रिपाठी, प्रशांत मोहनगिरी , सुधारानी, अरविंद द्विवेदी,आशुतोष,रितु ओबेराय ,दीपिका सिंह, गीता गुप्ता,शशि भूषण त्रिपाठी, नंदलाल, अनिल तिवारी,धीरेंद्र सिंह, ममता पटेल, डॉ कुंवर भगत सिंह,सुरेखा गुप्ता, प्रीति सिंह ,सुनीता चतुर्वेदी जया श्रीवास्तव, संजय पाठक ,वेणु अग्रवाल, डॉ संजय गुप्ता, रेखा सिंह,मीना आदि बड़ी संख्या में शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

'अपना सिंदूर लेलो' पुस्तक का हुआ लोकार्पण

प्रखर जखनियां गाजीपुर। विरनो थाना क्षेत्र के रामपुर फत्तेपुर कहोतरी आजाद इण्टर कालेज के सभाकक्ष में पुस्तक लोकार्पण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कालेज के सभागार में खचाखच भरे साहित्य प्रेमियों के मध्य क्षेत्र के वरिष्ठ साहित्यकार हरिनारायण यादव "बेसुध" द्वारा लिखित कहानी संग्रह 'अपना सिंदूर लेलो, तथा अबतक की कविताएं का सफल लोकार्पण वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामौतार जी के कर कमलों द्वारा किया गया। जहां128पृष्ठ पर अंकित 18कहानियो का सामयिक अनछुए पहलुओं पर आधारित संकलन मानवीय अंतर्मन की संवेदनात्मक प्रस्तुति का अकाट्य उदाहरण थी। वहीं विभिन्न विषय वस्तुओं पर केंद्रित कविता की कामिनी अपनें आपमें अद्भुत और काफी प्रभावशाली रही। उपस्थित विद्वान साहित्य कारों ने बेसुध जी की रचित और लिखित पुस्तक की साहित्यिक दृष्टि से समीक्षा करते हुए व्यापक प्रकाश डाला।कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण स्वागत से हुआ। कार्यक्रम के उत्तरार्ध में साहित्यिक काव्य गोष्ठी का

आयोजन किया गया। जिसमें जनपद की जानेमाने सशक्त काव्य हस्ताक्षरों ने भाग लिया। जिसमें कामेश्वर द्विवेदी, विजय कुमार मधुरेश,सूरज पाण्डेय , हरिनारायण यादव बेसुध, गौरीशंकर पाण्डेय सरस, सुदर्शन कुशवाहा चिराग,विमल जी, गंगेश जी ने अपनी रचना विधाओं से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया।इस मौके पर प्रधानाचार्य रामबदन यादव,पारस नाथ यादव जिला पंचायत सदस्य, जनार्दन जी पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष, श्रीनिवास जी, सुरेश कुमार राय जी, तथा गाजीपुर समाचार के संपादक संजय कुमार जी सुजित जी आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षता वरिष्ठ कवि सूरज पाण्डेय और संचालन गंगेश जी ने किया। अंत में कवि और नाटककार विमल कुमार जी ने अपनी खोज कृति रानी पुर के लोग प्रकाशित पुस्तक उपस्थित सादर सप्रेम भेंट किया।

पंचायती राज दिवस पर आयोजित की गई ग्रामसभा, लिया गया संकल्प

प्रखर खानपुर गाजीपुर। प्रदेश भर में ग्राम पंचायते रविवार को अपना स्थापना दिवस मना रही है। इसके लिए 24 अप्रैल को समस्त पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन करने के निर्देश विभाग द्वारा दिया गया है।राष्ट्रीय पंचायत दिवस पर देशभर में ग्राम सभाएं आयोजित की जा रही है। साथ ही प्रत्येक पंचायत को स्थापना दिवस मनाने की योजना बनाने के भी निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश पंचायती राज विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय पंचायत दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को संबोधित करेंगे तथा इस अवसर पर पंचायतों को वर्चुअल माध्यम से सम्मानित किए जाने के भी कार्यक्रम है।इस दौरान सभी पंचायतों में ग्रामीण आनलाइन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणाओं को भी सुनेंगे वही क्षेत्र के अमेहता में महिला ग्राम प्रधान सुनीता मिश्रा

के द्वारा ग्राम सभा आयोजित की गई और ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑनलाइन घोषणाओं को भी सुना गया।इस अवसर पर ग्राम सचिव आजाद पांडेय व छेत्रीय लेखपाल शिवचरण यादव भी उपस्थित रहे।ग्राम प्रधान सुनीता मिश्रा ने बताया कि आज 24 अप्रैल को पंचायतीय राज दिवस पर ग्राम सभा आयोजित की गई है।यही 13 वाँ राष्ट्रीय पंचायत दिवस है।और इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घोषणाओं को भी सुना गया,ग्राम सभा आयोजित कर लोगो को सम्बोधित करते हुए महिला ग्राम प्रधान सुनीता मिश्रा व ग्राम सचिव आजाद पांडेय में बताया कि पंचायतें लोकतंत्र की मजबूत नींव व लोक-मंगल की सिद्धि का जीवंत अधिष्ठान हैं, राष्ट्रोदय के संकल्प की पूर्णता का प्रथम सोपान हैं।साथ ही आइए, अपनी पंचायतों को सशक्त और सहभागी बनाकर लोकतंत्र को समृद्ध करें।इस अवसर पर ग्राम प्रधान पति राकेश मिश्रा व अजय मिश्रा, क्षेत्रीय आशा प्रतिभा यादव, मालती देवी, विद्या देवी, सिमा सैनी, पुष्पलता,कमला देवी, चन्द्रकला, हाशिया बेगम, अरविंद सिंह, रजिंदर यादव, सफाईकर्मी सुनील कुमार, सुरेंद्र कुमार, राजेश सिंह, रेहाना, मुन्नी देवी आदि लोग उपस्थित रहे।

आग की चपेट में महिला की मृत्यु पर पुलिसकर्मियों ने दिया कंधा

पुलिस अधीक्षक डा. कौस्तुभ पुरंदरपुर पुलिस टीम को 5000 नकद पुरस्कृत की घोषणा की

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज दिनांक 24.04.2022 को पुरन्दरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम टेढ़ी टोला आनन्दनगर में आग लगने की घटना से एक वृद्ध महिला शिवराजी देवी पत्नी श्री गगन चौधरी उम्र 75 वर्ष की गेहूं के खेतो में लगे आग की चपेट में आ जाने से जल कर मृत्यु हो गयी । उक्त आग लगने की सूचना पाकर मौके पर थाना पुरन्दरपुर की पुलिस द्वारा तत्काल पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से प्राइवेट ट्यूबवेल से पानी की व्यवस्था कराकर आग पर काबू पाया गया । यह टोला चारों तरफ से रोहिणी नदी से घिरा हुआ है जहां पर वाहनों के आवागमन की कोई सुविधा नही है । मृतका शिवराजी देवी के शव को शव किट में रखवाकर बाद मुर्रत्व पंचायत नामा की कार्यवाही कर बांस की तिख्ती तैयार कराकर परिवार वालों की मदद से प्रभारी निरीक्षक पुरन्दरपुर सतेन्द्र कुमार राय द्वारा अपनी पुलिस टीम के साथ लगभग 2.5 कि 0 मी 0 की दूरी तक शव को कंधे पर रखकर ससम्मान रोहिणी नदी के पार लाया गया । तत्पश्चात

वाहन की व्यवस्था कराकर मृतका के शव को पोस्टमार्टम हेतु सदर मर्चरी रवाना कराया गया । पुलिस अधीक्षक महराजगंज डॉ ० कौस्तुभ द्वारा थाना पुरन्दरपुर प्रभारी निरीक्षक एवं पुलिस टीम की इस मानवीय कार्य की सराहना करते हुए समस्त पुलिस टीम को रु 0 5000 / नगद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी ।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं